XLRI in News
November 2019

PUBLICATION: The Hindu Business Line

DATE: 20 November 2019

EDITION: Kolkata

PAGE: 17

Summer placements at B-schools, engineering colleges witness heightened activity, lift mood

The FMCG sector made maximum offers followed by technology and e-commerce

SHOBHA ROY

Kolkata, November 19

Summer placements, internships, across various B-schools and engineering colleges this year have witnessed a rise in the number of offers by companies, more first-time recruiters and higher stipends, compared to last year.

While a section of the industry feels that the uptick has to be seen in the light of the relatively tight job market scenario last year, the summer placements will likely set the tone for the final placements this season.

Summer placements provide internship opportunities to engineering and management students. According to industry experts, over 30 per cent of the pre-placement offers (PPOs) bagged by students ahead of the final placements come as a result of their summer internship stints. So, not only does a good show during the summer internship help showcase their capabilities, it also gives some students the edge during final placements.

Good show

IIT-Kharagpur, for instance, has bagged over 500 internship offers in the first phase, compared to 461 offers last year. The second phase is expected to commence from the second week of January 2020.

"The internship process, which started in August 2019, has been soaring compared to last year. The Career Development Centre (CDC) is optimistic that in the second phase, the institute can register the highest number of internships seen in recent times," said a press statement by IIT-Kharagpur.

More than 75 companies across various sectors, including IT/software, analytics/consulting, e-commerce, banking and healthcare participated.

GP Rajasekhar, Chairman - CDC, IIT-Kharagpur, said, "The internship season was better than in the last few years. Also, the PPO rate is very encouraging. We took proactive measures to attract companies by reviewing our Company Relation Index (CRI) and then upgraded a few companies." . IIM-Calcutta saw 136 firms participating in the summer placement process and as many as 200 roles offered to the class of 2021. Finance and consulting firms accounted for over 43 per cent of the total offers. Several firms also threw open international roles, including Bank of America Merrill Lynch, Deutsche Bank, Barclays, and Hexaware, the institute said.

"Several new firms were added across the spectrum to cater to a larger batch size and provide multiple options to the students. The number of participating firms grew by over 13 per cent, which include first-timers like Puma, Emami, Cochlear, Atha Group, ValueLabs and Apparel Group," IIM-C said in response to a questionnaire sent by *BusinessLine*.

"The placement process was a successful affair, with new and regular recruiters hiring in higher numbers as well as for more roles. The technology/e-commerce sector was a prominent recruiter, offering about 24 per cent of the total offers, in line with the overall job market trend. For the rest of the sectors, the offers and roles were either better or at par with last year," said Rajiv Mishra, Chairperson, Placement (BM & HRM), XLRI.

According to Neeti Sharma, Senior Vice-President, TeamLease Services, several indicators currently point to the likelihood of companies experiencing better quarters in terms of business and profitability, going forward. This is likely to translate into a pick-up in hiring demand.

PUBLICATION:Business Standard Hindi
DATE: 4 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

अगले 3 महीने में बढ़ सकता है कामगारों का वेतन

सोमेश झा
नई दिल्ली, 3 नवंबर

केंद्र सरकार ने कामगारों का न्यूनतम वेतन तय करने के तरीके में बड़े बदलाव का प्रस्ताव किया है। इसमें वे नियम शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल सातवें वेतन आयोग द्वारा सरकारी अधिकारियों का न्यूनतम वेतन तय करते समय किया गया था।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न दिए जाने की शर्त पर कहा कि इसके परिणामस्वरूप कामगारों का न्यूनतम वेतन अगले तीन महीने में बढ़ सकता है।

पहली बार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय नियमों का एक खाका तैयार कर रहा है, जिसमें न्यूनतम वेतन तय करने का तरीका दिया गया है। इसमें बच्चों की पढ़ाई, इलाज संबंधी जरूरतों सहित कर्मचारी के परिवार पर आने वाली लागत को शामिल किया गया है, जिससे इस मामले में मनमानी दूर की जा सके। यह वेतन (केंद्रीय) नियम 2019 के मसौदे का हिस्सा है, जिस पर श्रम मंत्रालय ने लोगों की राय मांगी है।

ये नियम वेतन अधिनियम 2019 का हिस्सा हैं, जिसे संसद ने पारित किया है और इस साल अगस्त में अधिसूचित किया गया है। इसमें कुछ उद्योगों को छोड़करदेस के सभी मजदूरों को न्यूनतम वेतन देने का प्रस्ताव किया गया है।

केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव 1992 में एक नियम में उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई सलाह, जिसे रैप्टाकोस जजमेंट नाम से जाना जाता है, और 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) 1957 की सिफारिशों के आधार पर है।

उच्चतम न्यायालय की सलाह के मुताबिक, जिसे केंद्र सरकार द्वारा स्वीकार किया जाएगा, कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी इस तरह से तय की जानी चाहिए कि उसका 25 प्रतिशत हिस्सा बच्चों की शिक्षा, इलाज की जरूरतों, मनोरंजन और आकस्मिक व्यय के लिए हो। इसके साथ ही मसौदा नियम के मुताबिक न्यूनतम वेतन तय किए जाते समय सरकार कामगारों के परिवार के भोजन, कपड़े, मकान के किराये, ईंधन और बिजली पर आने वाले खर्च को ध्यान में रखेगी।

न्यूनतम वेतन का ज्यादातर हिस्सा खाने व कपड़े पर होने वाले व्यय से जोड़े जाने का प्रस्ताव है। उदाहरण के लिए मकान और किराये पर व्यय खाने व कपड़े पर व्यय का 10 प्रतिशत होगा। कर्मचारी के परिवार के खाने पर लागत 2700 कैलोरी प्रतिदिन के हिसाब से 3 सदस्यों के आधार पर जोड़ा जाएगा। वहीं कपड़े का व्यय (पूरे परिवार के लिए 66 मीटर कपड़ा प्रति साल) के आधार पर तय होगा। यह दोनों अहम मानक हैं, जिनका पालन करना होगा। ईंधन और बिजली की लागत न्यूनतम वेतन का 20 प्रतिशत होगी। प्रस्तावित मानक सिर्फ रेलवे, खनन, तेल, उड्डयन, दूरसंचार, बैंकिंग व बीमा क्षेत्रों के साथ केंद्र सरकार के उपक्रमों, सरकारी बंदरगाहों और केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए निजी ठेकेदारों पर लागू होंगे। उद्योगों के लिए यह मानक संबंधित राज्य सरकारों द्वारा वेतन अधिनियम संहिता 2019 के मुताबिक अधिसूचित किया जाएगा।

अब तक सरकार के नियमों में न्यूनतम वेतन की गणना करने के तरीके नहीं दिए गए थे। यह नियोक्ता व कर्मचारियों के बीच टकराव की अहम वजह थी और कभी कभी मामले अदालतों तक पहुंच जाते थे। न्यायालय में मुकदमों सहित विभिन्न वजहों से दिल्ली सरकार को कर्मचारियों के वेतन में 37 प्रतिशत बढ़ोतरी के प्रस्ताव को तीन साल बीत चुके हैं, जिसकी प्रक्रिया अगस्त 2016 में शुरू की गई थी।

हालांकि सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन तय करने को लेकर दो तरह के विचार आ रहे हैं। पहला यह कि इस समय की हकीकतों, आर्थिक हालत को ध्यान में रखकर न्यूनतम वेतन तय किया जाए। दूसरा- ऐतिहासिक मानकों का पालन किया जाए, जो पर्याप्त हैं और उन्हें अब तक पूरी तरह से लागू नहीं किया गया।

एक्सएलआरआई में मानव संसाधन प्रबंधन के प्रोफेसर और श्रम अर्थशास्त्री केआर श्याम कुमार ने कहा, 'केंद्र सरकार ने मसौदा नियम में जो तरीका अपनाया है, वह सही दिशा में है। इसमें सातवें वेतन आयोग का भी पालन किया गया है। न्यूनतम वेतन तय करने को लेकर यह प्रगतिशील तरीका है। इससे निश्चित रूप से वेतन में बढ़ोतरी होगी।'

बहरहाल वीवी गिरि नैशनल लेबर इंस्टीट्यूट के फेलो अनूप सत्पथी का मानना है कि मसौदा नियम मौजूदा हकीकतों से तालमेल नहीं खा रहे हैं और इसमें सामाजिक आर्थिक मसलों व श्रम बाजार की स्थिति पर विचार नहीं किया गया है।

न्यूतम वेतन तय करे के लिए सरकार द्वारा नियुक्त की गई विशेषज्ञों की समिति की अध्यक्षता कर चुके सत्पथी ने कहा, 'न्यूनतम वेतन तय करने के मानक समसामयिक और साक्ष्य आधारित होने चाहिए। इसे खाद्य घटकों से अलग किया जाना चाहिए और गैर खाद्य व्यय कामगारों द्वारा किए जा रहे वास्तविक व्यय के आधार पर तय किया जाना चाहिए। श्रमिक उत्पादकता और रोजगार पर इसके असर जैसे आर्थिक पहलू भी अहम होने चाहिए।'

वेतन नियम 2019 का मसौदा

- सरकार ने रेलवे, खनन, तेल, उड्डयन और दूरसंचार, बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों के साथ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सरकारी बंदरगाहों और केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए निजी ठेकेदारों के न्यूनतम वेतन तय करने के लिए मसौदा नियम तैयार किए
- पहली बार न्यूनतम वेतन का 25 प्रतिशत हिस्सा कामगार के परिवार के बच्चों की शिक्षा और इलाज की जरूरतों के लिए रखा जाएगा
- केंद्र सरकार द्वारा तैयार नियमों को अन्य उद्योगों के लिए स्वीकार को लेकर राज्य स्वतंत्र होंगे
- एक समिति मसौदा नियमों के फॉर्मूले को ध्यान में रखकर न्यूनतम वेतन तय करेगी
- सरकार न्यूनतम वेतन का एक राष्ट्रीय मानक तय करेगी, जो राज्यों को भी अनिवार्य रूप से मानना होगा
- सरकार के एक अधिकारी के मुताबिक नया न्यूनतम वेतन तय करने की प्रक्रिया पूरी करने में करीब 3 महीने लगेंगे
- न्यूनतम वेतन विभिन्न कौशल जैसे गैर कुशल, अर्धकुशल, कुशल और बहुत ज्यादा कुशल और भौगोलिक क्षेत्रों जैसे मेट्रो, गैर मेट्रो और ग्रामीण इलाकों के आधार पर अलग अलग होता है

PUBLICATION:Business Standard
DATE:4 November 2019
EDITION:All Edition
PAGE:6

Minimum wage likely to be fixed for children's education, medical costs

New set of rules proposed to calculate it; threshold for workers could see increase in next three months

SOMESH JHA
New Delhi, 3 November

DRAFT CODE ON WAGES RULES, 2019

- **Govt frames draft rules** for fixing minimum wage for railways, mines, oil, aviation and telecom, banking and insurance sectors along with CPSEs, govt-owned ports & private contractors engaged by the central government
- **For the first time,** 25% of minimum wage component will include expenses of a worker's family on education of children and medical needs
- **States free to adopt the rules** framed by the Centre for other set of industries
- **The minimum wage rates will now** be fixed by a committee
- **The government will also set** a national floor for minimum wages

The manner in which the minimum wages for workers is fixed is going to see a big change. The Union government has proposed a set of rules which was adopted while setting the minimum wages for its own officials (in 2016) by the Seventh Pay Commission. As a result, the minimum level for workers is set to go up in the next three months, a senior labour and employment ministry official said, requesting anonymity.

The ministry has made a set of rules prescribing the way in which it will fix the level. And, it will cover the cost to a worker's family of children's education, medical requirements and recreation. This is part of the draft Code on Wages (Central) Rules, 2019, for which public comments have been invited by the ministry.

The rules are part of the Code on Wages Act, 2019, passed by Parliament and notified in August this year, which proposed to give minimum wages to all workers across the country, instead of only a set of industries.

The central government has proposed to follow in toto the Supreme Court's advisory in a ruling in 1992, popularly known as the Raptakos judgment, and recommendations of the 15th Indian Labour Conference, made in 1957. According to the SC advisory, which will be adopted, minimum wages for workers are to be so fixed that 25 per cent of it constitutes "expenditure for children's education, medical requirement, recreation and expenditure on contingencies".

Along with it, while setting the level, the government will keep in mind the expenditure of a worker's family (of three) towards food, clothing, house rent, fuel and electricity, say the draft rules. Most of the components in the wage are proposed to be linked to expenditure on food and clothing. For instance, housing and rent expenditure will constitute 10 per cent of food and clothing expenses. The cost of expenditure by a worker's family on food with net intake of 2,700 calories per day for three family members and clothing (66 metres cloth per year for the whole family) will be the most important criteria, being followed in present day practice as well. Fuel and electricity cost would constitute 20 per cent of the minimum wage.

To be sure, these proposed norms will apply only to the railways, mines, oil, aviation, telecom, banking and insurance sectors along with central public sector enterprises, government-owned ports and private contractors engaged by the central government. The norms for all sets of industries will be notified by respective state governments, as in the Code on Wages Act, 2019. The manner of calculating the minimum rate of wages was not prescribed in government rules so far and has been a bone of contention for employers and employees, often leading to litigation. For various reasons, including court cases, it took the Delhi government more than three years to notify a hike in the minimum wage for workers by 37 per cent, after it had started the process in August 2016.

There are two schools of thought on fixing the minimum wage. Either go with a renewed approach in line with realities, keeping economic factors in mind or stick to the historical norms, which are sufficient and were not followed in letter and spirit till date.

"The approach followed by the central government in the draft rules is the right way to go. This was followed by the seventh pay commission, too. It's a progressive way to recognise that the minimum wage determination process does not change because of time and space. It will definitely lead to a hike in minimum wage," said K R Shyam Sundar, labour economist and professor of human resources management at XLRI-Xavier School of Management.

However, Anoop Satpathy, fellow at the VV Giri National Labour Institute, saysthe draft rules do not take into account socio-economic considerations and labour market realities.

"The parameters of fixing the minimum wage should be contemporary and evidence-based. It should be delinked to the food component and non-food expenses should be based on actual expenditure by workers. Economic considerations, including labour productivity and impact on employment, should also be key factors," says Satpathy, who had headed a government-appointed committee on fixation of minimum wages.

PUBLICATION: Business Standard
DATE: 13 November 2019
EDITION: Kolkata
PAGE: 3

Business Standard

CAMPUS TALK

BS PROMOTIONS

GNOSIS'19 - XLRI's Annual Finance Symposium

The Finance Association at XLRI successfully hosted GNOSIS 2019, XLRI's Annual Finance Symposium, on 9th November at The St. Regis, Mumbai. The symposium saw Mr. P S Jayakumar, MD & CEO of Bank of Baroda and XLRI alumnus deliver the key-note address. The theme was "Indian Financial Sector: Changing Frontiers". The banking panel discussion on 'The future of corporate lending: Navigating systemic changes' by five eminent panelists - Mr. Manish Kothari., (Senior Executive VP, Kotak Mahindra Bank); Mr. Sanjeev Lall (Partner, Udvik Infrastructure Advisors LLP); Mr. K V Srinivasan (CEO & ED, Profectus Capital Pvt Ltd); Mr. Sunil Damodar (Former General Manager, SBI); and Mr. Himanshu Joshi, (Former Executive Director, Board of Oriental Bank of Commerce), moderated by internationally certified success coach, Mr. Mudit Yadav (Founder, MY Success Coach). The panelists discussed the positives and negatives of linking floating rates to external benchmarks on the impact of the same on lending. The discussion ended with the emergence of neo banks in the economy and whether they should be viewed as opportunities for synergy or threats.

Post-lunch, Mr. Satish Kumar Gupta (Registered Insolvency Resolution Professional), addressed the delegates as a guest speaker. He walked the audience through insolvency proceedings and the implications of the inclusion of operational creditors under the insolvency framework. The second panel discussion on "Investments in the wake of slowdown" featured - Mr. Jigar Mistry (Co-founder, Buoyant Capital); Mr. Rajesh Sehgal (Managing Partner, Equanimity Investments); Mr. Pinak Bhattacharya (Vice President, India Infoline Ltd); and Mr. Prateek Pant (Co-founder, Sanctum Wealth Management) as panelists for the discussion. The panel was moderated by Mr. Ganesh Ramachandran, VP & CIO at Alkiem Lab. The panelists drew the contrast between the economic slowdown and the market sentiments reflected. They observed that this shows that the economy is showing the first signs of revival. They also commented that what we are experiencing currently is a 'confidence of crisis' and the economy is in its 'clean - up phase'. The panel discussion was followed by a session from guest speaker, Mr. Prasanna Lohar, Head Innovation, DCB Bank, who spoke extensively on innovation in the banking sphere. He drew parallels between the digital trends of consumer communication and innovation in the BFSI sector. As part of the symposium, FINAX in association with XLRI Alumni Chapter Mumbai recognized and awarded distinguished XLRI Alumni for their achievements in the finance domain with the "GNOSIS Excellence Awards". The awardees were Mr. Manish Kothari, Mr. Gaurav Suri, Ms. Piyali Chowdhary; Ms. Rajkamal Vempatti.

– Nivedita Singh

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

ऑन्सबंल-वालहल्ला • अभिनेता व एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र आकाश खुराना ने किया उद्घाटन

एक्सएलआरआई में प्रबंधन के साथ ही थियेटर में लिया भाग, अभिनय में इससे मदद मिली : आकाश खुराना

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

एक्सएलआरआई में तीन दिवसीय कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फेस्ट ऑन्सबंल-वालहल्ला का आगाज शुक्रवार को हुआ। अभिनेता व एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र डॉ. आकाश खुराना, एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी एसजे, एक्सएलआरआई के एल्युमिनाई एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट रणवीर सिन्हा ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

इस दौरान उद्घाटनकर्ता डॉ. आकाश खुराना ने कहा कि एक्सएलआरआई विद्यार्थियों को एक खुला आसमान देता है, आप जितना चाहें उड़ लें। अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए आकाश खुराना ने बताया कि वे एक्सएलआरआई में पढ़ते हुए ड्रम, पियानो बजाते थे, थियेटर में अभिनय भी करते थे। इसका लाभ आगे जाकर उन्हें मिला। यह शौक कॅरियर में तब्दील हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे दिल की सुनें, मेहनत करें, सफलता मिलेगी। इस दौरान फादर पी क्रिस्टी एसजे, रणवीर सिन्हा ने भी अपने विचार रखे।

एक्सएलआरआई में स्ट्रीट प्ले प्रतियोगिता के बाद अपनी राय रखते अभिनेता शिशिर सिन्हा

ऑन्संबल -वालहल्ला में आज के कार्यक्रम : शनिवार को ऑन्संबल-वालहल्ला में शनिवार को आइडिया समिट, फ्यूचर लीडर प्रोग्राम, सोलो डांस, कविशाला, वाटर ऑफ विट्स, मेरी गली में जैसी प्रतियोगिता होगी। अंत में लोकल ट्रेन बैंड का परफॉर्मेंस होगा।

डिसूजा को दी श्रद्धाजंलि : ऑन्सबंल-वालहल्ला उद्घाटन समारोह में 1982-89 तक एक्सएलआरआई के निदेशक रहे फादर रैम्यूल्ड डिसूजा के निधन पर उन्हें दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर देशभर से विभिन्न संस्थानों से आए सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे।

बीआईटी मेसरा बना विजेता : पहले दिन विभिन्न स्कूलों के बीच स्ट्रीट प्ले का आयोजन किया गया। इस स्ट्रीट प्ले के जज अभिनेता शिशिर सिन्हा थे। प्रदर्शन के आधार पर बीआईटी मेसरा को विजेता घोषित किया गया। इसके साथ ही एडमैड, ललकार स्ट्रीट प्ले और जेनेसिस जैसी प्रतियोगिताएं हुईं।

बोधि ट्री बैंड का प्रदर्शन : पहले दिन का समापन बोधि ट्री समेत 7 बैंडों के बीच बैटल ऑफ बैंड्स के बीच हुआ। एक्सएलआरआई के बैंड बोधि ट्री के परफॉर्मेंस पर सभी झूमते रहे। वहीं कॉमेडियन आकाश गुप्ता और करूणेश तलवार ने भी चुटकुलों और हाजिर जवाबी से खूब हंसाया।

वॉयस मॉड्यूलेशन जरूरी : शिशिर सिन्हा ने अभिनय का टिप्स देते हुए विद्यार्थियों को बताया कि अभिनय के दौरान दर्शकों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देना चाहिए। वॉयस मॉड्यूलेशन बेहद जरूरी है। वहीं स्ट्रीट प्ले से दिए जाने वाले मैसेज को आउटलाइन किया जाना बेहद जरूरी है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 5 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

आकाश खुराना ने एक्टिंग में नाम कमाया तो वरुण महाना ने देश में स्किल बेस्ड गेम पोकर को पॉपुलर बनाया

एक्सएलआरआई के छात्र रहे दो विद्यार्थियों की कहानी जिन्होंने कारपोरेट की नौकरी छोड़ वह किया, जो दिल ने चाहा

घर वालों के विरोध के बावजूद अपने मिशन में लगे रहे, आज हैं करोड़ों के कारोबार के मालिक

जमशेदपुर • जो चालाक (क्लेवर) होता है वह दुनिया बदलता है, जो बुद्धिमान (वाइज) होता है वह खुद को बदलता है। जो खुद को बदलता है वह दुनिया में मिसाल बन जाता है। एक्सएलआरआई के छात्र रहे डॉ. आकाश खुराना और वरुण महाना ने वह किया, जो उनके दिल ने चाहा। कहते हैं-अगर हम कल की चिंता छोड़ दें तो हर कोई वह काम कर सकता है, जो वह चाहता है।

काम अपने हॉबी की तरह किया : डॉ. आकाश

बचपन से ही डांस और लिटरेचर में रुचि थी। पुणे फिल्म इन्स्टीट्यूट से पढ़ाई करना चाहता था। लेकिन विधाता ने इंजीनियरिंग करने रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज राउरकेला (अब एनआईटी) भेज दिया। पिता चाहते थे कि पढ़ाई करके हम उनकी स्कूटर कंपनी में काम करूं। इंजीनियरिंग करने के बाद एक्सएलआरआई से मैनेजमेंट करने आ गया। टाटा मोटर्स में प्लेसमेंट हो गया। आठ साल कारपोरेट की नौकरी की। लेकिन एक दिन नौकरी छोड़ दी। शादी हो चुकी थी और एक बच्चे का पिता भी बन गया था। यह सोच कर नौकरी छोड़ी कि जिस भगवान ने हमें धरती पर भेजा है, वह खाने का भी इंतजाम करेगा। एक्टिंग में रुचि थी। लेकिन काम नहीं मिल रहा था। साल भर में केवल तीन दिन काम मिला। मगर टूटा नहीं, लगा रहा और एक दिन मुंबई ने गले लगाया। मुंबई में रंगमंच से जुड़ा। निम्बस कम्युनिकेशन की स्थापना की। पीएचडी किया। स्ट्रगल के दौरान टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (टिस) में पढ़ाया भी। 60 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। कई किताबें लिख चुका हूं। क्वालिटी डॉ.आकाश, जो भी किया, वह हॉबी की तरह किया। यहां तक कि कारपोरेट की नौकरी भी।

घरवाले भी पागल समझने लगे थे : वरुण महाना

इंजीनियरिंग करने के बाद एक्सएलआरआई से मैनेजमेंट की पढ़ाई (बैच 2014) करने वाले वरुण महाना की सक्सेस स्टोरी बेहद प्रेरक है। कहते हैं-जब आप कुछ नया करने निकलते हैं तो सबसे पहले खुद को और अपने पैरेंट्स को मनाना होता है। मैनेजमेंट करने के बाद स्टार इंडिया में प्लेसमेंट हुआ। लेकिन कॉरपोरेट के जॉब में मन नहीं रमा। बचपन से ही पोकर (ऑनलाइन स्किल बेस्ड गेम) खेलता था। यह गेम भारत में धीरे-धीरे पॉपुलर हो रहा था, लेकिन डिमांड के मुकाबले इसकी सप्लाई कम थी। पोकर को लेकर थोड़ा रिसर्च किया और 2017 में चार दोस्तों के साथ मिलकर स्मॉल बजट से इसकी शुरुआत की। लेकिन पैरेन्ट्स तैयार नहीं थे। वे कह रहे थे बनी बनाई नौकरी छोड़ तुम क्या करने जा रहे हो? उन्हें भी पोकर के बारे में कुछ जानकारी नहीं थी। सब पागल कहने लगे। बकौल वरुण, मुझे खुद पर भरोसा था। 30 लाख रुपए के सीड फंड से मैंने पोकर दंगल नाम से कंपनी बनाई और इस गेम को लांच किया। महज दो साल में हमारा सालाना टर्नओवर 40 करोड़ का हो गया है। इस गेम के यूजर यंगस्टर ज्यादा है। इस गेम की खूबी है कि आप अपने स्किल से पैसे जीतते हैं,जबकि गेम को लेकर समाज में पुरानी सोच है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 1 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई का लीडरशिप कॉन्क्लेव 19-20 को हैदराबाद में

जमशेदपुर| एक्सएलआरआई जमशेदपुर, इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन कॉम्प्लेक्स च्वाइसेस के साथ मिलकर 19-20 नवंबर को हैदराबाद में एक्सएलआरआई लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रहा है। इस कॉन्क्लेव में इंडस्ट्री के ग्रोथ पारा डॉक्स (विरोधाभाष) पर चर्चा होगी। एक्सएलआरआई जमशेदपुर के सेंटर फॉर ग्लोबल मैनेजमेंट एंड रिस्पांसिबल लीडरशिप के संयोजक प्रोफेसर डॉ. पी वेणुगोपाल ने बताया कि यह कॉन्क्लेव एक मंच होगा, जिसमें रिसर्च और प्रैक्टिस के बीच को संबंधों पर चर्चा होगी।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 1 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

पहले दिन करुणेश तलवार व आकाश गुप्ता की कॉमेडी के साथ यूफोरिया बैंड की धमाकेदार परफॉर्मेंस मुख्य आकर्षण

मशहूर अभिनेता आकाश खुराना पहुंचे शहर, आज एक्सएलआरआई के ऑन्संबल-वालहल्ला फेस्ट का करेंगे उद्घाटन, 15 लाख की प्राइज मनी विजेताओं में बंटेगी

आकाश खुराना

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर के सालाना कल्चरल, मैनेजमेंट एंड स्पोर्ट्स फेस्ट ऑन्संबल-वालहल्ला-19 का आगाज शुक्रवार से होने जा रहा है। इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए मशहूर अभिनेता और एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र रहे आकाश खुराना गुरुवार शाम को शहर पहुंचे। वे शुक्रवार को सुबह 10 बजे इस फेस्ट का उद्घाटन करेंगे। आयोजन समिति के दीपांश गुप्ता ने बताया कि तीन तक चलने वाले इस फेस्ट की प्राइज मनी 15 लाख से ज्यादा होगी। यह पहला मौका है।

दूसरे दिन का आकर्षण होगा आइडिया समिट

फेस्ट के दूसरे दिन 2 नवम्बर को आइडिया समिट आकर्षण का केन्द्र होगा, जिसमें अभिनेता आकाश खुराना के अलावा विकलांगता कार्यकर्ता विराली मोदी, राइटर अरिजीत बिश्वास और वरूण महाना शामिल होंगे। इसी दिन फ्लैगशिप इवेंट फ्यूचर लीडर भी होगा, जिसमें देश भर के बिजनेस स्कूलों से छात्रों के लीडरशिप गुर को परखा जाएगा। पहली बार कवि शाला इवेंट का शुभारंभ किया गया है, जिसमें स्टूडेंट्स अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ करेंगे। फ्लैगशिप इवेन्ट्स-हेलियोस, प्रोमीथियस और वार ऑफ विट्स का फाइनल होगा। दूसरे दिन का समापन मशहूर बैंड लोकल ट्रेन के परफॉर्मेंस के साथ होगा।

अंतिम दिन गीत, संगीत व फैशन

फेस्ट के अंतिम दिन 3 नवम्बर को फैशन शो और मास्टर शेफ प्रतियोगिता आकर्षण के केन्द्र होंगी। देश भर से आए फ्यूचर मैनेजर रैंप पर कैटवाक कर अपने बुलंद हौसले को प्रदर्शित करेंगे। वहीं मास्टर शेफ प्रतियोगिता में पाक कला को परखा जाएगा। तीन दिन का फेस्ट रैपर डिवाइन और प्लेबैक सिंगर निखिल डिसूजा के परफॉर्मेंस से अपने मुकाम पर पहुंचेगा।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE:4 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:11

फैशन शो में शामिल प्रतिभागी।

ऑन्सम्बल-वालहल्ला-तुम लोगों को क्या मांगता है..मेरे को मालूम है तेरे वेजे में क्या है..से बांधा समा

निखिल डिसूजा के इंडी पॉप और डिवाइन के रैप के नशे में झूमे शहर के हजारों यंगस्टर, एक्सएलआरआई का फुटबॉल ग्राउंड बना डांस फ्लोर

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

अपने इंडी पॉप की बदौलत करोड़ों दिलों पर राज करने वाले निखिल डिसूजा के पॉप और गली ब्वॉय (डिवाइन) के रैप के साथ एक्सएलआरआई जमशेदपुर का सालाना ऑन्सम्बल-वालहल्ला-19 रविवार शाम को अपने मुकाम पर पहुंचा। संस्थान के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित इस परफॉर्मेंस को देखने के लिए युवाओं में जबर्दस्त क्रेज दिखा। आलम यह था शाम सात बजे ही कि पूरा मैदान भर गया। आयोजकों के अनुसार लगभग दस हजार पास बांटे गये थे। इसके बाद भी युवाओं की लंबी कतार लगी रही, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था टाइट होने की वजह से युवाओं के मैदान में पहुंचने पर काफी मशक्कत करनी पड़ी। निखिल डिसूजा ने अपने इंडी पॉप से शाम की शुरुआत की। पॉप के गानों का रेंज जैसे-जैसे बढ़ता गया, हजारों दर्शक मैदान में झूमते नजर आए और पूरा मैदान गाजे के धुएं से धुआं-धुआ हो गया। दूसरे हॉफ में जैसे ही रैपर डिवाइन की इंट्री हुई, मैदान में गाजे पीने वाले युवाओं का नशा और चढ़ता गया। रैप और गाजे के नशा के साथ शाम परवान चढ़ी। डिवाइन ने यंगस्टर से पूछा-ठंडई में इतना आवाज काहे को। तुम छोकरे सब एमेजिंग हो। तुम लोगों को क्या मांगता है...। रैप सुनाऊं..। पहले हाथ उठाओ। दिस इज जमशेदपुर। क्या मांगता है। मेरे को मालूम है तेरे वेजे में क्या है..। जमशेदपुर...आर यू रेडी..। पहली बार जमशेदपुर आया हूं। इसके पहले दिल्ली में था। दिल्ली के आसमान में प्रदूषण का धुंआ था। यहां तो धुंआ ही धुंआ है। पहले कोहिनूर...और फिर अपना मशहूर रैप आजादी का गाया।

करीम सिटी कॉलेज के छात्र राशिद को मिला मि.वालहल्ला का खिताब

कार्यक्रम की प्रस्तुति देते निखिल डिसूजा।

ऑन्सम्बल-वालहल्ला के तीसरे दिन कल्चरल इवेंट्स की धूम रही। शहर के करीम सिटी कॉलेज के विद्यार्थियों ने सर्वाधिक इवेंट्स में भाग लेकर विजेता का खिताब जीता। करीम सिटी कॉलेज के मास कम्युनिकेशन विभाग के छात्र राशिद को मि.वालहल्ला का खिताब मिला। नाटक में कॉलेज को पहला पुरस्कार मिला। एकल नृत्य में विजेता के साथ कॉलेज की टीम

कल्चरल के साथ स्पोर्ट्स के इवेंट्स भी

एड मैड शो में भी तीसरे स्थान पर रही। फैशन शो और रैंप वाक के साथ अंतिम दिन स्पोर्ट्स के इवेंट्स भी आकर्षण के केन्द्र रहे। इस दौरान दर्शकों ने कार्यक्रम का खूब लुत्फ उठाया। क्रिकेट के साथ ही अंतिम दिन वॉलीबॉल, बैडमिंटन और फुटबॉल के फाइनल मैच हुए।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 10 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

आम जिंदगी में इंटरनेट ऑफ थिंग्स व डेटा एनालिटिक्स पर होगी चर्चा

एक्सएलआरआई में इंडस्ट्री 4.0 पर 16-17 को होगी कार्यशाला

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर की ओर से 16 और 17 नवंबर को दो दिनी टेक्नो ऑपरेशन्स इवेंट सिग्नस का आयोजन किया जाएगा। एक्सएलआरआई के आईटी क्लब की ओर से आयोजित होने वाले इस इवेंट का थीम इंडस्ट्री 4.0 है। इस इवेंट में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) समेत डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन और ऑपरेशन मैनेजमेंट पर देश भर से आए विशेषज्ञ मंथन करेंगे। इस इवेंट का उद्घाटन शनिवार को ग्रीन वेव सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अरूप चक्रवर्ती करेंगे। इस फेस्ट में आईटीसी के शैलेन्द्र सिंह समेत आईआईटी खड़गपुर के कई प्रोफेसर हिस्सा लेंगे।

विद्यार्थियों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आज ई कैफे का आयोजन

एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने विद्यार्थियों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए रविवार 10 नवंबर को ई कैफे का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें इंडियामार्टडॉटकॉम के संस्थापक बृजेश अग्रवाल और एंटीलॉगवेकेशन्सडॉटकॉम के अभिषेक जायसवाल हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

ड्रामा एंड स्टोरी टेलिंग पर होगा कार्यशाला

एक्सएलआरआई में 11 और 12 नवंबर को सुबह 9 बजे से ड्रामा और स्टोरी टेलिंग पर कार्यशाला का आयोजन होगा। इस कार्यशाला का संचालन होनोलुलू थिएटर फॉर यूथ हवाई (अमेरिका) के डेनियल एलेन केलिन करेंगे।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 11 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई की इंटरप्रिन्योरशिप सेल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दो सफल उद्यमियों ने अपनी सक्सेस स्टोरी बताई

एक साल तो आइडिया को दूसरे के सामने प्रेजेंट करने में ही गुजर गया, लेकिन किसी ने एक पैसे नहीं दिए, असफलता से काफी सीखा : अभिषेक जायसवाल

शहर के विभिन्न स्कूलों के 600 से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने जाने बिजनेस में सफलता के गुर

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी।

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

उद्यमिता की बीहड़ राह पर चल कर सफल उद्यमी बने दो उद्यमियों ने रविवार को अपनी सक्सेस स्टोरी शेयर की। एक्सएलआरआई जमशेदपुर के इंटरप्रिन्योरशिप सेल की ओर से संस्थान परिसर में आयोजित एक्जाल्ट नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एंटीलॉग वेकेशंस के संस्थापक और सीईओ अभिषेक जायसवाल ने बताया कि कैसे उन्होंने बिना पैसे के अपना बिजनेस शुरू किया। बकौल जायसवाल, अपने आइडिया को दो सौ वेंचर कैपिटलिस्ट के साथ शेयर किया, लेकिन किसी ने एक पैसा नहीं दिया। मगर हताश नहीं हुआ और धैर्य बनाए रखा। एक साल का समय अपने आइडिया को दूसरे के सामने प्रेजेंट करने में ही समाप्त हो गया।

देश के एक शहर से दूसरे शहर में जाता और अपने आइडिया को बताता। लेकिन हर जगह निराशा हाथ लगी। वहां तक कि अपने आइडिया को मॉरिशस और सिंगापुर तक ले गया लेकिन कोई भी मेरे आइडिया को आगे बढ़ाने के लिए सीड मनी देने को तैयार नहीं था। शुरूआती असफलता से काफी सीखा। आज लगता है कि असफलता से जितना सीखा जा सकता है, उतना सफलता से नहीं। शायद आज मैं सफल उद्यमी नहीं बन पाता, अगर शुरुआती असफलता नहीं मिलती। आज मेरी कंपनी मेरे जज्बे की बदौलत है। आज यह कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी लक्जरी हॉलिडे के कलेक्शन के लिए जानी जाती है। इस कार्यक्रम के दूसरे वक्ता और इंडिया मार्ट के को फाउंडर बृजेश अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने उस वक्त अपना उद्यम शुरू किया, जब आज की तरह इंटरनेट की सुलभ उपलब्धता नहीं थी। बिजनेस टू बिजनेस (बीटूबी) मॉडल पर आधारित उनकी कंपनी के लिए शुरूआती दौर काफी चुनौतीपूर्ण रहा। कई बार हताश भी हो जाता, लेकिन परिवार का साथ बना रहा। दादाजी ने एक दिन कहा- अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हारे बिजनेस से कस्टमर को फायदा है और उनकी जिंदगी बदलती है तो आगे बढ़ो। पीछे नहीं मुड़कर देखो। दादाजी की यह बात प्रेरित कर गई और मैं एक सफल उद्यमी बन पाया। मौके पर शहर के विभिन्न स्कूलों के 600 से ज्यादा स्टूडेंट्स मौजूद थे। प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर डीसी रवि शंकर शुक्ला ने भाग लिया।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 12 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के सौ साल होने पर एक्सएलआरआई में सेमिनार का आयोजन

तकनीक, जलवायु परिवर्तन और भौगोलिक बदलाव सबसे बड़ी चुनौती सरकार के नीति निर्धारण में 'ह्यूमन सेंटर्ड एप्रोच' जरूरी: डगमर वाल्टर

आईएलओ का सेंटेनरी डेक्लेरेशन का उद्देश्य डिसेंट वर्क फॉर ऑल

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन (आईएलओ) की इंडिया और साउथ एशिया हेड डगमर वाल्टर ने कहा कि सरकार की नीति ऐसी होनी चाहिए, जिसमें हर व्यक्ति को सामाजिक न्याय मिल सके। एक्सएलआरआई जमशेदपुर की ओर से संस्थान परिसर में द फ्यूचर ऑफ वर्क (काम का भविष्य) विषय पर आयोजित सेमिनार में वाल्टर ने कहा कि नीति निर्धारण में हमारा ह्यूमन सेंटर्ड एप्रोच (मानव केन्द्रित) होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों के सामने तकनीक, जलवायु परिवर्तन और भौगोलिक बदलाव की चुनौतियां सबसे गंभीर है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जरूरत यह है कि हम लोगों में निवेश करें और उनके कौशल को बढ़ाएं ताकि वे बदलाव की चुनौतियों का सामना कर सके। भावी प्रबंधकों से कहा कि आने वाला दौर काफी चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक्सएलआरआई जैसे संस्थान अपने विद्यार्थियों में वैसे वैल्यू, स्किल और विजन को समाहित करेगा, जो उन्हें इन चुनौतियों का सामना करने के काबिल बनाएगा। एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने कहा कि यह एक्सएलआरआई के लिए गौरव की बात है कि वह आईएलओ के सौ साल के पूरा होने वाले समारोह का हिस्सा बन रहा है। पिछले सौ साल से आईएलओ पूरी दुनिया में लेबर राइट्स को सुरक्षित रखने के साथ ही सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करने का माध्यम रहा है। उन्होंने बताया कि एक्सएलआरआई के संस्थापकों में रहे फादर क्विन इनराइट व फादर मैक्ग्राथ ने अमेरिका से आकर टाटा में लेबर स्कूल की स्थापना की। एक्सएलआरआई देश के लेबर लॉ, मजदूरी और कलेक्टिव बार्गेनिंग में अहम भूमिका निभाया है। एक्सएलआरआई के प्रोफेसर डॉ. श्याम सुंदर ने बताया कि एक्सएलआरआई सही जगह है, जहां आईएलओ अपना शताब्दी समारोह मना सकता है। मौके पर पूर्व श्रम सचिव डॉ. एलडी मिश्रा आदि थे।

आईएलओ लेबर राइट्स की सुरक्षा व सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करने का रहा है माध्यम

एक्सएलआरआई में दो दिनी ड्रामा एंड स्टोरी टेलिंग कार्यशाला शुरू

कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि।

एक्सएलआरआई के द सेंटर फॉर पीस एंड जस्टिस और सेंटर फॉर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन एजुकेशनल लीडरशिप की ओर से सोमवार को दो दिवसीय नाट्य एवं स्टोरी टेलिंग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। अमेरिका के होनोलुलू थिएटर के डेनियल केलिन ने इस कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने क्रिएटिव लर्निंग के बारे में बताया और कहा कि शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए ड्रामा और स्टोरी टेलिंग एक अहम टूल है। कार्यशाला में झारखंड की संस्थाओं के प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 13 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

माथापच्ची • टिकट की घोषणा में देरी को लेकर हर कोई अपने ढंग से निकाल रहा मतलब

सरयू पर सस्पेंस को लेकर कार्यकर्ता मायूस, बन्ना बोले राय को टिकट मिले ताकि चुनाव लड़ने में मजा आए

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

भाजपा ने जमशेदपुर पश्चिम विस सीट पर मंगलवार को भी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की। इससे सरयू राय को लेकर सस्पेंस तीन दिनों से कायम है। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा जमशेदपुर पश्चिम पर बुधवार को संभवतः प्रत्याशी के नाम की घोषणा किया जा सकता है। ऐसे में 72 घंटे बाद जमशेदपुर पश्चिम विस का सस्पेंस खत्म होने की संभवना है कि सरयू राय अथवा कोई और ? प्रत्याशी की घोषणा नहीं होने से भाजपाईयों के बीच सरयू राय को लेकर सस्पेंस बरकार होने के कारण यहां कार्यकर्ता उहापोह में है। मंगलवार को दिनभर अटकलें लगती रहीं।

बन्ना बोले : वाकओवर नहीं बल्कि पुरुषार्थ का शौर्य दिखाना चाहता हूं

जमशेदपुर पश्चिमी से कांग्रेस उम्मीदवार बन्ना गुप्ता कहा कि वे वाकओवर नहीं बल्कि अपने पुरुषार्थ का शौर्य दिखाना चाहते हैं। इसलिए भाजपा आलाकमान को चाहिए कि वे माननीय सरयू राय जी को ही टिकट दें ताकि चुनाव लड़ने का मजा आए। अन्य संभावित उम्मीदवारों के नाम पर उन्होंने कहा कि फिर मुकाबला एकतरफा हो जाएगा।

दिनेश ने कहा : सरयू के टिकट का मामला अमित शाह खुद देख रहे

भाजपा जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि जमशेदपुर पश्चिम के टिकट का मामला खुद माननीय अमित शाह देख रहे हैं। ऐसे में कोई टिका टिप्पणी करना या कयास लगाना अनुशासनहीनता है।

देवेंद्र सिंह बोले : मौका मिला तो पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरूंगा

पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 1995 से समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा हूं। पहले टिकट मांगता था लेकिन नहीं मिला। पार्टी ने जिस लाइनों को उम्मीदवार बनाया, उसे जिताने के लिए काम करता रहा हूं। आगे भी करूंगा। पार्टी अगर चुनाव लड़ने की निर्देश देती है तो पूरी ताकत से लड़ूंगा। उम्मीदों पर खरा उतरूंगा।

चुनावी निर्देश : राजनीतिक दल निजी समारोह-धार्मिक स्थानों का नहीं कर सकते उपयोग

मंदिर, गुरुद्वारा, मस्जिद जाने पर रोक नहीं, प्रचार किया तो केस

विधान सभा चुनाव के प्रत्याशियों के साथ-साथ राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों ने निजी समारोह अथवा धार्मिक स्थल का उपयोग चुनाव प्रचार के लिए किया तो वह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। यह चेतावनी मंगलवार को डीसी सह डीईओ रवि शंकर शुक्ला ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दी। डीसी ने स्पष्ट करते हुए कहा कि राजनीतिक दल के प्रतिनिधि अथवा प्रत्याशी के निजी समारोह अथवा मंदिर, गुरुद्वारा व मस्जिद जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं, इस पर किसी तरह की रोक नहीं है। इन स्थानों को उपयोग चुनाव प्रचार के लिए किया गया था तो उनके खिलाफ प्कहा कि आचार संहिता का अनुपालन शत प्रतिशत किया जाए। चुनाव की प्रक्रिया में चुनावी खर्च व उसका ब्यौरा को सहेज कर रखने की अहम भूमिका होती है। एक प्रत्याशी एक विधान सभा में अधिकतम 28 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं।

चुनाव प्रचार में व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से करें परहेज : डीसी

डीईओ रवि शंकर शुक्ला ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान व्यक्तिगत या चारित्रिक आरोप-प्रत्यारोप को प्रशासन गंभीरता से लें और आरोप लगाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। धार्मिक उन्माद फैलाने वाले राजनीतिक दलों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। डीईओ ने कहा कि चुनावी सभा व रैली के दौरान आने वाले वीवीआइपी की सुरक्षा राजनीतिक दलों को करना होगा राजनीतिक दल द्वारा वीवीआइपी की सुरक्षा खुद करनी होगी। प्रशासन की व्यवस्था पर खर्च में जुड़ेगा।

चुनाव के लिए खोलना होगा नया बैंक अकाउंट

डीईओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को कहा कि किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन दाखिल करने से पूर्व अपना नया बैंक अकाउंट किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोलना होगा। नामांकन पत्र दाखिल करने के साथ ही बैंक अकाउंट के बारे में भी जानकारी प्रत्याशी को देनी होगी। अगर प्रत्याशी जानकारी नहीं देते है तो नामांकन रद्ध नहीं किया जाएगा।

वोट जरूर करें... बिष्टुपुर पी एंड एम मॉल में चला मतदाता जागरुकता अभियान

प्रशासन की ओर से मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित पी एंड एम मॉल में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। मॉल परिसर में टॉक शो का आयोजन किया गया, जिसमें मॉल में खरीददारी करने आए लोगों ने हिस्सा लिया। साथ ही रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिया गया।

चर्चा में : कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता व एक्सएलआरआई के प्रोफेसर गौरव हो सकते हैं जमशेदपुर पूर्वी सीट से प्रत्याशी

कांग्रेस जमशेदपुर पूर्वी में सीएम रघुवर दास के खिलाफ राष्ट्रीय प्रवक्ता ग्रो गौरव बल्लभ को उतार सकती है। ऐसी अटकले तेज हो गई है। हालांकि अभी तक कांग्रेस की ओर से यहां प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की गई है। लेकिन कांग्रेस खेमे में ग्रो बल्लभ के नाम की चर्चा जोरों पर है। ग्रो गौरव बल्लभ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनने से पहले से बिष्टुपुर स्थित एक्सएलआरआई में वित्त संकाय के प्रोफेसर थे, जो वहां के मैनेजमेंट के छात्रों को पढ़ाया करते थे। कांग्रेस की ओर से एक दो दिनों में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होने की संभावना है।

पहली बार : सोंथालिया को पश्चिम से प्रत्याशी बनाने का दिया ऑफर

आजसू ने सिंहभूम चैंबर के पूर्व अध्यक्ष व कनफेडरेशन आफ इंडिया के ट्रेड के राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोन्थालिया को जमशेदपुर पश्चिम से प्रत्याशी बनाने का ऑफर दिया है। इस मुद्दे पर मंगलवार को चैंबर पदाधिकारियों की मीटिंग में हुई जिसमें तय किया गया कि भाजपा आजसू के बीच गठबंधन नहीं होने पर पूर्व अध्यक्ष आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। समझौता होने की स्थिति में चुनाव नहीं लड़ेंगे।

तीसरी बार : झाविमो से पूर्वी सीट से सीएम के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे अभय

झाविमो ने जमशेदपुर पूर्वी विस सीट से अभय सिंह को टिकट दिया है। वे यहां से तीसरी बार मैदान में रघुवर दास के खिलाफ उतरेंगे। 2009, 2014 का विस चुनाव लड़ चुके हैं। लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। अब तीसरी बार विस चुनाव लड़ेंगे। जमशेदपुर पश्चिम से पंकज साव को पहली बार और पोटका से नरेश मुर्मु को दूसरी बार मैदान में उतारा है। जुगसलाई से कोई प्रत्याशी नहीं दिया है।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 17 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में आईओटी के महत्व को देखते हुए लैब शुरू

एक्सएलआरआई देश का पहला बिजनेस स्कूल, जहां आज खुलेगा आईओटी लैब

टाटा स्टील समेत शहर की विभिन्न कंपनियों को लैब से मिलेगी मदद

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर में आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) लैब का उद्घाटन रविवार को होगा। एक्सएलआरआई देश का पहला बिजनेस स्कूल होगा, जो इंडस्ट्री को बिजनेस सोल्यूशन्स देने के लिए आईओटी लैब की स्थापना करने जा रहा है। शनिवार 16 नवम्बर को एक्सएलआरआई जमशेदपुर में शुरू हुए सिग्नस-2019 में इंडस्ट्रियल आईओटी वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ, जिसमें मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में आईओटी के इस्तेमाल पर देश भर से आए विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए।

ग्रीनवेयर सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के अनुप चक्रवर्ती ने कहा कि आईओटी अभी हमारे उद्योग के लिए नया है। लेकिन आने वाले कुछ सालों में इसका न केवल इंडस्ट्री, बल्कि हमारे जीवन पर भी काफी असर होगा। विशेष रूप से मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में आदमी से ज्यादा रोबोट होंगे, जो बिल्कुल आदमी की तरह काम करेंगे। चक्रवर्ती ने कहा कि इससे इंडस्ट्री में मैनपावर तो कम होंगे लेकिन उसकी जगह नए तरह के जॉब सृजित होंगे, जो इन मशीनों को हैंडल करेंगे। सिग्नस टीम के उत्कर्ष ने बताया कि दो दिन की इस कार्यशाला में आईओटी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हो रही है। इसका थीम इंडस्ट्री 4.0 है। इंडस्ट्री 4.0 नई पीढ़ी का उद्योग होगा, जिसमें मैन-मशीन इंटरफेस का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा।

उन्होंने बताया कि आईओटी के महत्व को देखते हुए लैब की स्थापना होने जा रही है, जिसका आईटीसी के डीजीएम (बिजनेस एक्सीलेंस) शैलेन्द्र सिंह करेंगे। इस लैब का इस्तेमाल टाटा स्टील समेत जमशेदपुर की विभिन्न कंपनियां अपने प्रोब्लेम के सोल्यूशन्स के लिए करेंगी। रविवार को आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर सुरोजीत कुमार पॉल का आईओटी पर लेक्चर होगा।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 18 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई में आईओटी लैब का उद्घाटन अब इंडस्ट्री की समस्याओं का हो सकेगा हल

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर में चल रहे सिग्नस-19 के दूसरे दिन आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) लैब का उद्घाटन हुआ। आईटीसी के डीजीएम शैलेंद्र सिंह ने लैब का उद्घाटन किया। इस लैब के जरिए शहर की कंपनियों की समस्याओं को समाधान मिल सकेगा। शैलेंद्र सिंह ने आईओटी को भविष्य बताया और कहा कि आईओटी हमारी जिंदगी को बदल देगा। इसके पहले इंटेलीजेंट मैनुफैक्चरिंग पर एक टॉक हुआ। इसमें रंजय रंजन ने विचार रखे। स्वीगी की ओर से आयोजित केस स्टडीज प्रतियोगिता में डीटीयू दिल्ली की टीम विजेता बनी। दो दिन की वर्कशॉप में एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों ने वाटर हाउस और ब्वालर प्वाइंट के लिए मॉडल को विकसित किया। यह कार्यक्रम एक्सएलआरआई की संस्था सोक्रेट्स और एक्जियोम की ओर से आयोजित की गई। एक्सएलआरआई में रविवार को सामर्थ्य संस्था की ओर से दिशा नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली विद्यार्थियों को करिअर के विभिन्न विकल्प के बारे में जानकारी दी गई। सातवीं से लेकर बारहवीं तक के 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 22 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

जैट-2019 के लिए 30 तक रजिस्ट्रेशन

जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ में प्रवेश पाने के लिए होने वाली जैट की परीक्षा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन का कार्य 30 नवंबर तक होगा। यह जानकारी गुरुवार को एक्सएलआरआइ जमशेदपुर के निदेशक फॉदर पी क्रिस्टी राज ने दी है। परीक्षा का आयोजन पांच जनवरी को होगा। मालूम हो कि जैट परीक्षा के कट ऑफ के आधार पर सिर्फ एक्सएलआरआइ ही नहीं, बल्कि देश के 150 से अधिक मैनेजमेंट कॉलेज द्वारा भी प्रवेश स्वीकार किये जाते हैं। (जासं)

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

एक्सएलआरआइ में जुटे बिजनेस स्कूलों के छात्र ऑनसेंबल-वलहल्ला का हुआ शानदार आगाज

पहले दिन आयोजित की गई क्विज, डांस, एडवरटाजिंग व बिजनेस चैलेंज प्रतियोगिताएं

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट- एक्सएलआरआइ में सालाना बिजनेस, स्पोर्ट व मैनेजमेंट इवेंट ऑनसेंबल- वलहल्ला का आगाज शुक्रवार को सुबह दस बजे हुआ।

तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद एवं मैनेजमेंट फेस्टिवल का उद्घाटन कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी एसजे, बॉलीवुड व टेलीविजन के जाने-माने अभिनेता व स्क्रिप्ट राइटर सह कारपोरेट लीडर डॉ. आकाश खुराना और एक्सएलआरआई एल्युमिनी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणवीर सिन्हा ने किया। उद्घाटन संबोधन में फादर पी क्रिस्टी और डॉ. आकाश खुराना ने विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र में नैतिकता और मूल्यों की आवश्यकता को लेकर व्याख्यान दिया। उद्घाटन समारोह के अंत में एक्सएलआरआई के पूर्व निदेशक (1982-89) फादर रेगोल्ड डिसूजा की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

निर्णायक रहे प्रख्यात कलाकार शिशिर शर्मा

ऑनसेंबल-वलहल्ला 2019 के पहले दिन नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता ललकार का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों के दल ने ज्वलंत मुद्दों पर एक से बढ़कर एक नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति की। मौके पर निर्णायक की भूमिका थियेटर आर्टिस्ट सह बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता शिशिर शर्मा ने निभाई।

इस तीन दिवसीय फेस्टिवल के पहले दिन देश के विभिन्न मैनेजमेंट संस्थानों के विद्यार्थियों ने पूरे जोशोखरोश से अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी के साथ शुरू हो गया विविध ज्ञानपूर्ण और मनोरंजक प्रतियोगिताओं का सिलसिला। इसके अंतर्गत मेजर चंद्रकांत नायर द्वारा प्रस्तुत जनरल क्विज, बीट पे बीट ग्रुप डांस प्रतियोगिता, जस्ट ए मिनट, एडवरटाजिंग प्रतियोगिता ऐड मैड, बिजनेस चैलेंज पर आधारित जेनेसिस, प्रोडक्ट डिजायन एंड मैनेजमेंट पर आधारित प्रतियोगिता अपोलो आदि प्रमुख रहीं। इनमें विद्यार्थियों ने जमकर मस्ती की और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

संबोधित करते डॉ. खुराना • जागरण

ऑनसेंबल-वलहल्ला के दौरान संबोधित करते सिने कलाकार शिशिर शर्मा • जागरण

कार्यक्रम में स्टैंडअप कॉमेडियन ने हंसाया तो बैंड ग्रुप ने झुमाया

शुक्रवार को देर शाम स्टैंडअप कॉमेडी नाइट का आयोजन हुआ। बिगो कॉमेडी अड्डा की ओर से आयोजित इस स्टैंडअप कॉमेडी शो में बहुचर्चित स्टैंडअप कॉमेडियन आकाश गुप्ता और करुणेश तलवार ने अपनी चुटीली बातों से एक्सलर्स को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया। इसके बाद एक्सएलआरआई के बैंड ग्रुप बोधि ट्री के संयोजन में यूफोरिया-ए बैटल ऑफ बैंड्स का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न बैंड्स ने एक एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किये। इन गीतों की धुन पर एक्सएलर्स देर रात तक झूमते रहे।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 6 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 15

एक्सएलआरआइ का कॉन्क्लेव हैदराबाद में आयोजित होगा

जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ और इंस्टीट्यूट फोर एडवांस्ड स्टडीज इन काम्प्लेक्स च्वॉइसेज की ओर से द्वितीय लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन आगामी 19 व 20 नवंबर को हैदराबाद में किया जाएगा। इस बार इस लीडरशिप कॉन्क्लेव का थीम द ग्रोथ पैराडॉक्स : रिजोल्यूशन थ्रू चेंज इन फ्रेम्स ऑफ च्वॉइसेज रखा गया है। इस कान्क्लेव के माध्यम से व्यावसायिक जगत के विकास की विरोधाभासी स्थितियों में व्यक्ति आधारित संगठनों व सार्वजनिक क्षेत्र की नीतियों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। साथ ही समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। (जासं)

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 16 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

केलिन ने सिखाईं ड्रामा व स्टोरी टेलिंग की बारीकियां

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ के लिए यह खास अवसर था। मौका था विश्व प्रसिद्ध थियेटर आर्टिस्ट, प्लेराइट, एक्टर व मास्टर स्टोरी टेलर डेनियल केलिन से रूबरू होने का। यूएसए स्थित होनोलुलू थिएटर से जुड़े डेनियल केलिन ने एक्सएलआरआइ छात्रों व शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों को ड्रामा और स्टोरी टेलिंग की बारीकियों के बारे में बताया। एक्सएलआरआइ स्थित सेंटर फोर पीस एंड जस्टिस व सेंटर फोर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन एजुकेशनल लीडरशिप के संयुक्त तत्वावधान में ड्रामा व स्टोरी टेलिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका थीम था द क्रिएटिव एंड द क्रिटिकल : ट्रांसफार्मिंग थ्रू क्रिएटिव लर्निंग।

डेनियल का स्वागत करती बच्ची • जागरण

विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों ने भी लिया भाग : इस कार्यशाला में शहर के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। जिन स्कूलों के शिक्षक शामिल हुए उनमें केपीएस गम्हरिया, केपीएस मानगो, केपीएस कदमा, केपीएस बर्मामाइंस, केपीएस एनएमएल, जेएच तारापोर, जुस्को स्कूल साउथ पार्क, काशीडीह हाईस्कूल, सेक्रेड हार्ट कान्वेंट, गुलमोहर स्कूल, लोयोला स्कूल बारीपदा के अलावा लोयोला कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कार्मेल कम्युनिटी कॉलेज शामिल थे। सभी प्रतिभागी डेनियल केलिन की बातों से प्रभावित हुए। डेनियल ने भी उन्हें स्टोरी टेलिंग की नवोन्मेषी तकनीक की जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह यह उनके शिक्षण के तौर-तरीकों में शामिल हो सकता है।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 17 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

मुख्यमंत्री रघुवर के खिलाफ कांग्रेस से गौरव वल्लभ होंगे उम्मीदवार

एक्सएलआरआइ में प्रोफेसर रह चुके हैं कांग्रेस के केंद्रीय प्रवक्ता

राज्य ब्यूरो, रांची : मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्रीय प्रवक्ता गौरव बल्लभ को अपना उम्मीदवार बनाया है। जमशेदपुर पूर्वी से उम्मीदवार बनाए गए गौरव एक्सएलआरआइ, जमशेदपुर में प्रोफेसर रह चुके हैं और वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता हैं। इन्होंने भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा से ट्रिलियन में कितने जीरो हैं.. सवाल पूछ कर ख्याति पाई थी। तब पात्रा तत्काल इसका जवाब नहीं दे पाए थे।

आपका प्रत्याशी

दैनिक जागरण ने दो दिन पहले ही गौरव को उम्मीदवार बनाने की सूचना सार्वजनिक की थी। इस संदर्भ में गौरव ने भी केंद्रीय नेतृत्व से अनुमति मिलने के बाद चुनाव लड़ने की बात कही थी। इसके साथ ही राज्य में सबसे रोमांचक मुकाबला जमशेदपुर पूर्वी सीट से होने का अनुमान लगाया जा रहा है जहां से मंत्री सरयू राय भी मुख्यमंत्री के खिलाफ उतरने का मूड बना चुके हैं।

प्रोफेसर गौरव वल्लभ की पढ़ाई राजस्थान में हुई

प्रोफेसर गौरव वल्लभ की फाइल फोटो।

गौरव वल्लभ ने राजस्थान के जोधपुर के पीपर से स्कूली शिक्षा प्राप्त की, गौरव ने अजमेर विश्वविद्यालय से बीकॉम और फिर एमकॉम की पढ़ाई की थी और वह यहां से गोल्ड मेडलिस्ट रहे। उन्होंने क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट में पीएचडी, सीए, सीएस, एलएलबी की भी डिग्री हासिल की है। जमशेदपुर के एक्सएलआरआइ में उन्होंने 2003 से 2017 तक अध्यापन का कार्य किया।

टाटा मोटर्स कान्वाई व बाई सिक्स के नेता भी आजमा रहे भाग्य

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : पूर्वी विधानसभा चुनाव में टाटा मोटर्स के कान्वाई नेता ज्ञानसागर प्रसाद व बाई सिक्स के नेता बंटी सिंह भी भाग्य आजमा रहे हैं। ये दोनों नेता निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन भी जमा कर दिया है।

नए सूरमा

ज्ञानसागर प्रसाद दूसरी बार पूर्वी से चुनाव लड़ रहे हैं। ये टाटा मोटर्स के कान्वाई चालकों को न्यूनतम मजदूरी समेत अन्य मांगे दिलाने को संघर्षरत हैं वहीं बंटी सिंह के नेतृत्व में टाटा मोटर्स के 301 अस्थायी कर्मियों का परमानेंट हो चुका है।

इनकी पहल से अस्थायी कर्मियों की मौत पर उनके आश्रित को 30 से 32 लाख रुपए आर्थिक मदद मिलती है। ये दोनों मजदूर नेता टाटा मोटर्स कर्मचारियों के हक व अधिकार की लड़ाई शुरू की है। इस चुनाव में ज्ञानसागर व बंटी मजदूरों की सहानुभूति बटोरने में लग गए हैं। ज्ञानसागर का कहना है कि उन्होंने चालकों को उनका हक दिलाने के लिए डीसी कार्यालय पर कई दिनों तक धरना-प्रदर्शन कर एक मिसाल बनाई है। चालकों के पीएफ मामले की सुनवाई धनबाद ट्रिब्यूनल कोर्ट में चल रही है। वहीं बंटी सिंह ने अस्थायी कर्मियों की लंबी लड़ाई लड़ी, जिसकी वजह से कंपनी प्रबंधन ने उन्हें निलंबित किया है। वहीं उनका कहना है कि श्रमिको का समर्थन उनके साथ है। इसीलिए वे चुनावी मैदान में उतरे हैं।

PUBLICATION: Dainik Jagran

DATE: 20 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 4

हर मतदाता से वोटिंग कराने को जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

बूथ एप के प्रयोग को एक्सएलआरआइ में कार्यशाला का आयोजन, उप चुनाव आयुक्त ने दिए सुझाव

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जिला प्रशासन ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जमशेदपुर पूर्वी एवं जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ के बूथ एप के प्रयोग हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एक्सएलआरआइ सभागार में किया।

कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के उप चुनाव आयुक्त सुदीप जैन, सीईओ झारखंड विनय कुमार चौबे, भारत निर्वाचन आयोग के सचिव अरविंद आनंद, अवर सचिव राकेश कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला एवं वरीय आरक्षी अधीक्षक अनूप बिरथरे शामिल हुए। पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन द्वारा निर्मित मतदाता जागरूकता संबंधी वीडियो सांग 'आओ चलो करें मतदान' एवं मतदाता जागरूकता कैलेंडर का भी लोकार्पण किया।

नौ जिले व 10 विधानसभा क्षेत्र में बूथ एप का उपयोग : विनय

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने कहा कि महिला एवं युवा मतदाताओं को जोड़ने में बीएलओ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस चुनाव में राज्य के नौ जिलों के 10 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ एप का प्रयोग किया जाएगा। सभी बीएलओ ये सुनिश्चित करें कि उनके पोषक क्षेत्र का कोई भी मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग से वंचित न रहें। उन्होंने हर मतदाता से संपर्क करने की बात कही।

एक्सएलआरआइ प्रेक्षागृह में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में मतदाता जागरूकता कैलेंडर का लोकार्पण करते अतिथि ● जागरण

मंगलवार को कार्यशाला के दौरान वक्ताओं को सुनतीं बीएलओ व अन्य ● जागरण

सफल वोटिंग का श्रेय बीएलओ को : सुदीप जैन

भारत निर्वाचन आयोग के उप चुनाव आयुक्त सुदीप जैन ने बीएलओ को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के दूसरे देश आश्चर्यचकित होते हैं कि आखिर कैसे इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश में सफलतापूर्वक निर्वाचन कार्य होता है, जहां 10 लाख से ज्यादा मतदाता केंद्र हैं। इसका बहुत ज्यादा श्रेय उपस्थित बीएलओ को भी जाता है। मतदाताओं को जागरूक करने एवं उनके मताधिकार के प्रयोग को सुनिश्चित करने में बड़ी भूमिका होती है। हम सभी का दायित्व है कि एक-एक मतदाता के मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करें। हमारे देश में सिंगल वोटर बूथ भी हैं जहां सिर्फ एक मतदाता के लिए भी मतदान कर्मी उपस्थित होते हैं। जितने भी मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुड़ चुका है उनका फोटो वोटर स्लीप उन तक पहुंचे, ये जरूर सुनिश्चित करें।

बेहतर माहौल में मतदान के लिए हम तत्पर : रविशंकर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने कहा कि निर्वाचन संबंधी तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सजग है। सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष माहौल में निर्वाचन कार्य के संपादन हेतु जिला प्रशासन सभी तैयारियां कर रहा है।

चुनाव की तैयारी

जिले में शत फीसद मतदान कराने को चुनाव आयोग के सदस्यों ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

शहरी क्षेत्र में भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने का होगा प्रयास : बिरथरे

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए पूर्वी सिंहभूम जिले के वरीय आरक्षी अधीक्षक अनूप बिरथरे ने कहा कि जिला प्रशासन की कोशिश होगी कि शहरी क्षेत्रों में भी ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं के मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए।

बूथ एप से हो सकेगा मतदान का रियल टाइम एनालिसिस

बूथ एप के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित बीएलओ को बताया गया कि इसके उपयोग से मतदान का रियल टाइम एनालिसिस संभव हो सकेगा। मतदान कर्मियों को इस एप से काम करने में सहूलियत हो जाएगी। मतदाता अपने टोकन नंबर के हिसाब से अपनी बारी के आने पर मतदान कर सकेंगे। इस जिले में जमशेदपुर पश्चिम एवं जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में बूथ एप का उपयोग किया जाएगा।

PUBLICATION: Dainik Jagran

DATE: 21 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 16

तकनीक के जरिए प्रतिस्पर्धी हो रहा व्यवसाय जगत

एक्सएलआरआइ में टेक्नो इवेंट साइनस-2019 का आयोजन, फोकस इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर था

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ में टेक्नो ऑपरेशंस पर आधारित इवेंट साइनस-2019 का आयोजन किया गया। इसका थीम इंडस्ट्री 4.0 था। इसका फोकस आइओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) पर था। गतिविधियों के माध्यम से यह बताने की कोशिश की गई कि आज किस तरह आइओटी को औद्योगिक गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है। बताया गया कि तकनीक ही इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है। व्यवसाय को अधिक ताकत प्रदान कर उसे प्रतिस्पर्धी बना रहा है। इस कान्क्लेव के दौरान आइओटी, डाटा एनालिसिस, ब्लॉकचेन जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

ग्रीनवेव सॉल्यूशंस के संस्थापक अरूप चक्रवर्ती ने प्रबंधन छात्रों को बताया कि किस तरह कई निर्माण इकाइयां आइओटी व मैन्यूफैक्चरिंग इंटेलीजेंस को अपना रही हैं। आइआइटी खड़गपुर के प्रो. सूर्य्या के पाल ने एडवांस्ड मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नोलोजी पर व्याख्यान दिया। वहीं आइटीसी टोबैको डिवीजन की डिजिटल एंड एनालिटिक्स हेड स्मृति अग्रवाल ने कार्यशाला में विचार रखे। टाटा स्टील स्लैब कास्टिंग के हेड रंजन कुमार सिंह व एलडी टू एंड सेंड कास्टर के चीफ अक्षय खुल्लर ने इंटेलिजेंट मैन्यूफैक्चरिंग के मामले में टाटा स्टील की यात्रा पर प्रकाश डाला। इस दौरान ऑपरेशन मैनेजमेंट पर आधारित केस कंपटीशन इनसेफलान का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी की टीम विजेता जबकि एनआइटीआइई मुंबई की टीम उपविजेता रही। इनसेफलान प्रतियोगिता में पूरे देश से 50 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया था। वहीं आइओटी लैब का उद्घाटन भी किया गया जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स के वर्किंग मॉडल के जरिए छात्रों ने जानकारी ली। आयोजन में एक्सियम, सोक्रेट्स व एक्सएलआरआइ के आइटी क्लब का योगदान रहा।

एक्सएलआरआइ में साइनस-2019 के तहत हुई प्रतियोगिता की विजेता टीम • जागरण

औद्योगिक गतिविधि

- इवेंट में दिल्ली टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी की टीम विजेता
- एनआइटीआइई मुंबई की टीम को उपविजेता का खिताब

50 से अधिक टीमों ने इवेंट में हिस्सा लिया था

03 से ज्यादा गतिविधियों का आयोजन किया गया

एक्सएलआरआइ में साइनस-2019 में प्रबंधन छात्रों को संबोधित करते विशेषज्ञ • जागरण

PUBLICATION: Chhapte Chhapte

DATE: 18 November 2019

EDITION: Kolkata

PAGE: 12

'एक ट्रिलियन में कितने जीरो' पूछ चर्चा में आए वल्लभ लड़ेंगे सीएम के खिलाफ चुनाव

रांची, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ को झारखंड विधानसभा चुनाव में जमशेदपुर पूर्वी सीट से उम्मीदवार बनाया है। वह मुख्यमंत्री रघुवर दास को चुनौती देंगे। गौरव लंबे अरसे से टीवी चैनलों पर कांग्रेस का पक्ष रखते आ रहे हैं लेकिन भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा से 'एक ट्रिलियन में कितने शून्य' पूछकर चर्चा में आ गए थे। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से मुख्यमंत्री रघुवर दास लगातार पांच बार जीत चुके हैं। कांग्रेस अबतक राज्य में 27 उम्मीदवारों का एलान कर चुकी है। वल्लभ ने कहा कि वह सीएम को चुनौती देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सीएम ने झारखंड के लोगों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। जमशेदपुर पूर्वी सीट से उम्मीदवार बनाए गए गौरव वल्लभ एक्सएलआरआई, जमशेदपुर में प्रोफेसर रह चुके हैं और वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता हैं। गौरव को पहचान तब मिली जब उन्होंने एक लाइव टीवी डिबेट में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ संबित पात्रा से 'ट्रिलियन में कितने जीरो होते हैं' से जुड़ा सवाल पूछ लिया था, तब संबित इस सवाल का तुरंत कोई जवाब नहीं दे पाए थे। झारखंड के कई वरिष्ठ नेताओं ने गौरव को प्रत्याशी बनाने की मांग केंद्रीय नेतृत्व से की थी। गौरव राजस्थान के जोधपुर के पीपाड़ गांव के रहने वाले हैं। उनकी स्कूली शिक्षा पाली जिले से पूरी हुई है। वह लंबे समय से कांग्रेस के प्रवक्ता के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व से अनुमति मिलने के बाद गौरव ने भी चुनाव लड़ने की बात कही थी। इसके साथ ही झारखंड विधानसभा चुनाव में सबसे रोमांचक मुकाबला जमशेदपुर पूर्वी सीट पर ही देखने को मिलेगा, जहां से रघुवर दास के कैबिनेट मंत्री सरयू राय भी मैदान में उतरने का मूड बना चुके हैं।

टिकट मिलने के बाद गौरव वल्लभ ने ट्वीट कर कहा कि 'कांग्रेस पार्टी ने मुझे झारखंड के जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से सीएम रघुवर दास जी के खिलाफ उम्मीदवार घोषित किया है। मैं पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता व पदाधिकारियों का मुझ पर भरोसा जताने के लिए कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं। भरोसा दिलाता हूं की आपके विश्वास पर हमेशा खरा उतरूंगा।'

कांग्रेस राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही है। सीट बंटवारे की व्यवस्था के अनुसार, 81 सीटों वाली विधानसभा में झामुमो 43, कांग्रेस 31 और राजद सात सीटों पर लड़ेगी।

PUBLICATION: Deccan Herald
DATE: 7 November 2019
EDITION: Bangalore
PAGE:17

Leadership conclave

XLRI- Xavier School of Management and Institute for Advanced Studies in Complex Choices will be hosting the '2nd IASCC – XLRI Leadership Conclave' from November 19 to 20 in Hyderabad. For more information, log on to https://bit.ly/2r3dl1F.

PUBLICATION: Economic Times Hindi
DATE: 7 November 2019
EDITION: New Delhi
PAGE: 1,8

बिजनेस स्कूलों के समर प्लेसमेंट में कंसल्टिंग फर्म्स दे रहीं ज्यादा ऑफर: पेज 8

FMCG कंपनियों, बैंकों के ऑफर घटे

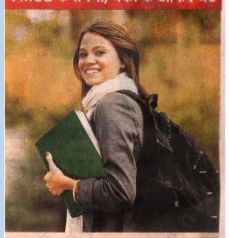

बिजनेस स्कूलों के समर प्लेसमेंट में कंसल्टिंग फर्में दे रहीं ज्यादा ऑफर

प्राची वर्मा। नई दिल्ली

देश में आर्थिक सुस्ती के बीच जहां एक ओर FMCG, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियों और बैंकों की ओर से हायरिंग घटी है, वहीं बिजनेस स्कूलों में कंसल्टिंग फर्में समर प्लेसमेंट के लिए कतार लगाए खड़ी हैं। टॉप बिजनेस स्कूलों के प्लेसमेंट सेल्स ने यह जानकारी दी है। जिन कैंपस में समर प्लेसमेंट्स हो चुके हैं, उनके आंकड़ों से इस ट्रेंड का पता चला है। XLRI में कंसल्टिंग फर्मों की तरफ से समर इंटर्नशिप ऑफर पिछले साल की तुलना में 37 पर्सेंट बढ़े हैं। इस साल इंस्टीट्यूट को इन फर्मों से 56 ऑफर मिले। वहीं, IIM कोलकाता में प्लेसमेंट के लिए पहली बार तीन कंसल्टिंग फर्में आई थीं।

इंस्टीट्यूट में पिछले साल एक्सिस बैंक, यस बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा आए थे जो इस बार प्लेसमेंट से नदारद रहे। FMS दिल्ली में भी पिछले साल के मुकाबले कंसल्टिंग फर्मों से मिलने वाले ऑफर्स में 14.3 पर्सेंट की बढ़ोतरी हुई है। FMS में भी इस साल यस बैंक और ICICI बैंक समर प्लेसमेंट के लिए नहीं आए जबकि पिछले साल उन्होंने प्लेसमेंट ऑफर दिए थे। इस बार BFSI सेगमेंट से भी कम ऑफर्स आए हैं। इस साल अब तक इस सेगमेंट से 33 ऑफर आए हैं जबकि पिछले साल 53 ऑफर आए थे। वहीं FMCG फर्मों ने भी पिछले साल के 41 ऑफर्स की तुलना में इस साल 36 ऑफर ही दिए हैं। MDI गुरुग्राम के प्लेसमेंट अध्यक्ष कंवल कपिल के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग, खासकर ऑटोमोटिव सेक्टर से ऑफर्स की संख्या में आई भारी गिरावट को कंसल्टिंग फर्मों ने पूरा कर दिया है। MDI में इस बार एक दर्जन फर्में प्लेसमेंट की कतार में खड़ी हैं। पिछले साल इनकी संख्या सिर्फ आठ रही थी। इस साल कंसल्टिंग फर्मों की ओर से समर प्लेसमेंट्स ऑफर्स में 40 पर्सेंट इजाफा हुआ है। नए रिक्रूटर्स में BCG और PwC इंडिया शामिल रही थीं। IIM अहमदाबाद के प्लेसमेंट चेयरपर्सन अमित कर्ण ने बताया, 'इस साल कंसल्टिंग कंपनियां अधिक हायरिंग कर रही हैं। इन फर्मों के साथ शुरुआती बातचीत से पता चलता है कि इनकी ऑर्डर बुक भरी हुई है।'

IIM-अहमदाबाद ने अपने एक वर्षीय एमबीए प्रोग्राम के लिए प्लेसमेंट बंद कर दिया है। IIM बेंगलुरु में कंसल्टिंग डोमेन से कुल 127 ऑफर आए थे। टॉप रिक्रूटर्स में बेन एंड कंपनी (19), एक्सेंचर स्ट्रेटजी (18), बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (13), एटी कियर्नी और मैकेंजी एंड कंपनी (11) जैसी कंपनियां शामिल थीं। वहीं IIM कोझिकोड में भी कंसल्टिंग फर्मों की ओर से हायरिंग बढ़ी है। इंस्टीट्यूट में बैच के लगभग 13 पर्सेंट स्टूडेंट्स को एवलॉन कंसल्टिंग, एक्सेंचर स्ट्रेटजी, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, डेलॉयट US, अर्न्स्ट एंड यंग PwC जैसी कंपनियों से ऑफर मिल रहे हैं। कंसल्टिंग सेक्टर से सबसे अधिक ऑफर IIM कोलकाता को मिले हैं। इसमें मैकिंजी, बेन, बीसीजी, एटीके, केपीएमजी, मास्टरकार्ड एंड EY जैसी कंपनियों ने हिस्सा लिया था। कंसल्टिंग कंपनियों में टॉप रिक्रूटर डेलॉयट इंडिया बड़ी संख्या में हायरिंग करने पर विचार कर रही है।

PUBLICATION: Eenadu

DATE: 20 November 2019

EDITION: Hyderabad

PAGE: 10

చమురు ధరల ముప్పు పొంచి ఉంది

• మూలధన నిధులు వెనక్కి వెళ్లిపోవచ్చు • మనదేశానికి ఈ రెండూ సవాళ్లే • ఆర్‌బీఐ మాజీ గవర్నర్ వైవీ రెడ్డి విశ్లేషణ

ఈనాడు, హైదరాబాద్: చైనా, ఇరాన్, మధ్య ప్రాచ్య దేశాల్లో చోటుచేసుకుంటున్న పరిణామాలను నిశితంగా గమనిస్తే మనదేశ ఆర్థిక వ్యవస్థకు ప్రధానంగా రెండు సవాళ్లు కనిపిస్తున్నాయని రిజర్వు బ్యాంక్ ఆఫ్ ఇండియా (ఆర్‌బీఐ) మాజీ గవర్నర్ వైవీ రెడ్డి అన్నారు. ఇందులో ఒకటి చమురు ధరలు అదుపు తప్పిపోవటం ఒకటి కాగా రెండవది మూలధన నిధులు వెనక్కి వెళ్లిపోవటం- అన్నారాయన. ఇనిస్టిట్యూట్ ఫర్ అడ్వాన్స్‌డ్ స్టడీస్ ఇన్ కాంప్లెక్స్ ఛాయిసెస్ (ఐఏఎస్‌సీసీ), ఎక్స్‌ఎల్ఆర్ఐ- జమ్‌షెడ్‌పూర్‌తో కలిసి మంగళవారం ఇక్కడ నిర్వహించిన సదస్సులో డాక్టర్ రెడ్డి ప్రధానోపన్యాసం చేశారు. ప్రపంచ పరిణామాల వల్ల ఎదురయ్యే రిస్కు ఏదైనా దేశానికి అధికంగా ఉందంటే, అది మనదేశానికేనని ఆయన అభిప్రాయపడ్డారు. ప్రస్తుతం మనం యూఎస్, చైనా దేశాల సారధ్యంలోని 'బై-పోలార్' ప్రపంచంలో ఉన్నామని, ఈ రెండు దేశాలు ప్రపంచ ఆర్థిక వ్యవస్థపై ఆధిపత్యం కోసం పరస్పరం పోరాడుతున్నాయని పేర్కొన్నారు. అమెరికా- చైనా వాణిజ్య యుద్ధానికి సరదాగా ఆయన రాయలసీమ జిల్లాల్లోని ఇద్దరు ఫ్యాక్షనిస్టుల మధ్య పోరాటాన్ని ఉదాహరణగా చెప్పారు. 'నేను కడప జిల్లా నుంచి వచ్చాను, ఆ యుద్ధాలు ఎలా ఉంటాయనేది నాకు తెలుసు" అన్నారాయన. ఒక ప్రాంతంలో ఆధిపత్యం కోసం ఎప్పుడూ కొట్లాడుతుండే ఇద్దరు ఫ్యాక్షనిస్టులు వారినే సవాలు చేసే మూడో శక్తి ఎదురైనప్పుడు చేతులు కలిపి ఒక్కటవుతారు. ఆధిపత్యం తమ మధ్యే ఉండాలి కాని మూడో వ్యక్తి రావటాన్ని సహించరు- అని వివరించారు. అమెరికా- చైనా పరిస్థితి ఇలానే ఉందని, మిగతా ప్రపంచం అంతా ఆ రెండు దేశాల దయాదాక్షిణ్యాల మీద ఆధారపడవలసి వస్తోందని పేర్కొన్నారు. ప్రపంచ వాణిజ్య కరెన్సీ అయిన డాలర్ ఆధిపత్యాన్ని సవాలు చేసేందుకు చైనా ప్రయత్నాలు చేస్తోందని చెబుతూ గతంలో ఇటువంటి ప్రయత్నాలు జరిగినప్పటికీ డాలర్ ప్రాధాన్యం తగ్గలేదని వివరించారు. 'యూరో' ఒక దశలో ప్రపంచ కరెన్సీగా డాలర్‌కు ప్రత్యామ్నాయంగా ఎదుగుతుందని అనిపించింది, కానీ 2008 ప్రపంచ ఆర్థిక మాంద్యం తర్వాత 'యూరో' ప్రాబల్యం తగ్గిపోయింది- అన్నారాయన. ఐఎంఎఫ్- ఎస్‌డీఆర్‌లో చేరిన తర్వాత చైనా డాలర్‌ను సవాలు చేసే స్థాయికి చేరిందని, అయినా ప్రపంచ వాణిజ్యంపై డాలర్ ప్రభావం తగ్గలేదని పేర్కొన్నారు. కానీ డాలర్‌కు గతంలో ఉన్న శక్తి ఇప్పుడు లేదని విశ్లేషించారు. ప్రస్తుతం ప్రపంచ ఆర్థిక మార్కెట్లపై అమెరికా పెత్తనం ఉంటే, ప్రపంచ వాణిజ్యం తీరుతెన్నులను చైనా నిర్దేశిస్తోందని తెలిపారు. చైనాలోని అతిపెద్ద ఆర్థిక సంస్థల వెనుక ప్రభుత్వం ఉంటే, అమెరికాలోని అతిపెద్ద ఆర్థిక సంస్థలు ప్రభుత్వాన్ని సవాలు చేసే స్థితిలో ఉన్నట్లు వివరించారు. సింగపూర్, హాంగ్‌కాంగ్, షాంఘై నగరాల నుంచి డాలర్‌కు సవాలు ఎదురవుతున్నప్పటికీ ప్రపంచ ఆర్థిక మార్కెట్లపై ఇప్పటికే పశ్చిమ దేశాలదే పెత్తనమని అభిప్రాయపడ్డారు. వచ్చే తరానికి ప్రధానంగా మూడు సవాళ్లు కనిపిస్తున్నాయని చెబుతూ, అవి- వాతావరణ మార్పులు, జనాభా వైవిధ్యం, సాంకేతిక పరిజ్ఞానం, అని తెలిపారు. వాతావరణ మార్పులను ఎదుర్కోనాలంటే అన్ని దేశాలు కలిసికట్టుగా పనిచేయాలని కానీ అటువంటి పరిస్థితి కనిపించటం లేదని వివరించారు. జనాభా వైవిధ్యం ఆర్థిక అంతరాలను ప్రభావితం చేస్తోందని, ఉపాధి కోసం వలసపోవలసిన పరిస్థితిని కల్పిస్తోందని పేర్కొన్నారు. ప్రపంచ సమతౌల్యాన్ని అనూహ్యంగా ప్రభావితం చేయగలిగే సాంకేతిక పరిజ్ఞానం అందుబాటులోకి వస్తోందని, దీని ప్రభావం అంతా ఇంతా కాదని అభిప్రాయపడ్డారు. ఇవాళ ఒక దేశంలోని ప్రజల సమాచారం అక్కడి ప్రభుత్వం కంటే గూగుల్ వద్ద అధికంగా ఉంటుంది, ఇదీ టెక్నాలజీ సత్తా- అని వివరించారు. నూతన సాంకేతిక పరిజ్ఞానం వల్ల దేశాల సరిహద్దులు చెరిగిపోతున్నాయన్నారు.

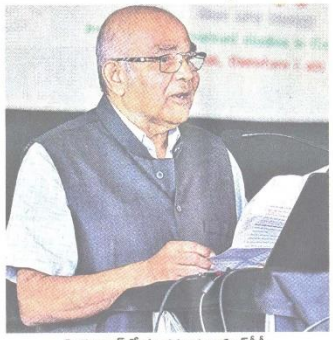

హైదరాబాద్‌లో మంగళవారం ఐఏఎస్‌సీసీ, ఎక్స్‌ఎల్ఆర్ఐ-జమ్‌షెడ్‌పూర్‌తో కలిసి నిర్వహించిన సదస్సులో మాట్లాడుతున్న ఆర్‌బీఐ మాజీ గవర్నర్ డాక్టర్ వైవీరెడ్డి

ప్రపంచ ఆర్థిక వ్యవస్థలో వస్తున్న మార్పులు, వెల్లువెత్తుతున్న నూతన సాంకేతిక పరిజ్ఞానం, ప్రపంచీకరణ ప్రభావం తగ్గిపోవటం... వంటి అంశాలను పరిగణలోకి తీసుకొని భారతదేశం ఆర్థికంగా బలోపేతం కావటానికి వ్యూహాలు సిద్ధం చేసుకోవాలని స్టేట్ బ్యాంక్ ఆఫ్ ఇండియా గ్రూపు ముఖ్య ఆర్థికవేత్త డాక్టర్ సౌమ్య కాంతి ఘోష్ అభిప్రాయపడ్డారు. కాకపోతే మనకు ఎక్కువ సమయం లేదు, త్వరపడాలి- అన్నారాయన. చైనా 1980లో సంస్కరణలు చేపట్టినప్పుడు ఉన్న పరిస్థితులు వేరు, ప్రస్తుత పరిస్థితులు వేరు..., 21 శతాబ్దం అందించే అవకాశాలను మనం వెంటనే పట్టుకోవాలి, లేకపోతే వెనుకబడిపోతాం- అని వివరించారు. మనదేశం 5 ట్రిలియన్ డాలర్ల ఆర్థిక వ్యవస్థగా మారాలంటే రాష్ట్రాలు క్రియాశీలకమైన పాత్ర పోషించాల్సి ఉందని అభిప్రాయపడ్డారు. పశ్చిమ బెంగాల్, ఒడిశా, ఈశాన్య రాష్ట్రాలు ఈ రేసులో ముందుండాలి, 'బిమ్స్‌టెక్' వంటి ఒప్పందాల ద్వారా లాభపడేందుకు అవి ప్రయత్నించాలి- అని సూచించారు. దేశంలో బ్యాంకింగ్ రంగం వారసత్వంగా వచ్చిన సమస్యల నుంచి కొంత బయటకు వచ్చిందని, కాని ఆర్థిక మందగమనం బ్యాంకుల ఆస్తిఅప్పుల పట్టీలు బలోపేతం కాకుండా అడ్డుకుంటోందని విశ్లేషించారు.

సెంటర్ ఫర్ పాలసీ ఆల్టర్నేటివ్స్ అధిపతి డాక్టర్ మోహన్ గురుస్వామి, కోటక్ మహీంద్రా బ్యాంకు ఎగ్జిక్యూటివ్ ఉపాధ్యక్షుడు ఫణి శంకర్, ఐఐఎం-ఏ ప్రొఫెసర్ సెబాస్టియన్ మారిస్, నాబార్డ్ మాజీ డీఎండీ హరీష్ ఆర్ దవే తదితరులు ఆర్థిక రంగం తీరుతెన్నులు, సవాళ్లు, ప్రత్యామ్నాయ మార్గాలపై తమ తమ ఆలోచనలు పంచుకున్నారు. ఇనిస్టిట్యూట్ ఫర్ అడ్వాన్స్‌డ్ స్టడీస్ ఇన్ కాంప్లెక్స్ ఛాయిసెస్ (ఐఏఎస్‌సీసీ) సహ-వ్యవస్థాపకుడైన ప్రొఫెసర్ అనిల్ కే.సూద్ స్వాగతోపన్యాసం చేశారు.

PUBLICATION: EiSamay

DATE: 25 November 2019

EDITION: Kolkata

PAGE: 7

জেভিয়ার স্কুল অফ ম্যানেজমেন্ট

■ আইওটি, ডেটা অ্যানালিটিক্স অ্যান্ড ব্লক চেইন টেকনোলজি সম্পর্কে পড়ুয়াদের আরও অবগত করতে একটি অনুষ্ঠান আয়োজন করা হয়েছিল জেভিয়ার স্কুল অফ ম্যানেজমেন্টের তরফে। 'সিগনাস ২০১৯' নামে ওই অনুষ্ঠানে এগুলি ছাড়াও নানা বিষয়ে আলোকপাত করা হয়। ম্যানেজমেন্ট কোর্সের ছাত্রছাত্রীরা ছাড়াও প্রযুক্তি বিদ্যার পড়ুয়ারা সেখানে ছিলেন।

PUBLICATION: The Hindu

DATE: 18 November 2019

EDITION: Kolkata

PAGE: 10

My idea of India is being challenged: Vallabh

Cong. spokesperson, who will take on Jharkhand CM in upcoming poll, says focus will be on development

SOBHANA K. NAIR
NEW DELHI

Congress spokesperson Gourav Vallabh describes himself as a first generation politician. He joined the Congress only in January 2018 and a year later, he is taking on BJP leader and Jharkhand Chief Minister Raghubar Das in the upcoming Assembly election from Jamshedpur East.

A regular at press conferences at the Congress headquarters at 24 Akbar Road, Mr. Vallabh shot into the limelight when he asked BJP spokesperson Sambit Patra how many zeroes there were in a trillion in the context of the Narendra Modi government's claim that India's economy would reach the $5 trillion mark by 2024. Even as Mr. Patra fumbled, Mr. Vallabh pedantically explained the number of zeroes in a billion, million and trillion (12 zeroes).

The question was definitely a no-brainer for Mr. Vallabh who holds a doctorate in credit risk management and was taken on as a Professor at the Xavier School of Management at just 32.

Suffocating environment

Speaking to *The Hindu*, the Congress hopeful says no one from his family was into politics. Both his parents are teachers. "My idea of India was being challenged, people are lynched for their religion. They instructed what to eat and what not eat. This environment was suffocating for me. The party that was the closest to my idea of India was the Congress so I decided to join," he said.

Gourav Vallabh

"Every morning I do puja for more than an hour-and-a-half. But that doesn't mean that I will go to TV studios and call out people on the basis of the cap they wear. The Union government that tweets on fire in Amazon forests, doesn't say a word when people are burned or beaten to death on the roads," he added.

The Congress is likely to propose an anti-lynching law for Jharkhand in its manifesto on the lines of the one enacted in Rajasthan.

"In last 30 months, 700 firms were wound up in Jamshedpur alone and 30,000 workers have lost jobs. Who is responsible for this? My main agenda will be only development, development and development," Mr. Vallabh said. He adds that in Jharkhand over the past five years, 14,000 government schools were closed by the NDA government. And instead of schools, the government has focussed on opening liquor shops, he alleged.

On the David vs Goliath contest, Mr. Vallabh says he is going into the contest not against a Chief Minister but against a candidate who failed his constituency. "I am only going to share with people, this is what you expected, this is what you deserved and this is the delivery," he says, matter-of-factly.

The narrative on Article 370 or even the Ram Mandir will have no impact in the State, he asserted.

"At the end of the day, people need two square meals in a day, they want employment, they need houses, basic health and education facilities," Mr. Vallabh said.

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 6 November 2019
EDITION: New Delhi
PAGE: 1,8

Minimum pay may jump 28% on govt's wage code

Zia Haq
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The national minimum floor wage in the country could go up by 28% from an existing non-binding guideline wage set in 2017 based on new criteria proposed by the Union government, which has framed draft rules to operationalise the Code on Wages 2019, according to calculations by multiple experts.

The draft says that a central advisory board will fix a statutory national floor wage for the first time, which will be the basis for new, multiple minimum wages at the federal and state levels.

The Code on Wages 2019 provides for a statutory national floor wage rate, below which no minimum wages can be fixed by any state body or employer. The draft will be finalised in about four months after public consultations and suggestions.

ACCORDING TO THE WAGE CODE DRAFT, A CENTRAL BOARD WILL FIX A FLOOR WAGE WHICH WILL NEED TO BE FOLLOWED FEDERALLY AS WELL AS IN STATES

While the criteria for the floor wage have been left to an advisory board, the draft lays down the guidelines for fixing minimum wages.

According to Prof KR Shyam Sundar of the Xavier Labour Relations Institute, Jamshedpur, the floor wage calculated by following the laid-out criteria should stand between ₹200 and ₹225 per day, a raise of 14% to 28% when compared with the existing highest minimum wage of ₹175 per day in some states. The draft rules provide for nine-hour working shifts.

To be sure, the 7th Pay Commission in 2015 prescribed a minimum wage of ₹18,000 per month for all central government employees. For a 26-day working month, this works out to ₹692 a day.

"The 7th Pay Commission recommendation setting the mini-

CONTINUED ON P8

Minimum pay

mum salary at ₹18,000 will be the notional basis for the criteria hiking the floor wage," an official of the labour ministry said.

According to the criteria, actual minimum wages must take into account a net intake of "2,700 calories per day per consumption unit" and "66 metres cloth per year per family", apart from house rent (10% of minimum wages), fuel, household electricity, spending on children's education, medical needs, and recreation. Expenditure on emergencies will constitute 25% of the minimum wages.

The floor wage will take into account "an equivalent of three adult consumption units", including "food, clothing, housing and any other factors considered appropriate by the central government from time to time", the draft states. The floor will be revised every five years.

"The criteria set in the draft rules under section 67 of the Code on Wages 2019, a law passed by Parliament this year, is in accordance with historically determined standards," said Prof Sundar. These include the criteria adopted at the Indian Labour Conference 1957, which was supplemented by the Supreme Court advisory in 1992 in the Raptakos and Brett case, he added.

The top court had emphasised that workers have the right to a decent wage in a dispute between workers of the firm, Raptakos and Brett, and its management.

"I would have preferred a least complex system wherein a single or multiple minimum wage rates are determined at the national and state level to ensure clarity and efficiency in administering minimum wages," said Prof Sundar. Other experts, who concurred with the 14-28% calculation, also said the draft could have been simpler. "Given the expectations around the wage code and the criteria suggested, the basic wages will increase to at least ₹200," said Prof SN Giri, a labour economist who advised the erstwhile Planning Commission.

Prof Sundar, however, said that the nine-hour working day limit set by the draft "defies all current legal aspects and requirements". He said nowhere in the world do labour laws have such a work-hour limit. The architecture of wages envisaged in the draft shows that while there will be a statutory national floor wage rate, there will be a minimum wage set by the central government for sectors of the economy for subjects that fall in the Union list, such as civil aviation, ports, banking, insurance and mines, etc. States will have powers to set minimum wages for all areas that fall under their jurisdiction, as defined in the Factories Act 1948 and The Shops and Establishment Act of various states. Minimum wages at the state level will vary according to three geographical classifications: metro, non-metro, and rural areas.

Prior to this, there were no set criteria for calculating minimum wage rates, which is a common matter of dispute between workers and employers.

The national average minimum wage is ₹4,628 a month. On October 18, the Supreme Court provisionally allowed the Delhi government to raise it to ₹14,842 a month, after the move was challenged by various employer bodies. Trade unions, however, appeared sceptical. "A fundamental problem is that the distinction between skilled and unskilled work is linked to industry-specific jobs. But even the Supreme Court has said that over time, unskilled workers acquire more skills than they started off with," said Brijesh Upadhyay, general secretary of the Bharatiya Mazdoor Sangh.

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 20 November 2019
EDITION: Mumbai
PAGE: 9

Joining in, but opting out

BACK SEAT Despite efforts, the number of women in India's B-schools continues to drop. Targeted recruitment, long working hours and a static selection process are key reasons

ISTOCK

Aishwarya Iyer
aishwarya.iyer@htlive.com

In 2003, journalist Lisa Belkin wrote an article titled 'Opt-out Revolution' for the *New York Times Magazine*. In it she explained the American phenomenon in which women in leadership roles at corporate companies often leave to spend more time with their families. Sixteen years after the piece, India seems to be following the same pattern.

Fewer women students enrolled for management programmes in the academic year 2018-19 than the previous year, according to the All India Survey of Higher Education (AISHE). In 2017-18, 9010 women signed up for a postgraduate diploma in management (PGDM), this year's number is 7291. The 2-year course has been popularised by premier B-schools like Indian Institute of Management and XLRI, and holds more weight than an MBA. Even the Masters in management programme has seen a slight dip, with 2105 students enrolling in 2018-19, against 2133 in 2017-18.

Management studies have scope and viability as the subject, and women are occupying senior positions in large numbers globally. Around 29% of the senior-level posts globally are occupied by women, which is huge, says Vijay Joshi, state joint director, Rashtriya Uchhatar Shiksha Abhiyan (RUSA). So why the slide? "When it comes to Asia, the scene is different, especially in India and Japan. Most women quit jobs after reaching the middle-management levels. Very few climb up the ladder."

In management colleges, there are more female teachers but fewer students, he adds. "One of the major reasons for that is the nature of jobs one ends up getting after an MBA are not feasible for striking work-life balance. Hence, they go in for teaching, research and other verticals."

CAUSE AND EFFECT

Joshi says that Japan is deliberately encouraging more women to take up management and India needs to follow the pattern. It's a little complicated here.

Getting admission into B-schools depends on the CAT score. And CAT exams are geared for engineering students, says Bindu Kulkarni, associate professor and associate programme head-PGDM, Bhartiya Vidya Bhavan's SP Jain Institute of Management Research. And that is one of the reasons women stay away. "Commerce and engineering students find it comparatively easier to crack CAT exam, while students from a humanities background struggle to compete. There are more women with an arts background, they are less common in the engineering field."

Most colleges are also grade-oriented. And the college's selection process makes a difference. At SPJIMR, it's a two stage process. The first level tests aptitude, work experience and skills. The second stage tests values, soft skills. "Students from humanities background are naturally graded lower (because there are fewer objective questions that push scores up) than the commerce and engineering students, so they are left out," says Kulkarni. "So we look for values such as problem-solving, decision-making and how they react to crisis and pressure at workplaces. Here, women often score higher." At SPJIMR women students have formed 41% of the classes for the last 3-4 years.

> To diversify the selection process, we look for values such as problem-solving, decision-making and how candidates react to crisis and pressure at the workplace. Here, women often score higher.
>
> BINDU KULKARNI, associate programme head- PGDM, Bhartiya Vidya Bhavan's SP Jain Institute of Management Research

At WeSchool in Mumbai too, the selection process is what matters. They customise their interviews as per the candidate's academic background and consider their abilities. A large number of students also believe that a management programme leads to a sales job. This is generally visualised as visiting client's offices and selling services, similar to door-to-door sales, says VP Singh, programme director, PGDM and professor of economics at Great Lakes Institute of Management, Gurgaon.

"To add to this, jobs offered after MBA usually demand longer working hours, so the likelihood of a woman's career getting cut short in such professions tends to rise," he says. Women just see it as a low return on educational investment.

Monica Khanna, director, KJ Somaiya Institute of Management Studies and Research (SIMSR) in Mumbai, says that the location of campuses could also be a factor. Women do not like to shift to a smaller city for studies, especially if the campus is on the outskirts of the city.

STRIKING A BALANCE

The scenario is changing and women are getting into management courses with several gender-diversity programmes,

"In the public sector, it has become mandatory that there should be at least one women director, says Joshi. Several institutes have measures to encourage women. IIM Kozhikode in 2018 added 60 additional seats only for women students.

With careers in digital marketing, pre-sales, market research analytics and social media analytics growing immensely in e-commerce companies, it seems to be improving women's preferences for marketing and sales jobs, says Singh. GLIM has incorporated such courses in its management curriculum, resulting in more women joining the programme. "This has helped the institution bridge the gender gap," he adds..

PUBLICATION:Hindustan
DATE:2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:5

वल्लहल्ला : एक्सएलआरआई में शुरू हुआ मस्ती का मेला

जमशेदपुर | संवाददाता

देश के जाने-माने मैनेजमेंट संस्थान एक्सएलआरआई, जमशेदपुर में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद एवं मैनेजमेंट फेस्टिवल एनसेंबल-वल्लहल्ला का शुक्रवार को आगाज हुआ।

मौके पर कॉलेज के प्राचार्य फादर पी क्रिस्टी एसजे, बॉलीवुड व टीवीजगत के जाने-माने अभिनेता व स्क्रिप्ट राइटर डॉ. आकाश खुराना और एक्सएलआरआई एल्युमिनी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणवीर सिन्हा ने फेस्टिवल का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में फादर पी क्रिस्टी और डॉ. आकाश खुराना ने विद्यार्थियों को मैनेजमेंट के क्षेत्र में नैतिकता और मूल्यों की आवश्यकता के बारे में व्याख्यान दिया। उद्घाटन समारोह का समापन एक्सएलआरआई के पूर्व निदेशक (1982-89) स्व. फादर रोमॉल्ड डिसूजा की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया।

इस तीन दिवसीय फेस्टिवल के पहले दिन देश के विभिन्न मैनेजमेंट स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मौके पर विविध ज्ञानपूर्ण और मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिनमें मेजर चंद्रकांत नायर द्वारा प्रस्तुत जनरल क्विज, बीट पे बीट ग्रुप डांस प्रतियोगिता, जस्ट ए मिनट, एडवर्टाजिंग प्रतियोगिता ऐड मैड, बिजनेस चैलेंज पर आधारित जेनेसिस, प्रोडक्ट डिजायन एंड मैनेजमेंट पर आधारित प्रतियोगिता अपोलो आदि प्रमुख रहीं। इनमें विद्यार्थियों ने जमकर मस्ती की।

शिशिर शर्मा ने परखी क्षमता : पहले दिन फेस्टिवल में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता ललकार हुई। इसमें विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक ज्वलंत मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किये। मौके पर निर्णायक की भूमिका राष्ट्रीय स्तर के थियेटर आर्टिस्ट सह बॉलीवुड अभिनेता शिशिर शर्मा ने निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों को अभिनय के कई गुरुमंत्र भी दिये।

आयोजन

- तीन दिवसीय खेलकूद व मैनेजमेंट फेस्टिवल वल्लहल्ला का आगाज
- एल्युमिनी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

शुक्रवार को एक्सलर्स को संबोधित करते बॉलीवुड अभिनेता शिशिर शर्मा। • हिन्दुस्तान

स्टैंडअप कॉमेडियन ने हंसाया तो बैंड ने झुमाया

पहले दिन के देर शाम स्टैंडअप कॉमेडी नाइट का आयोजन हुआ। बिंगो कॉमेडी अड्डा की ओर से आयोजित इस स्टैंडअप कॉमेडी शो में बहुचर्चित स्टैंडअप कॉमेडियन आकाश गुप्ता और करुणेश तलवार ने अपनी चुटकीली बातों से एक्सलर्स को जमकर हंसाया। इसके बाद एक्सएलआरआई के बैंड ग्रुप बोधी ट्री के संयोजन में यूफोरिया-ए बैटल ऑफ बैंड्स का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न बैंड्स ने एक एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किये। इन गीतों की धुन पर एक्सएलर्स देर रात तक झूमते रहे।

PUBLICATION:Hindustan
DATE:4 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:7

वलहल्ला में निखिल-डिवाइन ने झुमाया

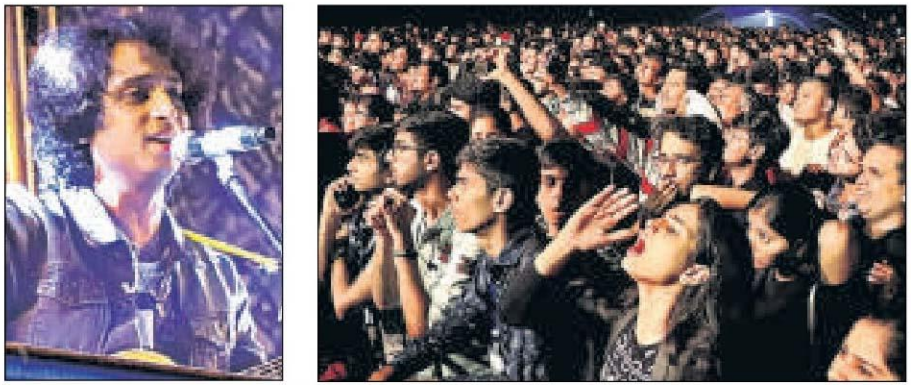

एक्सएलआरआई में रविवार देर शाम प्रस्तुति देते निखिल डिसूजा और झूमते युवा। ● हिन्दुस्तान

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई में रविवार की शाम वलहल्ला के अंतिम दिन गली बॉय फेम व मशहूर रैपर डिवाइन और मशहूर गायक, गिटारिस्ट निखिल डिसूजा ने भावी प्रबंधकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत डिसूजा ने हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में और बैंग-बैग गीत से की। इस दौरान विद्यार्थी झूमने लगे।

डिसूजा ने एक घंटे तक एक से बढ़कर एक फिल्मी गानों से मनोरंजन किया। अपने गिटार वादन से भी उन्होंने ध्यान खींचा। कुछ ही मिनटों के बाद मशहूर रैपर व फिल्म गली बॉय फेम डिवाइन के आते ही दर्शकों में नया जोश भर गया। दर्शक जोर-जोर से डिवाइन का नाम चिल्लाने लगे। उन्होंने बैक टू बैक रैप गाकर दिल जीत लिया। देर रात तक विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का आनंद उठाया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले हाथ में टिकट लिए लोग लाइन में खड़े रहे। दर्शकों की भीड़ शाम साढ़े छह बजे से ही एक्सएलआरआई गेट के पास जुटने लगी थी।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 12 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

आईएलओ की 100वीं वर्षगांठ पर एक्सएलआरआई में दि फ्यूचर ऑफ वर्क पर सेमिनार, बोले डैगमार वॉल्टर

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने वाले एजेंडा जरूरी

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

जिस तरह से हम तकनीकी नवाचारों, जनसांख्यिकीय बदलावों और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अभूतपूर्व चुनौतियों को गले लगाते हैं, उसे देखते हुए हमें मानव केंद्रित दृष्टिकोण से निवेश की आवश्यकता है। हमें एक ऐसे एजेंडे की आवश्यकता है, जो सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे सके।

ये बातें इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ), डीडब्ल्यूटी के साउथ एशिया के निदेशक डैगमार वॉल्टर ने सोमवार को एक्सएलआरआई में कहीं। वे यहां आईएलओ के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दि फ्यूचर ऑफ वर्क विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार में देश के कई श्रम विशेषज्ञ और जाने-माने लोग शामिल हुए। सेमिनार का उद्घाटन डैगमार वॉल्टर, एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी एसजे और डॉ. अशोक पाणी ने संयुक्त रूप से किया।

डैगमान वॉल्टर ने देश के भावी मैनेजरों को संबोधित करते हुए भविष्य में श्रम अधिनियम और सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए किस तरह से काम करें, इसके बार में कई महत्वपूर्ण बातें बताईं। फादर पी क्रिस्टी ने कहा कि आईएलओ की 100वीं वर्षगांठ समारोह का हिस्सा बनना एक्सएलआरआई के लिए गर्व की बात है। किसी भी कंपनी या फर्म की सफलता में वहां के कर्मचारी ही सबसे महत्वपूर्ण अंग होते हैं। इसलिए एक मैनेजर के रूप में हमें इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सेमिनार को पूर्व संयुक्त श्रम सचिव एलडी मिश्रा, श्रम एवं नियोजन के पूर्व प्रधान परामर्शी पीपी मित्रा, एफओडब्ल्यू आयुक्त दिलदार सिंह, टाटा स्टील ग्रुप इंडस्ट्रियल रिलेशंस प्रमुख जुबिन पालिया, महिन्द्रा नायडू, रीना नानावती, प्रो. देवनाथन और एक्सएलआरआई के प्रो. के आर श्याम सुंदर ने भी संबोधित किया। सेमिनार में एक्सएलआरआई के कई विद्यार्थी व शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

सोमवार को एक्सएलआरआई में सेमिनार का उद्घाटन करते अतिथि।

ड्रामा-स्टोरी टेलिंग से रूबरू हुए कलाकार

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के दि सेंटर फॉर पीएस एंड जस्टिस सेंटर फॉर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन एजुकेशनल लीडरशिप के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को एक्सएलआरआई परिसर में ड्रामा और स्टोरी टेलिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला हुई। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि अमेरिका के होनोलूलू से विश्वविख्यात थिएटर आर्टिस्ट, प्ले राइटर, एक्टर और मास्टर स्टोरी टेलर डेनियल केलिन शामिल हुए।

कार्यशाला की शुरुआत संथाली ड्रांस ग्रुप द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत गीत के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि डेनियल केलिन, फादर फ्रांसिस पीटर एसजे और प्रो. परमज्योत सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला का विषय दि क्रिएटिव एंड क्रिटिकल : ट्रांसफॉर्मिंग थ्रू क्रिएटिव लर्निंगद्ध था। इस दौरान डेनियल ने विद्यार्थियों और कलाकारों को ड्रामा और स्टोरी टेलिंग के कई टूल्स और तकनीक के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर ड्रैकुला ड्रामा ग्रुप और जीएमपी विद्यार्थियों द्वारा इन टूल्स और तकनीकि के इस्तेमाल का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने स्क्रिप्ट राइटिंग, ड्रामा की प्लानिंग, प्लॉट डेवलपिंग, स्टोरी टेलिंग आदि का प्रदर्शन किया। कार्यशाला में कई शहरों के स्कूली बच्चे और शिक्षक शामिल हुए।

कार्यशाला

- होनोलुलू से आए एक्टर डेनियल केलिन ने दिए टिप्स
- एक्सएलआरआई में ड्रामा और स्टोरी टेलिंग पर चल रही कार्यशाला का दूसरा दिन

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 22 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

जैट-2019 के लिए 30 तक रजिस्ट्रेशन

जमशेदपुर। देश अग्रणी मैनेजमेंट कॉलेज एक्सएलआरआई में प्रवेश के लिए होने वाले जैट में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थी 30 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। 30 नवंबर के बाद कोई भी रजिस्ट्रेशन स्वीकार नहीं होगा। यह जानकारी गुरुवार को एक्सएलआरआई जमशेदपुर के निदेशक फॉदर पी क्रिस्टी राज ने दी। बताया गया कि इस वर्ष जैट-2019 की परीक्षा पांच जनवरी को होगी। इस वर्ष परीक्षा के आयोजन के बाद नवनिर्मित एक्सएलआरआई दिल्ली-एनसीआर कैंपस में भी प्रवेश लिये जाएंगे। जैट के कट ऑफ के आधार पर सिर्फ एक्सएलआरआई ही नहीं, बल्कि देश के 150 से अधिक मैनेजमेंट कॉलेज द्वारा भी प्रवेश लिया जाता है।

PUBLICATION:Khabar Mantra
DATE: 5 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ में देश के सबसे रोमांचक हिप-हॉप गायक निखिल डिसूजा के जादू से छायी रही मस्ती

खबर मन्त्र ब्यूरो

कार्यक्रम प्रस्तुत करते निखिल डिसूजा और कार्यक्रम के दौरान झूमते लोग।

जमशेदपुर। देश के सबसे रोमांचक हिप-हॉप गायकों में से एक डिवाइन और विख्यात गायक-गीतकार निखिल डिसूजा ने एक्सएलआरआई जमशेदपुर के मंच पर अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं पर ऐसा जादू बिखेरा जिसे आने वाले लंबे समय तक याद किया जायेगा। रेड बुल प्रजेन्ट्स डिवाइन कार्यक्रम मे हजारों की संख्या में उपस्थिति दर्शकों ने कार्यक्रम का आनन्द लिया। उन्होंने अपनी रैप से लोगों को झूमाने का पूरा प्रयास किया। जैसे ही निखिल डिसूजा ने अपनी प्रस्तुति पूर्ण की वहां उपस्थित दर्शक डिवाइन की आवाज को सुनने के लिए फरमाइश करने लगे।

अपनी प्रस्तुति के दौरान उन्होंने अपने कुछ सबसे लोकप्रिय ट्रैक फारक, पेंट्रा, वन साइड, मेरे गली में और जंगली शेर के साथ ही हाल ही में रिलीज हुए डेब्यू एल्बम कोहिनूर से भी उन्होंने कुछ रैप्स पेश किए। गली बाय फिल्म से मेरे गली में, बोलो आजादी, अपना टाइम आएगा, मुक्केबाज फिल्म से सीख-सीख जिंद्गी का पैंतरा गाने गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसी के साथ एक्सएलआरआइ में चल रहे वलहल्ला का समापन हो गया। समापन समारोह का आकर्षण रहा विवियन फर्नांडीस उर्फ डिवाइन रहा। जानकारी हो कि एक रैपर के रूप में गलियों से अपनी यात्रा शुरू करने वालें डिवाइन को 2013 में एक मात्र ये मेरा बम्बें ने उन्हें स्टारडम तक पहुंचा दिया। डिवाइन को हार्ड हिटिंग गीतों की प्रेरणा अपने स्वयं के जीवन से मिली है।

PUBLICATION: Mail Today
DATE: 19 November 2019
EDITION: New Delhi
PAGE: 22

WORKSHOP ON STORYTELLING AT XLRI

THE Centre for Peace and Justice, XLRI and Centre for Research and Training in Educational Leadership organised a two days drama and storytelling Workshop 'The Creative & The Critical: Transforming Through Creative Learning' by renowned theatre artist, playwright, actor and master story-teller Daniel Kelin from Honolulu Theatre, USA and also affiliated with the National School of Drama, Agartala. The workshop was attended by teachers from various schools around Jamshedpur. School students were fascinated by his format of storytelling and teaching the art of writing a script, planning a drama and developing the plot.

PUBLICATION: New Indian Express

DATE: 20 November 2019

EDITION: Hyderabad

PAGE: 1,13

Economic recovery to be slow and painful: Ghosh

SUNITHA NATTI @ Hyderabad

THE slack in demand and investment is likely to drag material economic recovery to next financial year, according to Dr Soumya Kanti Ghosh, Group Chief Economic Adviser, SBI.

"GDP growth plunged to 20-quarter low to 5.8% in Q4, FY19. With this, the full-year FY19 GDP growth rate comes to 6.8% (five-year-low) compared to 7.2% in FY18. The overall GDP growth is expected to be below 5% in FY20 and any material recovery will be postponed to FY21," he said.

Speaking at the two-day IASCC-XLRI Conclave here Tuesday, Ghosh said going forward, growth prospects were tilted towards the negative side unless a course correction happens. This sentiment was reinforced despite the July budget and subsequent policy announcements. The financial sector fragility, notably in the real estate exposed NBFC sector, has increased the perception of downside risk.

"The financial and corporate sector are facing the twin challenge of credibility and resilience. Sanctity of the audit process, external credit rating agencies, governance and regulatory lapses have strained the outlook of both banking and corporate sector including the relationship between the two. This trend is not healthy for both as it prevents retail and FII participation in the Indian capital markets or even FDI," he noted. CONTINUED ON: P13

WAY FORWARD

'Try to ensure aggregate demand'

CONTINUED FROM PAGE 1

MEANWHILE, there's considerable uncertainty if the weakness is temporary or the beginning of a recession in advanced economies. While the US raised tariffs on certain Chinese imports with the latter retaliating, additional escalation was averted followed the June G20 summit.

"Against this backdrop, global growth was forecast at 3.2 per cent in beginning 2019, picking up to 3.5 per cent in 2020. GDP reading so far this year, together with generally softening inflation in many economies, point to weaker-than-anticipated global activity," he observed.

Given the synchronised slowdown, the World Bank yet again downgraded FY19 growth to 3 per cent — its slowest pace since the global financial crisis. Importantly, the projected growth pickup in 2020 is also precarious, presuming stabilisation in currently stressed emerging market and developing economies, Ghosh said.

He said the contemporary issue for macro economists is to focus on assuring adequate aggregate demand. It's incorrect for central bankers to suggest that they have this challenge under control, or that with their current toolkit they will be able to get it under control.

PUBLICATION:Pioneer

DATE: 1 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 2

XLRI's fest Ensemble Valhalla 2019 to begin today

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI's annual cultural, sports, and management festival Ensemble-Valhalla is all set to start from November 1.The annual festival will have a plethora of events to cater to each and every student's interests. Spanning over three days, EV 2019 will see the presence of pure talent.

The fest will be inaugurated by Dr. Akash Khurana, and one of the main highlights of the fest is the Idea Summit, where film and television stalwarts including Shishir Sharma, Akash Khurana, Virali Modi, Arijit Biswas and Varun Mahana will come forth and share their experiences with the students.EV 2019 will also see Divine - the idea behind Gully Boy, Nikhil D Souza - the voice behind Sham Hai Koi, and The Local Train, enrapture the audience with their performances.

EV 2019 will see participation from students across the eastern belt of India. The tension is palpable in the air, as Valhalla, the sports fest, will unleash some of the best sports events, including football, tennis and cricket.

EV 2019 will also be an avenue for a host of literary, cultural and business events, which will give students an opportunity to unleash their potential leader. XLRI will play host to many citizens of Jamshedpur during EV as they participate in the events along with students.

Ensemble-Valhalla is the annual cultural, sports, and management fest of XLRI. The fest will take place on the 1st-3rd November. XLRI's flagship fest Ensemble-Valhalla has witnessed participation from various B-schools across the country and performances by renowned artists like Amit Trivedi, Lucky Ali, Nikhil D'Souza, The Local Train, Vipul Goyal, Sorabh Pant, Biswa Kalyan Rath, and Zakir Khan.

The multifaceted fest is expected to be a grand celebration of spirit and character encompassing the values and integrity of India's oldest business management school.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:20

एक्सएलआरआइ में शुरू हुआ फ्लैगशिप इवेंट एन्सेंबल-वलहल्ला

लीडरशिप क्वालिटी के बगैर कॉरपोरेट वर्ल्ड में सस्टेन करना मुश्किल :खुराना

■ पहले दिन जेनरल-मैनेजमेंट क्विज के अलावा कई इवेंट्स हुए

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ कैंपस में शुक्रवार को संस्थान का फ्लैगशिप इवेंट ऑन्सेंबल-वलहल्ला- 2019 की शुरुआत हुई. यह आयोजन देश के 20 बिजनेस स्कूल के भावी प्रबंधकों की मौजूदगी का गवाह बना. उद्घाटन सत्र के मौके पर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेता आकाश खुराना ने कहा कि इस तरह के आयोजन बिजनेस स्कूलों के छात्र-छात्राओं को उनके भविष्य के लिए प्लेटफॉर्म तैयार करते हैं. कैंपस में जिस प्रकार की गतिविधियां होती हैं, वैसे ही उन्हें कॉरपोरेट जगत में आने के बाद परफॉर्म करना होता है. ऐसे आयोजन से लीडरशिप की भावना जागृत होती है. उन्होंने कहा की कॉरपोरेट वर्ल्ड में सस्टेन (बने रहने के लिए) लीडरशिप की क्वालिटी होनी चाहिए, वह पढ़ाई के साथ-साथ अनुभव से भी आता है. मौके पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी ने कहा कि कॉरपोरेट जगत की वर्तमान जरूरतों के मुताबिक इस प्रकार के इवेंट डिजाइन किये जाते हैं, जिसका फायदा एक्सलर्स ही नहीं देश के दूसरे बिजनेस स्कूल के बच्चों के साथ ही शहर के बच्चों को भी मिलता है. रविवार तक संस्थान में तीन दिनों

आकाश गुप्ता व करुणेश तलवार ने किया लोटपोट

जमशेदपुर.ऑन्सेंबल-वलहल्ला के दौरान शुक्रवार को स्टैंडअप कॉमेडी का भी आयोजन किया गया. इसमें प्रसिद्ध स्टैंडअप कॉमेडियन आकाश गुप्ता व करुणेश तलवार उपस्थित थे. दोनों ने एक्सएलआरआइ व देश के अन्य बिजनेस स्कूलों के विद्यार्थियों का भरपूर मनोरंजन किया. आकाश गुप्ता ने लोगों के कुत्ते पालने के शौक पर लोगों को खूब हंसाया. साथ ही उन्होंने भारत में किस प्रकार क्रिकेट को जुगाड़ तकनीक के साथ खेला जाता है, इसके बारे में जानकारी दी. वहां कि अंगरेज भारत में क्रिकेट लेकर आये थे. इस खेल के लिए बकायदा पिच रहता है लेकिन भारत में इस खेल को जुगाड़ के सहारे गली-मुहल्ले में खेला जाता है. जूते की जगह चप्पल में खेलते हैं, तो कई बार चप्पल को वाइड बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है.

तक देश के 20 बिजनेस स्कूलों के 600 से ज्यादा विद्यार्थियों बिजनेस स्कूलों के खेल प्रतियोगिता, आर्ट एंड कल्चर, आइडिया समिट के जरिये फ्यूचर लीडर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे.

द नेक्स्ट जेन लीडर इवेंट मुख्य आकर्षण : इस साल ऑन्सेंबल-वलहल्ला का आकर्षण का केंद्र नेक्स्ट जेन इवेंट है. इवेंट में बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों को अपनी आइक्यू का इस्तेमाल कर अपने बिजनेस मॉडल को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है. अलग-अलग मैनेजमेंट संस्थानों से इस इवेंट के लिए कुल दस प्रतिभागियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है. इवेंट के विजेता को नकद पुरस्कार दिया जायेगा. इस बार पुरस्कार राशि के रूप में 15.50 लाख रुपये मिलेंगे, जिसमें सबसे अधिक नेक्स्ट जेन अवार्ड हासिल करने वाले को ही दिया जायेगा. इसकी राशि करीब 1.25 लाख रुपये तय की गयी है.

नेक्स्ट जेन इवेंट के लीडर बनने के लिए इनके बीच है भिड़ंत : 1. हरिशंकर एस- एक्सएलआरआइ 2. चैतन्य अवतापल्ली- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस मुंबई 3. दीपक शर्मा- आइआइएम, बोधगया 4. कबीर जोशी- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस मुंबई 5. सोखिन गर्ग- एमडीआइ, गुड़गांव 6. उदिता कौशिक- एक्सएलआरआइ 7. रौनक जाजो- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड .

आज आयेंगे शिविर शर्मा, विराली मोदी, अरिजीत विश्वास व वरुण : एक्सएलआरआइ में ऑन्सेंबल-वलहल्ला के दौरान शनिवार को आइडिया समिट का आयोजन किया जायेगा. जिसमें एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों के साथ ही देश के विभिन्न बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों को बताया जायेगा कि आज के परिवेश में किस प्रकार से संघर्षों के बीच रास्ता बनाया जा सकता है. विराली मोदी खास तौर पर इस दौरान अपने मोटिवेशनल स्पीच के जरिये अपने अनुभवों से सभी को अवगत करायेंगी.

हर साल एक इवेंट का स्पांसर होगा एल्यूमिनाइ एसोसिएशन : एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्र सह एल्यूमिनाइ एसोसिएशन के चेयरमैन राणावीर सिन्हा ने कहा कि क्लासरूम स्टडी के साथ व्यवहारिक अनुभव जरूरी है. बिजनेस स्कूल एक स्ट्रक्चर उपलब्ध कराते हैं. उसका किस तरह उपयोग करना है यह छात्रों को सोचना चाहिए. उन्होंने इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में लीडरशिप एबिलिटी के साथ ही ऑर्गनाइजिंग एबिलिटी के विकास की बात कही. कहा कि अब भविष्य में जब कभी भी ऑन्सेंबल-वलहल्ला होगा तो एक्सएलआरआइ का एल्यूमिनाइ एसोसिएशन उसके एक इवेंट का स्पांसर होगा.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:4

एक्सएलआरआइ के पूर्व डायरेक्टर का निधन

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ के पूर्व निदेशक फादर रोमुआल्ड डिसूजा (93) का शुक्रवार को निधन हो गया. उन्होंने बतौर डायरेक्टर 1983 से 1989 तक सेवा दी थी. उनके निधन पर एक्सएलआरआइ में शोकसभा हुई जिसमें डायरेक्टर फादर क्रिस्टी व छात्र-छात्राओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:20

अब एक्सएलआरआइ बदल गया है हमारे टाइम इतने संसाधन नहीं थे

उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि अभिनेता आकाश खुराना ने कहा कि वे भी एक्सएलआरआइ के स्टूडेंट रह चुके हैं. लेकिन तब और अब के एक्सएलआरआइ में काफी बदलाव आ गया है. 70 के दशक में ऐसी आधारभूत संरचना नहीं थी. टाटा ऑडिटोरियम भी नहीं था. छोटे हॉल में कार्यक्रम होते थे, लेकिन एक्सएलआरआइ में उस वक्त भी मैनेजमेंट में एथिक्स का जिस प्रकार से समावेश था वह आज भी बरकरार है, यही इस संस्थान की खूबी है जो इसे दूसरे बिजनेस कॉलेज से अलग बनाती है. उन्होंने कहा कि यहां से मैनेजमेंट के जो गुर सीखा उसका फायदा न सिर्फ मनोरंजन की दुनिया बल्कि पर्सनल लाइफ में भी हुआ. अगर आज सफल हूं तो इसमें एक्सएलआरआइ का महत्वपूर्ण योगदान है. बताया गया कि आज कॉरपोरेट से लेकर हर क्षेत्र में आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस का दौर है. इस वजह से लोगों में यह संशय रहता है कि टेक्नोलॉजी के कारण कहीं उनका रोजगार छिन न जाये. उन्होंने कहा कि किसी भी कंपनी में टेक्नोलॉजी किसी को बेरोजगार नहीं बनायेगी. फर्क यही पड़ेगा कि लोगों के कार्य कौशल के तरीके बदल जायेंगे.

वलहल्ला व ऑन्सेंबल को कर दिया गया है मर्ज

एक्सएलआरआइ में ऑन्सेंबल व वलहल्ला दोनों अलग-अलग फेस्ट होता था. लेकिन विद्यार्थियों की सहूलियत व उनके पठन-पाठन पर ज्यादा असर न पड़े, इसी वजह से इसे मर्ज कर दिया गया है. 2017 से ही मर्ज किया गया है.

PUBLICATION:Prabhat Khabar

DATE:4 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE:7

एक्सएलआरआइ में ऑन्सेंबल-वलहल्ला का रंगारंग समापन

निखिल डिसूजा और डिवाइन के गानों पर झूम उठा यंगिस्तान

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में रविवार की शाम रंगीन रही. सर्द रात में खुले आसमां के नीचे जब प्लेबैक सिंगर निखिल डिसूजा बस की आकार में बसे स्टेज पर पहुंचे, तो बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों ने सीटी व तालियों से एक साथ उनका इस्तकबाल किया. इसके बाद एक के बाद एक गाने पर दिन भर इवेंट के बाद की थकान ना जाने कहां छू मंतर हो गयी और हर कोई थिरक उठा. निखिल ने एक से बढ़कर एक गानों से सभी का दिल जीत लिया. सबसे पहले निखिल ने बॉस फिल्म में गाये गाने हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में गाकर इंट्री ली, इसके बाद उन्होंने जन्नत 2 फिल्म में गाये तुझे सोचता हूं मैं शाम ओ सुबह, इससे ज्यादा तुझे और चाहूं तो क्या. इस गाने के बाद सभी ने अपनी सीटें छोड़ दी और सभी स्टेज के सामने आ गये. इसके बाद निखिल ने अपने गाने एक इंग्लिश गाने स्टॉप स्टेरिंग को ना सिर्फ खुद गाया बल्कि पूरे ऑडिटोरियम में बैठे करीब 1000 विद्यार्थियों से एक साथ गवाया भी. इसके बाद उन्होंने क्रुक फिल्म में मोहित चौहान द्वारा गाये गाने तुझको जो चाहा तो जीना आया.. गाया और माहौल बना दिया. इस गाने को एक्सलर्स ने सबसे ज्यादा पसंद किया, और वन्स मोर की डिमांड की. बैक टू बैक दर्जनों गाने निखिल ने गाये और हर किसी को अपना मुरीद बनाया.

सेंटर फॉर एक्सीलेंस तक लगी थी लाइन. कार्यक्रम रात के साढ़े आठ बजे शुरू हुई. लेकिन शाम छह बजे से ही शहर के यूथ आने शुरू हो गये थे. सभी को पास के जरिये इंट्री दी गयी थी. डिवाइन और निखिल डिसूजा का क्रेज ऐसा था कि यूथ अपने पसंदीदा सिंगर को सुनने के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस तक घंटों लाइन लगा कर खड़े रहे.

डिवाइन के पहुंचने से पहले लगे आजादी के नारे

रात करीब नौ बजे प्रसिद्ध रैपर डिवाइन स्टेज पर पहुंचते हैं. आने के बाद उन्होंने एक खिलाड़ी मेरे जंगली हैं, शॉट शॉट शॉट दे के गायब समेत कई अन्य रैप गाये. हालांकि उनके आने से पूर्व एक्सलर्स ने आजादी..आजादी के नारे भी खूब लगाये. हालांकि इस आजादी के नारे के बाद डिवाइन ने भी अपने द्वारा गाये गये आजादी सांग को पेश किया. जिसमें उन्होंने आज के यूथ को आजादी के मतलब भी बताये.

एक्सएलआरआइ बना ओवरऑल चैंपियन

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में पिछले तीन दिनों से चल रहे ऑन्सेंबल-वलहल्ला 2019 का समापन रविवार की शाम को हो गया. विभिन्न राउंड की प्रतियोगिता के बाद मेजबान एक्सएलआरआइ की टीम को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया. कई राउंड में दमदार प्रदर्शन के बाद रविवार की शाम इसकी घोषणा की गयी. एक्सएलआरआइ की टीम ने मनोरंजन के साथ ही खेलकूद में शानदार प्रदर्शन किया. इसके अलावा वॉलीबॉल के पुरुष व महिला दोनों ही वर्ग में एक्सएलआरआइ की टीम विजेता रही. साथ ही एक्सएलआरआइ की महिला टीम को बास्टेकबॉल चैंपियन का भी खिताब दिया गया. थ्रो बॉल एक्सआइएमबी ने, जबकि वीमेन टेबल टेनिस की विजेता एक्सएलआरआइ बनी. वीमेन क्रिकेट की चैंपियन एक्सआइएमबी, जबकि मेन बैडमिंटन का खिताब एक्सएलआरआइ ने जीता. टिस यूनिवर्सिटी के कबीर जोशी को सर्वश्रेष्ठ नेक्स्ट जेन अवार्ड दिया गया.

नॉलेज, स्पोर्ट्स व इंटरटेनमेंट का कॉकटेल

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में फ्लैगशिप इवेंट ऑन्सेंबल-वलहल्ला -19 के दूसरे दिन शनिवार को एक ओर जहां फ्यूचर लीडर की तलाश जारी रही, वहीं खेल, सांस्कृतिक व प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियों की भरमार रही. आयोजनों की निरंतरता के बीच सबसे बड़ा आकर्षण आइडिया समिट रहा. इसमें देश के प्रसिद्ध अभिनेता आकाश खुराना, मोटिवेशनल स्पीकर विराली मोदी, थिएटर व बॉलीवुड आर्टिस्ट शिशिर शर्मा व एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्र वरुण महाना ने हिस्सा लिया. करीब दो घंटे तक स्टूडेंट्स को करियर व व्यक्तित्व निर्माण से संबंधित उपयोगी जानकारी दी गयी. इसके अलावा 1.2 लाख नकद पुरस्कार राशि वाली द नेक्स्ट जेन लीडर प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों का आयोजन किया गया. फ्यूचर लीडर प्रोग्राम के तहत नेतृत्व कौशल की क्षमता का आकलन किया गया. दूसरे दिन सोलो डांस, कविशाला, स्टेज प्लस कंपीटीशन में स्टूडेंट्स ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. नुक्कड़ नाटक में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था. दूसरे दिन फ्लैगशिप इवेंट के कई आयोजन फाइनल स्टेज तक पहुंच चुके हैं, तो वहीं कुछ गतिविधियों की शुरुआत भी की गयी. खेल गतिविधियों में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, टेनिस, फुटबॉल के लीग राउंड का आयोजन हुआ. शनिवार की शाम का आकर्षण बोधि ट्री, स्टूडेंट्स बैंड के अलावा पोकर नाइट रहा.

भारत आने के बाद हो गया लकवा, लेकिन बनी मिस व्हीलचेयर की रनर अप : मोटिवेशनल स्पीकर विराली मोदी ने कहा कि उनका जन्म अमेरिका में हुआ था. वर्ष 2006 में भारत आयी थीं, लेकिन जब यहां से वापस लौटी तो पाया कि वह ऐसी बीमारी की चपेट में आ चुकी हैं, जिसे डॉक्टर पहचान नहीं पा रहे थे. बताया कि मैं स्कूल में थी और एक दिन मुझे सिरदर्द हुआ. बाद में उसी दिन तेज बुखार भी हो गया. अस्पताल ले जाया गया और उन लोगों ने एक के बाद एक बहुत से टेस्ट किये. मैं कोमा में चली गयी थी, जब कोमा से बाहर आयीं, तो पाया कि गर्दन के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो चुका है. वर्ष 2008 में विराली स्टेम सेल से ट्रीटमेंट के लिए दोबारा भारत आयी, तो पता चला कि उन्हें ट्रांस्वर्स मायलिटिस है. यह एक न्यूरोलॉजिकल अवस्था है, जिसमें रीढ़ की हड्डी में सूजन आ जाती है और नर्व फाइबर्स क्षतिग्रस्त हो जाते हैं. इस लकवा होने से पहले उन्होंने मॉडलिंग व ऐक्टिंग की क्लासेस ले रखी थीं. विराली ने बताया कि लकवे के बाद मेरा दिल उदास जरूर हुआ, लेकिन एक पल के लिए भी यह नहीं लगा कि अब सब खत्म हो गया है. इसके बाद वर्ष 2014 के मिस व्हीलचेयर प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिला और रनर अप बन गयी. इसके बाद धीरे-धीरे जीवन ने एक आकार लेना शुरू किया और कई कार्यों को एक साथ कर रही हूं. उन्होंने कहा कि ट्रेनों में दिव्यांगों के लिए अलग से सुविधा देने के लिए उन्होंने कैंपेन चलाया, जिसका असर भी हुआ. प्लेटफॉर्म पर रैंप बनने लगे. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अगर इच्छा शक्ति हो, तो फिर कोई भी कार्य असंभव नहीं है.

जीवन में आप जिसे एव्वाइड कर निकलते हो रास्ते में वे ही मिल जायेंगे. अभिनेता आकाश खुराना ने कहा कि मैंने पहले इंजीनियरिंग की, फिर एक्सएलआरआइ से एमबीए किया. उसके बाद टिस से पीएचडी व एमफिल किया, लेकिन वास्तव में करना तो एक्टिंग था, लेकिन इसके लिए खुद को तैयार करने के साथ ही घर परिवार के लोगों को मनाया. उन्होंने कहा कि आप जो कुछ भी चाहते हैं, उसे पहले सोचो, बैठो फिर डिसाइड करो और जब वो डिसाइड हो जाये, तो उसके बाद रुको नहीं.

अक्सर लोग बोलते हैं कि अब तो देर हो गयी, लेकिन कभी देर होती नहीं : शिशिर शर्मा. प्रसिद्ध कलाकार शिशिर शर्मा ने कहा कि अक्सर लोग यह कहते हुए मिलेंगे कि अब तो देर हो गयी, लेकिन वे लोग ही पांच साल के बाद ये कहेंगे कि काश तब शुरू कर लिया होता, तो ठीक रहता. उन्होंने कहा कि उनके पिता बड़े बिजनेस मैन थे. वे चाहते थे कि बिजनेस में हाथ बटाऊं, लेकिन उन्होंने मेरा इंट्रेस्ट देखा. मैंने 70 के दशक में एक थियेटर किया था, जिसे उन्होंने देखने के बाद वे आये और 70 के दशक में पार्टी करने के लिए 10,000 रुपये दिया था. उसके बाद आज सारे लोग मेरे निर्णय से खुश हैं.

पहला स्टेप लेने में ही होती है कठिनाई : वरुण. एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्र वरुण महाना ने कहा कि जीवन में अक्सर जब आप कोई पहला स्टेप लेते हैं, तो उस समय जो कठिनाई होती है, वह फिर कभी नहीं होती है.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:8 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

एक्सएलआरआइ में दो दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव इ कैफे 9 व 10 नवंबर को

टॉप बिजनेस प्लान बनाइये, मिलेगा 45,000 रुपये व सिंगापुर का टिकट

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में दो दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव इ कैफे-2019 का आयोजन नौ और दस नवंबर को होगा. इसका उद्घाटन डीसी रवि शंकर शुक्ला करेंगे. यह जानकारी एक्सएलआरआइ में आयोजित स्टार्टअप कॉन्क्लेव इ कैफे के सदस्य दिशेद एम ने दी. उन्होंने बताया कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन एक्सएलआरआइ, इंटरप्रेन्योर कैफे, इ सेल व एक्सीड के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है. इसका मकसद युवा उद्यमियों को औद्योगिक परिवेश की जानकारी उपलब्ध कराना एवं उद्यमिता का विकास करना है. इसमें उद्यम के लिए अवसर और चुनौतियों संबंधी जानकारी साझा की जायेगी. इस कॉन्क्लेव में स्टार्टअप उद्यमियों के उत्पादन संबंधी चुनौतियों पर आइआइटी खड़गपुर के विशेषज्ञ और मैनेजमेंट एवं विपणन संबंधी चुनौतियों पर परामर्श एक्सएलआरआइ इ-सेल की टीम देगी. साथ ही शहर के विभिन्न स्कूल व कॉलेजों के विद्यार्थियों को स्टार्टअप के प्रति रुझान पैदा करने के लिए खास तौर पर इंडिया मार्ट के को फाउंडर ब्रजेश अग्रवाल व एंटी लांग वेकेशंस के फाउंडर अभिषेक जायसवाल भी शामिल होंगे. ये दोनों स्टार्टअप से जुड़े अपने अनुभवों से सभी को अवगत कराने के साथ ही विद्यार्थियों के सवालों का जवाब भी देंगे. इसमें आइआइटी खड़गपुर के साथ ही एनआइटी जमशेदपुर के विद्यार्थी भी शामिल हो रहे हैं.

ब्रजेश अग्रवाल

अभिषेक जायसवाल

मीडिया पार्टनर की भूमिका में होगा प्रभात खबर

विद्यार्थी इनोवेटिव स्टार्टअप को करीब से देख सकेंगे

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान इस बार पहली बार एक्सएलआरआइ के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के साथ ही ऐसे विद्यार्थी जो फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं लेकिन उनके पास स्टार्टअप को लेकर कुछ इनोवेटिव आइडिया है, इस प्रकार के विद्यार्थियों के लिए खास तौर पर एक स्टॉल लगाया जायेगा. जहां शहर के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थी जाकर उस इनोवेटिव स्टार्टअप को देख सकेंगे. साथ ही यह जन सकेंगे कि किस प्रकार कम लागत से बड़ा मुनाफा कमाया जा सकता है.

टॉप बिजनेस आइडिया दीजिए मिलेगा अवार्ड

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के शुरू होने के पूर्व ही आयोजन समिति की ओर से देश के विभिन्न बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों के बीच ऑनलाइन आइडिया समिट हुआ था. जिसमें कई बिजनेस स्कूलों ने हिस्सा लिया. लेकिन अंतिम रूप से आइआइएम रांची समेत कुल छह टीमों का चयन किया गया है. उक्त सभी बिजनेस स्कूल की टीम नौ नवंबर को एक्सएलआरआइ परिसर में अपने-अपने बिजनेस आइडिया को किस प्रकार धरातल पर उतार कर उसका सफलता पूर्वक एजीक्यूशन किया जा सकता है, इससे संबंधित आइडिया पेश करेंगे. उनके आइडिया को जांचने के लिए एक्सएलआरआइ के दो प्रोफेसर जज के रूप में उपस्थित रहेंगे. विजेता को 45,000 रुपये के साथ ही सिंगापुर का राउंड ट्रिप दिया जायेगा. उप विजेता को नकद 25,000 की राशि दी जायेगी.

स्कूल व कॉलेज के बच्चों के बीच होगा क्विज : 10 नवंबर को शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों के साथ ही कॉलेजों के विद्यार्थियों के बीच एक स्टार्टअप क्विज होगा. जिसमें पहले राउंड में कुल 30 विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा. इसके बाद दूसरे राउंड में कुल आठ बच्चों का चयन किया जायेगा. जो 10 नवंबर की शाम को उपायुक्त के समक्ष अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. सफल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 11 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ में स्टार्टअप कॉन्क्लेव इ कैफे का समापन, मीडिया पार्टनर की भूमिका में रहा प्रभात खबर

स्टार्टअप को सस्टेन करना अधिक महत्वपूर्ण

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में दो दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव इ कैफे-2019 का समापन रविवार की शाम को कर दिया गया. इससे पूर्व रविवार की सुबह टाटा ऑडिटोरियम में एक टॉक का आयोजन किया गया. जिसमें रिसोर्स पर्सन इंडिया मार्ट के को फाउंडर ब्रजेश अग्रवाल व एंटी लांग वेकेशंस के फाउंडर अभिषेक जायसवाल उपस्थित थे. दोनों ने शहर के स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों को स्टार्टअप से जुड़े कई नुस्खे बताये. उन्होंने बताया कि स्टार्टअप शुरू करने से अधिक महत्वपूर्ण है उसे सस्टेन करना. कार्यक्रम के दौरान एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी के साथ ही कई अन्य प्रोफेसरों ने भी हिस्सा लिया.

स्टूडेंट्स व यूथ को रिजेक्शन से सीखना चाहिए : डीसी

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के समापन के मौके पर ऑनलाइन आइडिया समिट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया गया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला उपस्थित थे. उन्होंने अपने संबोधन में स्टार्टअप कॉन्क्लेव की सराहना की. कहा कि स्टूडेंट या फिर युवाओं को अपने रिजेक्शन से सीखने की जरूरत है. स्टार्टअप हो या फिर किसी भी क्षेत्र में एक दिन में ही सफलता हाथ नहीं लगती. कई बार असफल होना पड़ता है. हर असफलता से सीखने की आवश्यकता है.

लोयोला के अमितेश झा की आइडिया को सर्वश्रेष्ठ अवार्ड

लोयोला स्कूल के 10वीं के छात्र अमितेश झा की बिजनेस आइडिया को सर्वश्रेष्ठ बिजनेस प्लान आइडिया अवार्ड से नवाजा गया. अमितेश ने प्राइवेट ट्यूशन के स्थान पर एक एप लांच किया. इस एप के माध्यम से आसानी से सभी प्रकार की पाठ्य सामग्री विद्यार्थियों को मिल सकती है. कार्यक्रम के दौरान सिर्फ बिजनेस आइडिया ही नहीं बल्कि यह एप किस प्रकार से कार्य करेगा, इसे भी प्रस्तुत करना पड़ा. जिसके बाद अमितेश को नकद 45,000 रुपये का पुरस्कार मिला. साथ ही उसे सिंगापुर ट्रिप पर भी भेजा जायेगा. दूसरे स्थान पर केरला समाजम मॉडल स्कूल की 11वीं की छात्रा प्रियंका सिन्हा रहीं. प्रियंका ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट पर पूरे सिलेबस को अपलोड कर स्कूल के बस्ते के बोझ को कम किया जा सकता है. उन्हें 25,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला. फाइनल में कुल आठ विद्यार्थियों का चयन किया गया था. सभी को आइआइटी खड़गपुर का भ्रमण कराया जायेगा.

डीसी ने किया स्टॉल का भ्रमण : स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान इस बार पहली बार एक्सएलआरआइ के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के साथ ही ऐसे विद्यार्थी जो फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं लेकिन उनके पास स्टार्टअप को लेकर कुछ इनोवेटिव आइडिया है, उनके लिए खास तौर पर एक स्टॉल लगाया गया था. इस स्टॉल का भी डीसी ने अवलोकन किया.

स्टार्टअप के लिए कोई फिक्स फार्मूला नहीं होता : अग्रवाल

टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इंडिया मार्ट के को फाउंडर ब्रजेश अग्रवाल ने कहा कि उनका जन्म एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था. घर में 57 सदस्य एक साथ रहते थे. पढ़ाई को लेकर घर में माहौल था, लेकिन उसे लेकर कोई टेंशन लेने वाली स्थिति नहीं थी. वर्ष 1994 में उनके एक परिचित का देहांत हो गया था. देहांत के बाद परिजनों ने बताया कि उनके पास एक लाख रुपये का शेयर था. उस शेयर को आखिर कैसे बेचा जाये, इसे पता करने के लिए 20 वर्षीय ब्रजेश व 26 वर्षीय उनके भाई करीब 15 दिनों तक घूमते रहे. पता करते रहे कि आखिर किस प्रकार से उनका शेयर बिकेगा. लेकिन एक बार लंदन में रहने वाले उन्होंने अपने एक परिचित को फोन किया, और अपनी समस्या बतायी. कहा कि उन्हें उनके शेयर को बेचना है. उस वक्त इंटरनेशनल कॉल के प्रति मिनट 100 रुपये लगते थे. लेकिन 15 सेकेंड में ही दूसरी ओर फोन पर शेयर बेचने से संबंधित एक-एक जानकारी दे दी गयी. उसी दिन सोचा कि कुछ ऐसा करूंगा जिससे लोगों की समस्याओं का चुटकी में समाधान हो जाये. उसके बाद एक अप्रैल 1996 को इंडिया मार्ट की स्थापना की. भारत में 15 अगस्त 1995 को इंटरनेट आयी. जिस वक्त इसकी स्थापना की थी उस वक्त भारत में सिर्फ 500 लोगों को इंटरनेट का कनेक्शन मिला था. करीब छह माह तक हर दिन सैकड़ों लोगों के पास जाते उसे बिजनेस प्लान समझाते, लेकिन कोई बिजनेस ही नहीं मिला. थक हार कर एक दिन अपने दादा को फोन किया और बताया कि अब बहुत हो गया, वापस आना है. इसी बीच दादा ने दो सवाल किया. पूछा कि तुम जो बिजनेस करते हो क्या उससे किसी को फायदा होगा, तो मैंने कहा कि हां होगा. उसके बाद कहा कि तुम कह रहे हो कि फायदा होगा तो क्या तुम जिसे कहते हो कि उन्हें फायदा होगा, वो भी ऐसा सोचते हैं? जिस दिन सामने वाला यह सोचने लगेगा कि उन्हें फायदा होगा, उस दिन से कस्टमर की कोई कमी नहीं होगी. साथ ही यह भी हिदायत दी कि वापस मत आना. इस दिन के बाद से लगे रहे और आज इंडिया मार्ट हजारों करोड़ का बिजनेस कर रही है.

ब्रजेश अग्रवाल ने दिये ये टिप्स

- आप अगर कोई भी स्टार्टअप पैसे व फेम पाने के लिए शुरू करते हैं तो इसमें मत आइये. क्योंकि इसमें कुछ भी अपने हाथ में नहीं होता है.
- **किसी स्टार्टअप के लिए गुड व परफेक्ट स्ट्रेटेजी नहीं होती है. समय-समय पर इसमें बदलाव की जरूरत होती है. कोई भी स्टार्टअप जिंदगी भर नहीं परफेक्ट होगा.**
- स्टार्टअप शुरू करने से पहले विचार करें कि क्या इससे किसी को फायदा होगा.
- **मार्केट में जायें, 100 लोगों से बात करें. अगर वे भी आपकी आइडिया से कन्विंस हैं तो शुरू हो जायें.**
- शुरू में ज्यादा उधार लेने से परहेज करें.

लोयोला स्कूल के 10वीं के छात्र अमितेश झा की बिजनेस आइडिया को सर्वश्रेष्ठ बिजनेस प्लान आइडिया अवार्ड से नवाजा गया वहीं दूसरे स्थान पर केरला समाजम मॉडल स्कूल की 11वीं की छात्रा प्रियंका सिन्हा रही.

गूगल 20वां सर्च इंजन था, लेकिन देखिये कि कैसे रहा सफलता का ग्राफ : अभिषेक जायसवाल

कार्यक्रम के दौरान एंटी लॉग वेकेशंस के फाउंडर अभिषेक जायसवाल ने सभी को स्टार्टअप शुरू करने से जुड़ी अपनी आपबीती बतायी. उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए कभी कोई फिक्स फार्मूला नहीं होता है. अगर स्टार्टअप शुरू करना है तो मैग्जीन, पेपर व टीवी में दी जाने वाली कहानियों पर भरोसा न करें. अपने दिमाग का इस्तेमाल करें. उन्होंने कहा कि जब उन्होंने स्टार्टअप शुरू किया तो कम से कम 100 वीसी से मिला. उन्हें अपने बिजनेस आइडिया को बताया, लेकिन कोई इंट्रेस्ट ही नहीं लेता. दुबारा फोन भी करता तो फोन भी नहीं रिसीव करता था. लेकिन अपनी स्ट्रेटजी में आंशिक बदलाव किया, जिसके बाद लगातार मेहनत करता रहा और आज करीब 650 करोड़ की कंपनी है.

अभिषेक जायसवाल ने दिये ये टिप्स

- अगर आप टेक्नोलॉजी नहीं जानते हैं तो स्टार्टअप शुरू करना मुश्किल है. इसकी हमेशा जरूरत पड़ेगी. अगर स्टार्टअप शुरू करना है तो टेक्नोलॉजी का प्रीप्रेटरी कोर्स जरूर करें.
- **अपने फर्म का नाम, डोमेन का नाम जरूर रजिस्टर्ड करें. जीएसटी फाइल करें.**
- स्टार्टअप शुरू करने के लिए आपको बैलेंस शीट की जानकारी जरूर हो. डेबिट-क्रेडिट का काम करते वक्त यह जानना जरूरी है.
- **कइ बार लोग सोच-सोच कर स्टार्टअप शुरू नहीं करते हैं. इंडिया बड़ा देश है यहां जहर भी बेचेंगे तो बिक जायेगा, अगर प्लान कर लिया तो स्टार्ट जरूर करें.**
- बैंकिंग सिस्टम की जानकारी जरूर हो. स्टार्टअप शुरू करने से पूर्व अपने आस-पास के बैंक जरूर जायें. चाइना में स्टार्टअप शुरू करने के लिए बैंक मदद करने में पांच मिनट लगाती है, यहां एक साल लग जाते हैं.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 12 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ. द फ्यूचर वर्क थीम पर आयोजित सेमिनार में बोलीं डग्मार वाल्टर

ह्यूमन रिसोर्स में करें इन्वेस्टमेंट ताकि सभी पाएं सोशल जस्टिस

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के 100 साल पूरे होने के अवसर पर सोमवार को एक सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि आइएलओ की साउथ एशिया की डायरेक्टर डग्मार वाल्टर ने एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर उन्होंने कि बदलते दौर में लेबर ऑर्गेनाइजेशन का महत्व बढ़ गया है. अब टेक्नोलॉजी का जमाना है. इस दौर में कई प्रकार की चुनौतियां सामने आ रही हैं. इसमें भावी मैनेजरों का योगदान अहम है. उन्हें क्लाइमेट चेंज से लेकर टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन समेत कई अन्य चुनौतियों से निबटना होगा. बिजनेस स्कूल में पढ़ाई कर रहे भावी मैनेजरों की यह जिम्मेवारी होनी चाहिए कि सोशल जस्टिस के साथ कोई छेड़छाड़ न हो. इसके लिए जरूरी है कि ह्यूमन रिसोर्स में सही प्रकार से इन्वेस्टमेंट हो. क्योंकि कालांतर में यही वह सेक्टर है जिसमें अधिक काम करने की आवश्यकता है. मौके पर उन्होंने बिजनेस स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को स्किल, वैल्यू, विजन के साथ ही कई अन्य जरूरी बातों से भी अवगत कराया. एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी ने कहा कि यह काफी सुखद अनुभव है कि एक्सएलआरआइ आइएलओ जैसे संस्थान के साथ लंबे समय से जुड़ा हुआ है. उन्होंने आइएलओ की ओर से मानवाधिकारों के लिए किये जाने वाले कार्यों की सराहना की. मौके पर काफी संख्या में बिजनेस मैनेजमेंट व ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के विद्यार्थी उपस्थित थे.

- विद्यार्थियों ने जाना स्किल, वैल्यू और विजन

एक्सलर्स को दी गयी ड्रामा व स्टोरी टेलिंग की जानकारी

एक्सएलआरआइ में सोमवार से दो दिवसीय ड्रामा व स्टोरी टेलिंग फेस्ट का आयोजन किया गया. जिसमें यूएसए के होनोलूलू थियेटर फॉर यूथ के प्रतिनिधि डेनियल एलिन केलीन ने हिस्सा लिया. मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार से स्टोरी टेलिंग व ड्रामा के माध्यम से बड़ी से बड़ी बातों को आसानी से दूसरे लोगों तक पहुंचाया जा सकता है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 15 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

एक्सएलआरआइ. वोटर जागरूकता के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला, बोले डीसी

मतदान करें व दूसरे को भी प्रेरित करें

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ सभागार में गुरुवार को स्वीप कोषांग की ओर से मतदाता जागरूकता के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों के उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रवि शंकर शुक्ला ने कहा कि हम स्वयं भी मतदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, यह हमारी संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है. इस दौरान उन्होंने सी-विजिल एप, क्यू मैनेजमेंट एप, वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 के संबंध में जानकारी दी. कहा कि स्वयंसेवक के संज्ञान में किसी प्रकार चुनाव को प्रभावित करने की घटना आती है, तो इसकी शिकायत अविलंब संबंधित पदाधिकारी व सी-विजिल एप के माध्यम से करें और एक सतर्क नागरिक का कर्तव्य निभायें.

वहीं, एसएसपी अनूप बिरथरे ने कहा कि पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को एक अलग प्रकार की अनुभूति होती है, जब हम पहली बार मतदान करते हैं, तो लोकतंत्र के निर्माण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. साथ ही हमें देश के प्रति अलग जिम्मेवारी का भाव पैदा होता है. एनएसएस स्वयंसेवकों को कोल्हान विवि की कुलपति डॉ शुक्ला मोहंती ने भी संबोधित किया. डॉ शुक्ला मोहंती ने मतदाता जागरूकता अभियान के लिए बनाये गये दो गीतों का लोकार्पण किया. कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान संबंधित जानकारी दी गयी. कार्यक्रम के आयोजन में जिला योजना पदाधिकारी सह स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी अजय कुमार और स्वीप कोषांग की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी.

वोटर जागरूकता कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करती कोल्हान विवि की वीसी डॉ शुक्ला मोहंती व उपस्थित अन्य अतिथि.

सभी कलस्टर में मूलभूत सुविधाएं बहाल करने का निर्देश

जमशेदपुर. विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को मानगो नगर निगम कार्यालय में कार्यपालक पदाधिकारी दीपक सहाय की अध्यक्षता में सेक्टर ऑफिसर व कलस्टर ऑफिसर की बैठक हुई. इसमें कार्यपालक पदाधिकारी ने पांच दिसंबर तक सभी कलस्टर में मतदान कर्मियों के लिए कंबल, गद्दा, पानी आदि जैसे मूलभूत सुविधाओं और सभी बूथों पर जेनरेटर, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट आदि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा.

साथ ही दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर रैंप की व्यवस्था 16 नवंबर तक कराने का निर्देश दिया. बैठक में नगर मिशन प्रबंधक निर्मल कुमार, नगर प्रबंधक निशांत कुमार आदि मौजूद थे.

घाटशिला के प्रेक्षक बदले पूर्वी व पश्चिम के 16 को आयेंगे

जमशेदपुर. चुनाव आयोग ने घाटशिला विधानसभा के सामान्य प्रेक्षक (जनरल ऑब्जर्वर) को बदल दिया है. 2006 बैच के आइएएस यादव मंडल को घाटशिला का सामान्य प्रेक्षक बनाया था. उनके स्थान पर 2003 बैच के आइएएस थांसी देंदुप शेरपा को नया सामान्य प्रेक्षक बनाया गया है. सभी सामान्य प्रेक्षक नामांकन के अंतिम दिन 18 नवंबर को आयेंगे, हालांकि जमशेदपुर पूर्वी व पश्चिम विधानसभा के सामान्य प्रेक्षक 1994 बैच के आइएएस पार्थ सारथी सेन गुप्ता 16 नवंबर को जमशेदपुर आयेंगे.

डीटीओ के नेतृत्व में क्यू मैनेजमेंट एप सेल बना

जमशेदपुर. उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रवि शंकर शुक्ला ने जमशेदपुर पूर्वी एवं पश्चिम विधानसभा में इस्तेमाल होने वाले क्यू मैनेजमेंट एप के क्रियान्वयन के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी दिनेश कुमार रंजन के नेतृत्व में सेल बनाया है. सेल में तीन पदाधिकारी और कर्मचारी को रखा गया है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 17 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ में दो दिवसीय सिग्नस 2019 का आयोजन

2020 तक दुनिया में 24 खरब से अधिक इंटरनेट से जुड़ी डिवाइस होंगी

लाइफ रिपोर्टर@ जमशेदपुर

700 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

इंटरनेट ऑफ थिंग्स नेटवर्किंग ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बना दिया है. इंटरनेट ऑफ थिंग्स के जरिये आपका एक डिवाइस आपके घर, किचन के साथ ही अन्य जगहों पर मौजूद अन्य डिवाइसेज को कमांड देता है. इस तरह से एक डिवाइस को इंटरनेट के साथ लिंक कर के बाकी डिवाइसेज से अपने अनुसार कुछ भी कार्य करवाया जा सकता है. जमशेदपुर में बैठ कर ही अगर खड़गपुर में किसी कंपनी में बेहतर तरीके से वेल्डिंग किया जाना है तो उसे भी यहीं से कमांड देकर किया जा सकता है. इस टेक्नोलॉजी ने सैन्य क्षेत्रों भी भारत के साथ ही अन्य देशों की ताकत को बढ़ाया है. उक्त बातें आइआइटी खड़गपुर के एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी के सीओइ सूरज्या के पॉल ने कही. वे एक्सएलआरआइ में आयोजित दो दिवसीय सिग्नस 2019 में एक्सएलआरआइ के बिजनेस मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के साथ ही जीएमपी के विद्यार्थियों के साथ ही शहर के अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे. मौके पर उन्होंने कहा कि आइआइटी खड़गपुर में आइओटी पर कई केस स्टडी किया जा रहा है. इस दौरान उन्होंने कहा कि अब टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है. स्मार्ट फोन, एलइडी, स्मार्टवॉच से आगे बढ़ कर अब यह स्मार्ट टेक्नोलॉजी की ओर आगे बढ़ रहा है. इस दौरान बताया गया कि एक कार बीमा कंपनी अपने पालिसी धारकों को सेंसर के माध्यम से किसी ऐसे क्षेत्र में बढ़ने से रोकने के साथ ही चेतावनी भी दे सकती है. भारत में अक्टूबर 2014 में इंटरनेट ऑफ थिंग्स के मसौदा नीति जारी की गयी थी. डिजिटल इंडिया स्मार्ट सिटी की परिकल्पना के साथ अप्रैल 2015 में कुछ संशोधनों के साथ इसे जारी किया गया है. इससे पूर्व कोलकाता के ग्रीन वेब सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर अरूप चक्रवर्ती ने भी कई अहम बातें बतायी. कहा कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स की मदद से सिक्योरिटी, गार्डनिंग, म्यूजिक, ऑटोमोबाइल, किचन सभी डिवाइसेज को एक-साथ कनेक्ट कर कई काम आसानी से किया जा सकता है. बताया गया कि जिस गति से आइओटी का दखल बढ़ रहा है उससे यह संभव है कि 2020 तक 24 अरब से अधिक इंटरनेट से जुड़ी डिवाइस दुनिया भर में होगी. साथ ही इस बात को भी स्पष्ट किया गया कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स की वजह से कंपनियों में कामगार की छंटनी नहीं हो सकती है. बल्कि उत्पादन बढ़ने के साथ ही उत्पाद को तैयार करने में एक्यूरेशी भी आयेगी. गुणवत्ता में भी सुधार होगा. रविवार को उक्त कार्यशाला का समापन किया जायेगा.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 18 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

विधानसभा चुनाव ● **आज जमशेदपुर पूर्वी से नामांकन करेंगे कांग्रेस प्रत्याशी**

विकास के मॉडल पर लड़ूंगा चुनाव : प्रो गौरव वल्लभ

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी से कांग्रेस के प्रत्याशी प्रो गौरव वल्लभ रविवार को जमशेदपुर पहुंचे. बिष्टुपुर स्थित तिलक पुस्तकालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे विकास के मॉडल पर चुनाव लड़ेंगे. मुख्यमंत्री राज्य के जिस विकास के मॉडल की बात करते हैं, उसकी बदहाली जनता देख चुकी है. पांच साल में सरकार 120 किमी सड़क नहीं बना पा रही है. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने क्या विकास किया है, केवल पांच प्वाइंट बता दें और उस आधार पर खुले मंच पर उनके साथ बहस कर लें. प्रो. वल्लभ ने कहा कि झारखंड में एक साल के भीतर 14,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिये जाते हैं. दूसरी ओर सरकार शराब बेचने को प्रोत्साहित करती है. क्या यही है सरकार के विकास का मॉडल? वे पिछले 18 साल से एक्सएलआरआइ में पढ़ा रहे हैं. अब उन लोगों को पढ़ाने का समय है, जिन्होंने आम जनता को बेवकूफ बनाया है. मौके पर जिलाध्यक्ष विजय खां, डॉ पारितोष कुमार, संजीव रंजन, धर्मेंद्र सोनकर, देविका सिंह, अपर्णा गुहा, फिरोज खान, धर्मेंद्र प्रसाद, सुरेश धारी, मंजीत आनंद समेत कई अन्य उपस्थित थे.

एमजीएम का कभी हाल नहीं जाना, निरीक्षण करने जाते हैं टीएमएच : शहर का एक मात्र सरकारी एमजीएम अस्पताल खुद बीमार है. मुख्यमंत्री ने पांच साल में सिर्फ एक बार निरीक्षण किया. टीएमएच जो महंगा व प्राइवेट अस्पताल है, वहां टाटा कंपनी खुद बेहतर इंतजाम करती है वहां अक्सर निरीक्षण करने पहुंच जाते हैं. एमजीएम अस्पताल में 164 बच्चों की मौत हो गयी, लेकिन मुख्यमंत्री का बयान तक नहीं आया. **आज सुबह 9.30 बजे बिरसानगर संडे मार्केट से निकलेगी जुलूस, शामिल होंगे आरपीएन सिंह** प्रो. वल्लभ सोमवार को नामांकन दाखिल करेंगे. सबसे पहले बिरसानगर स्थित संडे मार्केट में भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. इसके बाद बाइक जुलूस निकाल कर गोलमुरी पहुंचेंगे. गोलमुरी होते हुए वे भालुबासा जम्बू अखाड़ा स्थित बजरंग बली मंदिर में पूजा करेंगे. इसके बाद एसडीओ ऑफिस पहुंचेंगे. जहां अपना पर्चा दाखिल करेंगे. इसमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी आरपीएन सिंह समेत कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा व राष्ट्रीय जनता दल के कई वरीय नेता भी शामिल होंगे.

सुबह 10 बजे बिरसानगर संडे मार्केट से निकलेगी रैली, शामिल होंगे आरपीएन सिंह समेत कई वरीय नेता

बन्ना के नामांकन में जुटेंगे कांग्रेसी, जेएमएम व राजद समर्थक

जमशेदपुर पश्चिमी से कांग्रेस नेता बन्ना गुप्ता सोमवार को नामांकन करेंगे. सुबह नौ बजे वे और उनके समर्थक साकची आमबागान मैदान में जुटेंगे. यहां से अपने समर्थकों के साथ वे पैदल उपायुक्त कार्यालय पहुंचेंगे. इस दौरान उनके साथ प्रभारी आरपीएन सिंह भी रहेंगे.

टाटा हिटाची खड़गपुर शिफ्ट हो गया, केबल बंद, टायो बंद

प्रो. गौरव वल्लभ ने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य में निवेश व औद्योगिक विकास की बात करते हैं. लेकिन यहां स्थिति यह है कि जमशेदपुर से टाटा हिटाची कंपनी खड़गपुर शिफ्ट हो गयी. बंद पड़ी केबुल कंपनी की स्थिति जस की तस है. टायो कंपनी बंद है. टाटा मोटर्स में हर महीने ब्लॉक क्लोजर हो रहा है. आदित्यपुर क्षेत्र में करीब 700 कंपनियां बंद हो गयीं. हजारों मजदूर बेरोजगार हो गये. क्या यही सरकार के विकास का मॉडल है.

मालिकाना हक देने की बजाय घर-दुकान तोड़ दिये

प्रो वल्लभ ने कहा कि वे प्रतिदिन मुख्यमंत्री से एक सवाल करेंगे. यह सवाल जमशेदपुर पूर्वी की जनता का होगा. मुख्यमंत्री ने पहले कहा कि विधायक बनाओ, तब मालिकाना दिलाऊंगा. फिर कहा –मंत्री बनाओ, तो मालिकाना दिलाऊंगा. मंत्री बन गये, तो कहा कि शक्ति अभी कम है. मुख्यमंत्री बनाओ, तो पक्का मालिकाना दूंगा. जब मुख्यमंत्री बन गये, तो कह रहे कि मैंने तो ऐसा कहा नहीं था. टाटा लीज से काम चलाओ. जनता इस बार 25 साल का हिसाब लेगी.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 18 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ में खुला देश का पहला आइओटी लैब

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में पिछले दो दिनों से चल रहे इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर आधारित कार्यशाला का समापन रविवार को हो गया. रविवार को दिन भर विभिन्न रिसोर्स पर्सन के लेक्चर हुए, इसके बाद रविवार की शाम कैंपस में आइओटी लैब का उद्घाटन किया गया. लैब का उद्घाटन आइटीसी के डीजीएम (बिजनेस एक्सीलेंस) शैलेंद्र सिंह ने किया. इस लैब का इस्तेमाल टाटा स्टील समेत जमशेदपुर की विभिन्न कंपनियां अपने प्रॉब्लेम के सॉल्यूशन के लिए करेंगी. एक्सएलआरआइ में उद्घाटित आइओटी लैब देश का पहला लैब होगा जहां विभिन्न कंपनियां अपने प्रॉब्लेम को सॉल्व करने का प्रयास करेंगे. इससे पूर्व एक्सएलआरआइ में दिन भर लेक्चर का आयोजन किया गया, जिसमें आज के दौर में आइओटी की जरूरतों पर बल दिया गया. एलडी टू और स्लैब कास्टर के चीफ अक्षय खुल्लर ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि अब मोबाइल, स्मार्टफोन व स्मार्ट वॉच के आगे बढ़ कर आइओटी ने लोगों की सहूलियत को और ज्यादा बढ़ा दिया है.

अब दूर से ही एक कमांड देने पर इंडस्ट्री में कई बड़े काम पूरे परफेक्शन के साथ हो सकते हैं. साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि इस प्रकार के आयोजन का फायदा देश के इंजीनियरिंग सेक्टर के साथ ही मैनेजमेंट सेक्टर से जुड़े लोगों को भी हो सकता है. इस मौके पर आइओटी के इस्तेमाल से देश में इंडस्ट्रियल सेक्टर के विकास होने की संभावनाओं पर चर्चा की गयी. मौके पर शहर के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों के साथ ही एक्सआइएसएस, एक्सआइएमबी समेत कई अन्य बी स्कूल के विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया.

PUBLICATION: Prabhat Khabar

DATE: 20 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 1,11

जेट 2006 : मेरिट लिस्ट के बिना ही निकला था रिजल्ट, 37 अयोग्य अभ्यर्थी बन गये लेक्चरर

शकील अख्तर ▷ रांची

लेक्चरर नियुक्ति घोटाले की जांच के दौरान जेट-2006 में हुई गड़बड़ी का भी खुलासा हुआ है. इसके अनुसार झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने मेरिट लिस्ट बनाये बिना ही जेट-2006 का रिजल्ट प्रकाशित किया था. इसमें 191 अयोग्य उम्मीदवारों को सफल घोषित कर दिया गया था. बाद में जालसाजी कर इसमें से 37 को लेक्चरर भी बना दिया गया. सूची में तत्कालीन जेपीएससी सदस्य गोपाल प्रसाद के भाई विवेकानंद सिंह और शांति देवी की बहन कांति कुमारी भी शामिल है. ● बाकी पेज 11 पर

गोलमाल. लेक्चरर नियुक्ति घोटाले की जांच के दौरान हुआ खुलासा

पकड़ी गयी गड़बड़ी

- जेट-2006 में सफल घोषित किये गये 676 उम्मीदवारों में से 191 उम्मीदवार अयोग्य थे
- **रिजल्ट में जालसाजी कर इन अयोग्य उम्मीदवारों में से 37 को लेक्चरर बना दिया गया**
- तत्कालीन जेपीएससी सदस्य गोपाल प्रसाद के भाई व शांति देवी की बहन को भी मिली नौकरी

नहीं हुई थी कॉपियों की कोडिंग

जेट-2006 से जुड़े दस्तावेज की जांच में पाया गया कि मूल्यांकन के लिए भेजी गयी कॉपियों की कोडिंग नहीं की गयी थी. नियमानुसार बिना कोडिंग की कॉपियां मूल्यांकन के लिए नहीं भेजी जा सकती हैं. जेपीएससी ने जेट-2006 परीक्षा के लिए नियम बनाया था कि जो उम्मीदवार पेपर-1 की परीक्षा में शामिल नहीं होगा, उसे पेपर-2 और पेपर-3 की परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जायेगा. पेपर-3 की कॉपियों का मूल्यांकन उन्हीं उम्मीदवारों का होगा, जो पेपर-1 और पेपर-2 में पास मार्क्स लायेंगे. हालांकि, आयोग ने अपने ही नियमों का उल्लंघन करते हुए वैसे उम्मीदवारों के पेपर-3 की कॉपियों का मूल्यांकन किया, जो पेपर-1 और पेपर-2 में पास मार्क्स नहीं ला सके थे.

अयोग्य उम्मीदवारों का ऐसे पता चला

सीबीआइ जांच के दौरान इसकी जानकारी मिली कि जेपीएससी के पास जेट-2006 परीक्षा के पेपर-1 और पेपर-2 की ओएमआर शीट नहीं है. जेपीएससी ने जांच के लिए सीबीआइ को सिर्फ पेपर-3 में उम्मीदवारों को मिले नंबरों का ब्योरा दिया. इस पर मूल्यांकन करनेवाले परीक्षकों और को-ऑर्डिनेटर के हस्ताक्षर थे. जांच में पाया गया कि जेपीएससी ने प्रारंभिक जांच शुरू होने के दौरान नये सिरे से मेरिट लिस्ट बनायी. इस मेरिट लिस्ट की जांच में पाया गया कि जेपीएससी ने जेट- 2006 में जिन 676 उम्मीदवारों को सफल घोषित किया था, उनमें से 191 अयोग्य थे.

37 अयोग्य उम्मीदवारों की सूची : पेज 11

जेपीएससी

सीमित उप समाहर्ता परीक्षा स्थगित

रांची. जेपीएससी ने 23 नवंबर को होनेवाली प्रथम सीमित उप समाहर्ता परीक्षा स्थगित कर दी है. आयोग के सचिव ने इसकी सूचना दी. उन्होंने कहा है कि परीक्षा अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक स्थगित कर दी गयी है. अगली तिथि की जानकारी दी जायेगी. इस परीक्षा में वैसे अभ्यर्थी भी शामिल हो रहे हैं, जिनकी चुनाव में ड्यूटी दी गयी है. इससे अभ्यर्थी परेशान हैं. ● बाकी पेज 11 पर

जेटेट 2006: मेरिट लिस्ट...

सीबीआइ जांच के दौरान इसका खुलासा हुआ है कि जेपीएससी ने जेट-2006 का रिजल्ट 13 जनवरी 2007 को जारी किया. इसमें कुल 767 उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया था. तत्कालीन अध्यक्ष गोपाल प्रसाद सिंह व परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह के निर्देश पर रिजल्ट प्रकाशित किया गया था. हालांकि, एलिस उषा रानी सिंह ने नौ मार्च 2007 को विभाग को मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश दिया. लेकिन इससे पहले ही आयोग ने बिना मेरिट लिस्ट के रिजल्ट निकाल दिया था. तत्कालीन सदस्य गोपाल प्रसाद सिंह जेट-2006 परीक्षा सेल के चेयरमैन थे.

जेट-2006 में फेल फिर भी लेक्चरर बने

नाम	विषय	पास मार्क्स	मिले
जितेंद्र मुंडा	हिंदी	105	102
सुविता बारा	हिंदी	105	93
सुप्रभा टूटी	हिंदी	105	93
भारती कुमारी	हिंदी	105	95
अमिताभ भारती	इकोनॉमिक्स	122	112
अंजु पुष्पा बा	इकोनॉमिक्स	113	111
रघुवेंद्र सिंह	अंग्रेजी	119	100
ममता केरकेट्टा	अंग्रेजी	100	91
भीम राम	पॉलिटिकल साइंस	120	110
विनय कुमार	पॉलिटिकल साइंस	141	116
राजेंद्र सिंह	हिस्ट्री	142	129
कांति कुमारी	हिस्ट्री	113	112
असीम अनुपम	कॉमर्स	115	107
शशि किरण	एंथ्रोपोलॉजी	126	113
प्रदीप कुमार	जुलॉजी	99	96
गीतांजलि सिंह	बॉटनी	99	94
कमल किशोर सिंह	हिस्ट्री	142	130
शैलेंद्र कुमार सिंह	हिस्ट्री	141	116

नाम	विषय	पास मार्क्स	मिले
ममता कुजूर	इकोनॉमिक्स	114	111
अनमोल अमर बा	इकोनॉमिक्स	113	101
गणेश कुमार राम	इकोनॉमिक्स	113	107
सुमन कुमार	इकोनॉमिक्स	122	111
प्रकाश चंद्र दास	पॉलिटिकल साइंस	120	117
मनीष कुमार दुबे	जुलॉजी	115	108
बालेश्वर राम	हिंदी	105	100
शत्रुघ्न पांडेय	हिस्ट्री	142	128
विवेकानंद सिंह	हिस्ट्री	142	131
मनोष पांडेय	अंग्रेजी	119	108
विजय आइंद	अंग्रेजी	100	89
अनीता आलदा	अंग्रेजी	100	96
मनीष दयाल	अंग्रेजी	119	117
हीरा लाल रविदास	इकोनॉमिक्स	113	100
अजय बहादुर सिंह	पॉलिटिकल साइंस	141	108
राजेंद्र बड़ाइक	पॉलिटिकल साइंस	120	119
जितेंद्र हरिजन	पॉलिटिकल साइंस	120	110
संजीव कुमार	हिस्ट्री	100	96

PUBLICATION: Prabhat Khabar

DATE: 22 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 19

एक्सएलआरआइ. 72 केंद्रों पर एक लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

360 सीटों पर एडमिशन के लिए टेस्ट पांच जनवरी को

- **जैट के स्कोर के आधार पर 150 बिजनेस स्कूलों में उम्मीदवार ले सकेंगे एडमिशन**
- **पहली बार एक्सएलआरआइ दिल्ली कैंपस में भी एडमिशन शुरू होगा**

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में एडमिशन के लिए जैट की परीक्षा अंतिम चरण में है. पिछले 60 सालों से सफलता पूर्वक जैट का आयोजन किया जा रहा है. इस परीक्षा के माध्यम से 150 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन मिल सकेगा. जैट के जरिये निकल कर सामने आने वाले अभ्यर्थियों को एक्सएलआरआइ में तराश कर फ्यूचर लीडर तैयार किया जाता है.

-फादर पी क्रिस्टी, डायरेक्टर, एक्सएलआरआइ

सामान्य ज्ञान की परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग नहीं

जैट 2020 में चार सेक्शन होगा. हर सेक्शन 25-25 अंकों में बंटा रहेगा. वर्बल एबिलिटी, रीडिंग कंप्रीहेशन व लॉजिकल रिजनिंग के सेक्शन में 25 अंकों के लिए कुल 27 सवाल पूछे जायेंगे. डिसिजन मेकिंग के सेक्शन में 25 अंकों के लिए कुल 22 सवाल होंगे. क्वांटिटिव एबिलिटी एंड डाटा इंटरप्रिटेशन के सेक्शन में भी 25 अंकों के लिए कुल 26 सवाल पूछे जायेंगे. जबकि जेनरल नॉलेज के सेक्शन के 25 अंकों के लिए कुल 25 सवाल पूछे जायेंगे. जैट परीक्षा आयोजन समिति के अनुसार तीन सेक्शन में नेगेटिव मार्किंग होगी. एक सवाल के गलत होने पर .25 अंक कटेगा. हालांकि जेनरल नॉलेज के सेक्शन में नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी.

जैट (जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट) 2020 की परीक्षा की तिथि तय कर दी गयी है. इस बार यह परीक्षा पांच जनवरी 2020 को हो रही है. इस परीक्षा के लिए देश व विदेश में कुल 72 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं. पिछले वर्ष की तरह ही इस बार भी यह परीक्षा ऑनलाइन होगी. परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर तय की गयी है. दिसंबर के अंतिम सप्ताह में जैट की परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड जारी किया जायेगा. पिछले साल की तरह इस बार भी इस परीक्षा में देश के करीब एक लाख उम्मीदवार हिस्सा लेंगे. लेकिन इनमें से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कुल 360 विद्यार्थियों को ही एक्सएलआरआइ जमशेदपुर में पढ़ने का मौका मिल सकेगा. लिखित परीक्षा के बाद ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू होगा. जीडी-पीआइ में भी शानदार प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवार को बिजनेस मैनेजमेंट की कुल 180 सीट व ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की कुल 180 सीटों पर एडमिशन मिल सकेगा. जैट के स्कोर के आधार पर अभ्यर्थी देश के करीब 150 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन ले सकेंगे. इस बार पहली बार एक्सएलआरआइ दिल्ली कैंपस में भी एडमिशन शुरू होगा. यहां भी जैट के स्कोर के आधार पर ही एडमिशन मिल सकेगा.

पैटर्न में हुआ है आंशिक बदलाव : इस बार जैट के पैटर्न में बदलाव कर किया गया है. अब इस परीक्षा में सिर्फ चार सेक्शन होंगे. इससे पूर्व जैट की परीक्षा में कुल पांच सेक्शन हुआ करते थे. जानकारी के अनुसार जैट 2020 में निबंध नहीं होगा. इससे पूर्व जैट की परीक्षा में हमेशा परीक्षार्थियों से निबंध लिखने को भी कहा जाता था, ताकि विद्यार्थियों की डिसिजन मेकिंग, इंग्लिश व तार्किक क्षमता की जांच करने के साथ ही उनकी राइटिंग स्किल की भी जांच हो सके. लेकिन इस बार से इसे हटा दिया गया है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar

DATE: 27 November 2019

EDITION: Jamshepur

PAGE: 18

एक्सएलआरआइ में औद्योगिक संबंधों में बेहतरी पर हुआ मंथन

- नेशनल इंडस्ट्रियल रिलेशन सम्मेलन आयोजित
- देश-विदेश में औद्योगिक संबंध, अनुशासन व अन्य विषयों पर हुई चर्चा

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में नेशनल इंडस्ट्रियल रिलेशन सम्मेलन का आयोजन किया गया. इसमें देश और विदेश में औद्योगिक संबंध, अनुशासन, इसके नियम, अनुमान पर चर्चा की गयी. साथ ही किस प्रकार देश व विदेशों के बीच होने वाली बेस्ट प्रैक्टिस के बीच के अंतर को दूर किया जाये, इससे संबंधित भी चर्चा की गयी. सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आइएलओ की डायरेक्टर डगमर वाल्टर उपस्थित थीं. उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर संबंध काफी मायने रखते हैं. इस मौके पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी ने कार्पोरट हो या फिर कोई भी क्षेत्र एक्सएलआरआइ ने विद्यार्थियों को एथिक्स से कभी समझौता नहीं करने की सीख दी है. उन्होंने कहा कि शिक्षा चाहे मैनेजमेंट से जुड़ी हो या फिर स्कूली, हर प्रकार की शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश होना अत्यावश्यक है. बताया गया कि अच्छा मैनेजर बनने के साथ ही अच्छा इनसान बनने की सीख एक्सएलआरआइ में दी जाती है, इसी उद्देश्य से दो साल पहले इस सम्मेलन की शुरुआत की गयी थी.

PUBLICATION: Telangana Today

DATE: 19 November 2019

EDITION: Hyderabad

PAGE: 22

Hyd to host 2-day leadership conclave

BUSINESS BUREAU
Hyderabad

The event will bring together economists, business leaders and professors to discuss choices that will help create opportunities

The Institute for Advanced Studies in Complex Choices" (IASCC), a "not-for-profit" research and education organisation in partnership with XLRI, Jamshedpur is holding its second leadership conclave on 19th & 20th November in Hyderabad.

The conclave will focus on "The Growth Paradox: Household Earnings-led Growth rather than Credit-led Growth" and brings together eminent economists, business leaders and professors to discuss choices that will help create opportunities for growth, raising the standard of living without raising the cost of living.

The discussions will focus on why current measures like ensuring easy money and low cost of finance have not helped grow household earnings, consumption, savings and investment for a vast majority of people in India or elsewhere in the world, particularly after the global financial crisis.

It was earlier believed that the problem of real income stagnation was the developed world's problem. The low level of real income growth is now apparent in form of increased indebtedness, falling savings levels and declining consumption growth rate even in developing economies like India.

Experts such as RBI former Governor YV Reddy, SBI Group Chief Economic Advisor Dr Soumya Kanti Ghosh, and others will participate in the event.

PUBLICATION: The Avenue Mail

DATE: 27 November 2019

EDITION: Jamshepur

PAGE: 2

XLRI increases XAT 2020 examination centres across the country

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 26: XLRI-Xavier School of Management has increased the number of examination centres for XAT(Xavier Aptitude Test) 2020 to 72 centers all across India.The XAT 2020 is scheduled to be held on January 5, 2020.

Father P. Christie S.J., director, XLRI - Xavier School of Management said that XLRI has been conducting XAT on behalf of XAMI for over 60 years on an all India level to select the most suitable students for management education. XAT, though one of the oldest competitive examinations in the country, has always kept pace with the cutting-edge testing methodology. XAT's multi-dimensional testing framework is designed to meaningfully assess the aptitude of candidates for future business success. The examination focuses on a multi-dimensional examination structure and fairness, to assess candidates aspiring to be future business leaders.

XLRI conducts the XAT exam on behalf of XAMI for more than 60 years at all India level. Besides XLRI, the XAT score is used by more than 150 institutes for the admission across India. Since 2018, the XAT has adopted the online test mode. From 2020, XAT has increased the number of examination centres. XAT 2020

would be conducted from 72 centers all across India that will include the following cities -

Agra, Ahmedabad, Allahabad, Ambala, Amravati, Amritsar, Bengaluru, Berhampur, Bhatinda, Bhilai Nagar, Bhopal, Bhubaneswar, Bokaro Steel City, Chandigarh/Mohali, Chennai, Coimbatore, Cuttack, Dehradun, Delhi-NCR, Dhanbad, Dibrugarh, Durgapur/Asansol, Ernakulam, Gandhinagar, Goa, Gorakhpur, Guwahati, Gwalior, Hooghly, Hubballi(Hubli), Hyderabad, Indore, Jabalpur, Jaipur, Jammu, Jamshedpur, Kannur, Kanpur, Kolkata, Kota, Kottayam, Kurnool, Kurukshetra, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mangalore, Mumbai, Mysuru(Mysore), Nagpur, Nashik, Patna, Pune, Raipur, Rajahmundry, Ranchi, Roorkee, Rourkela, Sambalpur, Siliguri, Surat, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Tirupathi, Tiruvallur, Udaipur, Udupi, Vadodara, Varanasi, Vijayawada, Visakhapatnam and Warangal.

Candidates holding recognisedbachelors degree of minimum three years duration or equivalent in any discipline or students completing their final examination by June 10, 2020 are eligible to appear for XAT 2020. NRI and Foreign candidates can apply through GMAT score. Results are expected to be declared by January 31, 2020.

With XAT 2020, XLRI would be accepting applications for the first batch of aspirants for its new XLRI Delhi-NCR Campus (which is subject to the formal approval from AICTE) besides XLRI Jamshedpur.

Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI commented on this new update, "XAT 2020 is extremely significant for XLRI as from this year we would start accepting applications for the first batch for our new XLRI Delhi-NCR Campus with two sections of PGDBM Program, which is subject to the formal approval from AICTE."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 1 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:5

Akash Khurana to inaugurate XLRI fest Ensemble Valhalla today

Jamshedpur, Oct. 31: XLRI's annual cultural, sports, and management festival Ensemble-Valhalla is all set to start from November 1.The annual festival will have a plethora of events to cater to each and every student's interests. Spanning over three days, EV 2019 will see the presence of pure talent.

The theme of the fest this year is 'Break Free' which will celebrate innovation and encourage people to break free from the shackles which might be holding them back from bringing the innovator in them to the fore.

The fest will be inaugurated by seasoned theatre and film personality Akash Khurana on November 1. Dr. Akash Khurana is an XLRI alumnus who has acted in over 50 films.

'The Local Train', Nikhil D Souza among artists to perform

Talented duo of Karunesh Talwar and Aakash Gupta, will be performing for its comedy night on 1st November at Tata Auditorium.

Known for their incredible wit and a great sense of humour, both Karunesh Talwar and Aakash

Gupta have gained nationwide popularity with their quips which have resonated well with the youth.

One of the main highlights of the fest is the Idea Summit scheduled on November 2, where film and television stalwarts including Shishir Sharma, Akash Khurana, Virali Modi, Arijit Biswas and

Varun Mahana will come forth and share their experiences with the students.

Day 2 of the fest will see a performance by one of India's most popular bands, The Local Train on November 2 at Tata Auditorium.

Famous rapper Vivian Fernandes, better known by his stage name Divine will be performing for its final pro-show night along with Nikhil D Souza - the voice behind Sham Hai Koi on November 3 at Football Ground, XLRI.

EV 2019 will see participation from students across the eastern belt of India. The tension is palpable in the air, as Valhalla, the sports fest, will unleash some of the best sports events, including football, tennis and cricket. EV 2019 will also be an avenue for a host of literary, cultural and business events, which will give students an opportunity to unleash their potential leader. XLRI will play host to many citizens of Jamshedpur during EV as they participate in the events along with students.

Overall prize money of Rs 15.5 lakhs is up for grabs.

Ensemble-Valhalla is the annual cultural, sports, and management fest of XLRI. The fest will take place on the 1st-3rd November. XLRI's flagship fest Ensemble-Valhalla has witnessed participation from various B-schools across the country and performances by renowned artists like Amit Trivedi, Lucky Ali, Nikhil D'Souza, The Local Train, Vipul Goyal, Sorabh Pant, Biswa Kalyan Rath, and Zakir Khan. The multifaceted fest is expected to be a grand celebration of spirit and character encompassing the values and integrity of India's oldest business management school.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE:2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI Ensemble-Valhalla kicks off on high key

Quiz, dance, street play, standup comedy mark day 1

Jamshedpur, Nov. 1: Ensemble-Valhalla started with a big bang today. The day started with the inauguration of the fest, led by Director Father P Christie, S.J, Dr Akash Khurana, Actor, Screenplay writer and a Distinguished alumnus of XLRI, and Ranaveer Sinha, the National President of the XL Alumni Association. They spoke to students about the importance of ethics and values and why they are critical to the new generation of Managers.

The ceremony ended with a one minute silence in remembrance of Father Romuald D Souza, who had served as the Director of XLRI from 1982-1989.

The cultural and business events started on a high note as teams from some of the best colleges across India put in their best foot forward.

The events included a General quiz by Major Chandrakant Nair, Beat the beat- a group dance competition which saw participation from multiple colleges, Just a Minute - a heated competition filled with fun, AdMad - an advertising competition, Genesis - a business challenge, and Apollo-a product design and management competition, and Lalkaar - the street play competition. Professors of XLRI graciously judged the events. Several more events are expected to take place by the end of the day. In the sports category, Table tennis and Football were completed and many more are in process.

The day ended with the stand up comedy night, in association with Bingo Comedy Adda and performed by Aakash Gupta and Karunesh Talwar at the Tata Auditorium, and Euphoria - A battle of bands, headlined by Bodhi Tree.

Series of events have been lined up for day 2. November 2 will start with Solo Dance at Tata Audi followed by Future Leaders Program, MUN, Helios Final Round, Break The Code (Offline), Idea Summit, Kavishala, Solo Singing, Prometheus Final Round, Societas, Stage Play (4 teams), War of Wits, Circus Maximus and Meri Gully Mein.

The day will end with a performance by one of India's most popular bands, The Local Train on at Tata Auditorium. One of the main highlights of the fest is the Idea Summit scheduled on November 2, where film and television stalwarts including Shishir Sharma, Akash Khurana, Virali Modi, Arijit Biswas and Varun Mahana will come forth and share their experiences with the students.

Ensemble-Valhalla is the annual cultural, sports, and management fest of XLRI. The fest will take place on the 1st-3rd of November.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 2 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

DIVINE and Nikhil D'Souza to perform at XLRI on Nov 3

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 1: One of India's foremost hip-hop acts, DIVINE, and singer-songwriter Nikhil D'Souza will take the stage at XLRI Jamshedpur on November 3 with Red Bull Presents DIVINE.

From being an underground and little-known rapper in 2011, to one of the leading names in hip-hop in India today, DIVINE's story has been nothing short of inspirational. As a rapper from the streets who was propelled to stardom with the single 'YehMera Bombay' in 2013, DIVINE's hard-hitting lyrics draw inspiration from his own life. He has toured the world, featured on a BBC Radio show, been the inspiration for a Bollywood feature film, contributed music to a few, and now even runs his own company/record label, Gully Gang Entertainment. Earlier this year, Red Bull Media House produced and released Gully Life: The Story of DIVINE, a film on the life of this remarkable rapper. In October this year, DIVINE released his debut full-length album, Kohinoor, to much acclaim.

A singer, songwriter and guitarist from Mumbai, Nikhil D'Souza's genre and musical style can be loosely defined as eclectic acoustic guitar-based pop. His songs have a full melodic quality to them due to his use of alternative tunings. D'Souza's major musical influences have been Sting and Jeff Buckley. Over the past few years, he has been touring solo and with his band, and has performed across India as well as Europe, America and Australia.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 5 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Nikhil D'Souza, Divine leave XLRI crowd in passionate delight

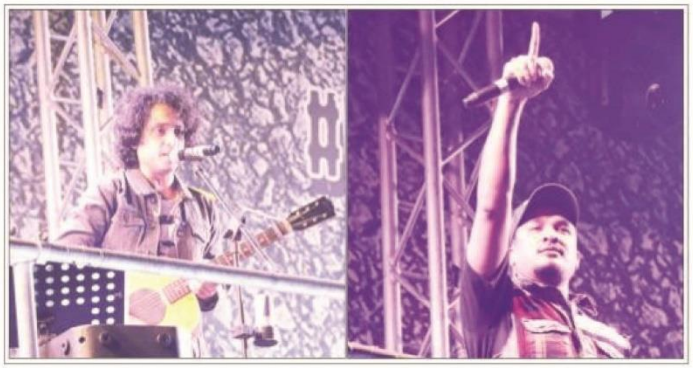

Mail News Service

Jamshedpur, Nov 4: The three-day annual festival of B-school XLRI, Jamshedpur concluded on a musical note. The most awaited Red Bull concert of the city, Nikhil D'Souza and Divine's concert rocked the participants with tracks like Vaaste and Apna Time Agaya. Over 5000 music lovers participated in the event.

The participants grooved over to the tunes of Divine, Vivian Fernandes (his real name). His performance forced the participants to dance to his tunes. Divine's most notably film Gully Boy by Zoya Akhtar, a film which is inspired by himself, with Ranveer Singh and Alia Bhatt in the lead roles.

Singer, songwriter and guitarist Nikhil D' Souza is known for his Bollywood hits such as Mere Bina (from the film, Crook), O Gujariya (Queen), and Vaaste. Students welcomed Bollywood singer Nikhil D'Souza with cheers that could be heard blocks away.

A lot has been said and written about Divine lately, but the young artiste who founded Gully Gang and popularised phrases like 'boys from the naka', 'yeh mera Bombay' and 'scene kya hain' enthralled the Youngistan.

The final day of the three-day fest had multiple events and competitions lined up for the students to participate in. The day started with the final rounds of multiple management events. The flagship events of the fest, Strategikon and Strike or Yield, also declared their winners who not only took home the coveted titles but also an invaluable experience of competing with the best minds of the country. All the sports events were also concluded. The day started with Women's cricket finals followed by many sports finals like Volleyball, Badminton and Futsal. Some unconventional events like Once Upon a Time, Create your Own Superhero and The Newsroom proved to be of great interest to the participants and provided a good break from the management events.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 5 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Curtains on XLRI Ensemble-Valhalla, students walk the ramp for women empowerment

Mail News Service

Jamshedpur, Nov 4: The final day of the 3-day Ensemble-Valhalla fest had multiple events and competitions lined up for the students to participate in. The day started with the final rounds of multiple management events. The flagship events of the fest, Strategikon and Strike or Yield, also declared their winners who not only took home the coveted titles but also an invaluable experience of competing with the best minds of the country.

All the sports events were also concluded. The day started with Women's cricket finals followed by many sports finals like Volleyball, Badminton and Futsal.

Several events also took place on the cultural front. Ramp It Up, the fashion show had 5 teams with about 75 participants, with various themes like women empowerment and live in the present. The talented singers gave the judges a tough time in deciding the winner.

Spotlight, the Mono Acting competition with over 30 participants was a phenomenal drama event.Like every year, MasterChef remained one of the most popular events during the fest. Faculty and students cooked some very delicious dishes and showed off their culinary skills in multiple rounds like guessing the ingredient and dessert making. The two-day event Future Leaders Program also reached its final stage of workshops and sessions on communication skills and painting and fun games like treasure hunt.

The young leaders enthusiastically participated in all the activities planned and left with a new perspective on career and a sneak peek into MBA life.

Some unconventional events like Once Upon a Time, Create your Own Superhero and The Newsroom proved to be of great interest to the participants and provided a good break from the management events. As the events wrapped up, the excitement for the highlight of the three days reached its peak. The most awaited concert of Jamshedpur, the one for which all the guests and hosts of Ensemble Valhalla were eagerly waiting for, Nikhil D'Souza and Divine's concert. The evening saw youngsters in large number converge at the XLRI Football Ground. Jamshedpur swayed on tracks like Vaaste and proudly said Apna Time Agaya.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 7 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI to host E-Café from Nov 9

India Mart co-founder Brijesh Agarwal to address Exalt 1.0

Jamshedpur, Nov. 6: XLRI is all set to host its flagship entrepreneurship event - E-Café, 2019 on 9th and 10th of November. E-Cell, XLRI and XCEED, the incubation center of XLRI are conducting this two-day event with the aim of promoting and developing entrepreneurship zeal amongst the youth.

This edition of E- Café will feature a series of events designed to give the participants an experience of the start-up world. The event will include competitions for B-school students, keynote speakers, challenges for school students and internship opportunities at XCEED. The event is set to see attendance from the students and faculty from prestigious institutes like XLRI Jamshedpur, IIT Kharagpur, NIT Jamshedpur, the school students of Jamshedpur and various institutes of Jharkhand. E-Cell has also invited the Deputy Commissioner of East Singhbhum, Ravi Shankar Shukla, as the Chief Guest for this event.

A key highlight of E-Café is its event Exalt 1.0 which will feature two keynote speakers this year - Brijesh Agarwal, the co-founder of India Mart and Abhishek Jaiswal, founder of Antilog Vacations who will address the audience and share their story on how they found success in their respective entrepreneurial journeys. Exalt 1.0 will be held on 10th of November at the TATA Auditorium, XLRI Jamshedpur.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE:8 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI to observe centenary year of ILO

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 7: XLRI-Xavier School of Management is all set to hold Seminar - 'ILO @ 100: The Future of Work' to celebrate the glorious hundred years of International Labour Organization (ILO) on November 9th, 2019 at XLRI Campus, Jamshedpur.

The inaugural session of the Seminar will be graced by Dagmar Walter (Director, ILO, India and South Asia), Fr. P. Christie, S.J. (Director, XLRI - Xavier School of Management) and Dr. Ashish K. Pani (Dean - Academics, XLRI - Xavier School of Management). Dagmar Walter will deliver the inaugural address on the occasion.

It will be an occasion to recall and record the glorious and significant contribution made by ILO to the world of work and also the special association India has had with ILO being one of the founding members of it. Eminent experts from ILO, Future of Work Commissioners from India (appointed by ILO in the Global Commission on Future of Work), academics, industry and former high ranking government officials, trade union leaders like Dr. L.D. Mishra (Former Union Labour Secretary, Government of India), P.P. Mitra (Former Principal Labour & Employment Advisor, Ministry of Labour & Employment, Government of India) etc will not only deliberate on the challenges and opportunities arising out of the dynamics of future of work in India and also provide multiple perspectives on the same.

Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI - Xavier School of Management commented, "XLRI is one of the few premier Institutions in India which still endows primacy of place to Industrial Relations.

This commitment to Industrial Relations and the labour institutions by XLRI is one of its hallmarks and this is derived from the values system governing XLRI and its mandate. It is even more important that ILO's good work is firmly communicated to the students of XLRI, the future managers and its alumni."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 10 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI hosts Finance Symposium 'GNOSIS 2019'

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 9: The Finance Association at XLRI successfully hosted GNOSIS 2019, XLRI's Annual Finance Symposium, on November 9 at The St. Regis, Mumbai. The symposium saw P S Jayakumar, MD & CEO of Bank of Baroda and XLRI alumnus deliver the key-note address.

He covered various fields such as the changing investor-investee relationship and the need for trust therein, changes in retail banking and fintech.

He concluded by emphasising the importance of promoting non-linear growth by changing traditional organisational structures.

GNOSIS is hosted by XLRI every year to promote a platform for academia to connect and interact with industry stalwarts, top level executives and regulators to discuss their views on current financial happenings and issues that would be the next big catalysts in re-shaping the Indian Financial System.

The theme of GNOSIS 2019 was "Indian Financial Sector: Changing Frontiers".

More than 150 student and corporate delegates from top B-Schools and leading companies in BFSI sector took part in the symposium. The conference witnessed two panel discussions featuring eminent industry leaders and top level executives.

The first was the banking panel discussion on 'The future of corporate lending: Navigating systemic changes' by five eminent panellists - Manish Kothari., (Senior Executive VP, Kotak Mahindra Bank); Sanjeev Lall (Partner, Udvik Infrastructure Advisors LLP); K V Srinivasan (CEO & ED, Profectus Capital Pvt Ltd); Sunil Damodar(Former General Manager, SBI); and Himanshu Joshi, (Former Executive Director, Board of Oriental Bank of Commerce).

The panel was moderated by internationally certified success coach, Mudit Yadav (Founder, MY Success Coach).

The panellists discussed the positives and negatives of linking floating rates to external benchmarks on the impact of the same on lending.

The discussion ended with the emergence of neo banks in the economy and whether they should be viewed as opportunities for synergy or threats.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 11 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

XLRI launches second edition of its flagship techno-operations event, Cygnus

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 10 : XLRI is gearing up for Operations and IT conclave Cygnus. It is a two-day symposium jointly organised by AXIOM - The Operations Club and SOCRATES - The IT Club of XLRI. This edition of Cygnus will be held on November 16-17 under the theme "Industry 4.0". The conclave will consist of various events with emphasis on technologies like IoT, Data Analytics and Blockchain and their implementation in Operations Management.

Variety of events such as Workshop on Industrial IoT by Arup Chakraborti-Founder, Greenwave Solutions Pvt Ltd, Interactive session on Industry 4.0 - Shailender Singh, DGM- Business Excellence, from ITC, Case Competition on operations management in association with Swiggy, Use-case based interactive session/workshop with professionals from ITC, Guest Sessions on TATA Steel's journey in IoT, Guest sessions by experts from IIT Kharagpur and unveiling XLRI's IoT lab during the conclave will help management students become accustomed to new technologies and promote innovation in businesses. Technology promotes innovation, making businesses more efficient and competitive in the market. Cygnus aims to helping students staying ahead of the game and help them make informed technology related decisions as future leaders.

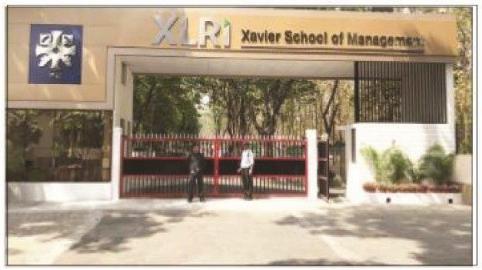

Every manager must be adept in handling operations to bring about cost savings and creating efficient processes is the norm of the day. The role of Operations and Supply Management in achieving this cannot be undermined. AXIOM is an initiative, started in 2004 by the students and the faculty of XLRI to help the students gain an insight to the intricacies of industrial and operations management. It is an attempt of this society to extend the understanding of the international best practices and develop interest among students for the same. We endeavour to spread awareness and understanding of managing production processes and delivering services by organizing quizzes, simulations, guest lectures, live projects and plant visits. We try to facilitate Certifications for the student community and help in Effective Knowledge Sharing.

We further intend to contribute to the industry as a body of students and experienced faculty, by providing a platform for industrialists to share their thoughts. We release the AXIS newsletter, a compendium of latest developments in the industry.

SOCRATES (The Society for Rapid Assimilation of Technology and Systems) is a functional committee created to provide a thrust to the Systems academic area and to upgrade the IT infrastructure in XLRI. It was created with the intention of bringing technology closer to the global business leaders of tomorrow.

The aim is to provide a platform where future managers can gain experience from real-life issues and problems in Management of Information Systems. Socrates overlooks the maintenance and up gradation of the IT systems at XLRI.

This includes providing necessary student inputs to Academic Information System (AIS). We have also developed, on our own initiative, XL Dock- a mobile application for students to access academic content on the Android Platform. Socrates also provides key inputs to administration on maintenance of the network infrastructure.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 29 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI holds 3rd National XL IR Summit

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 28 : The Forum for Industrial Relations at XLRIFIRE@X recently organised the 3rd National IR Summit. When XLRI was founded all the way back in 1949, one of the objectives was to shape an institute that approached labour issues with sensitivity, and with a wholesome view across the negotiation table that many corporate managers distinctively lacked. The 3rd National IR Summit was an extension of that same vision, with this year's theme - "Changing Landscape of Labour Workforce" - having placed special emphasis on gig workers, independent contractors and contract workers.

Intended as a platform to cast light on how industrial relations is evolving as a field and generate greater sensitivity among participants towards labour issues, the summit also featured competitions like Legal Eagle, Trial By Fire. Bury The Hatchet, Compulsio and Guilty or Not for students to compete and measure themselves against their peer group.

Legal Eagle, Trial By Fire and Bury The Hatchet were the competition

events carried on from the preceding year, Labour Parliament, now having ran its second iteration, again stood out as a marked difference from conventional tests of negotiation capacity, while Compulsio and Guilty or Not were new additions to an impressive lineup. The Dhyuti magazine, the annual IR journal unveiled on day two of festivities, featured an exclusive interview with Ms. Dagmar Walter, who is the current Director of the ILO Decent Work Technical Support Team for South Asia and Country Office for India.

The Forum for Industrial Relations at XLRI, founded as a discussion forum in 1996, is the committee responsible for the promotion of industrial relations at XLRI. Fire@x is the hub of all IR related activities in XLRI and aims to inculcate a dialogue amongst the student community about key aspects of Employee Relations/ Industrial Relations. It helps the students foray into the dynamic world of industrial disputes, resolutions, bargaining and agreements. Fire@x undertakes a multitude of activities throughout the academic year, such as industry interfacing sessions, live projects/case studies, and has two publications, a monthly e-newsletterand an annual journal, aimed at keeping the Labour Law and IR culture alive at XLRI, something which the institute's roots are steeped in and that remains, till date, its distinguishing factor.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 12 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI organises a seminar ILO's Centennial Theme of 'The Future of Work'

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 11 : Commemorating the glorious hundred years of International Labour Organization (ILO), XLRI-Xavier School of Management organised a Seminar on ILO's Centennial Theme - "The Future of Work" at XLRI Campus, Jamshedpur.

The seminar was graced by Dagmar Walter (Director, ILO, DWT for South Asia and Country Office for India) at the inaugural session alongside Fr. P. Christie, S.J. (Director, XLRI - Xavier School of Management) and Dr. Ashish K. Pani (Dean - Academics, XLRI - Xavier School of Management). Ms. Dagmar Walter delivered the Inaugural Address on the occasion.

In her address, Ms. Dagmar Walter, said, "I am delighted to communicate with the future generation of managers who are ardent to learn about the future of work. As we embrace the unprecedented challenges posed by technological innovations, demographic shifts, and climate change, we need investment in people through a "human-centred approach." We need an agenda that recognizes social justice for everyone to be the ultimate aim and

objective of all public policies. I am hopeful that academic organizations such as XLRI will continue promoting management practices and the organizational culture advancing decent work agenda and will capacitate future managers with the values, skills, and vision to be able to meet the challenges of the future."

Delivering the Welcome Address, Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI - Xavier School of Management said, "It is heartening for XLRI to participate in the Centenary Celebrations of ILO. XLRI applauds ILO for being devoted to promoting social justice and internationally recognized human and labor rights for ten long decades. We all greatly appreciate ILO's Decent Work agenda - helping advance the economic and working conditions that give all workers, employers, and governments a stake in lasting peace, prosperity and progress."

"XLRI's Founding Directors - Fr.Quinn Enright and Fr.McGrath were members of the American Federation of Labour and had helped set up labor schools in many industrial towns in the United States in the 193Os and 1940s. In fact, in the early years of XLRI'S growth, the founding Director Fathers conducted courses for workers and executives of Jamshedpur in subjects related to Labour laws, Wages, Collective bargaining, etc. XLRI evolved to become India's first Business School to conduct Industrial Relations and Personnel Management programs and is acknowledged as the premier institution for IR & HR studies in India and within South Asia," Fr. Christie further said in his address.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 20 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI launches second edition of techno-operations event, CYGNUS

Mail News Service

Focus on artificial intelligence

Jamshedpur, Nov. 19 : Cygnus 2019, the 2nd edition of XLRI's Operations and IT conclave has successfully concluded. This edition of Cygnus was held under the theme Industry 4.0. A two-day symposium jointly organised by AXIOM - the Operations Club and SOCRATES - the IT Club of XLRI attracted a total footfall exceeding 1500 attendees and saw a participation of more than 50 pan India teams in its case study competition, Encephalon. The conclave included various events and workshops with emphasis on technologies like IoT, Data Analytics and Blockchain and their implementation in Operations Management.

The conclave kicked off with an interactive workshop on Industrial IoT conducted by Arup Chakraborti - founder, Greenwave Solutions Pvt Ltd, attracting engineering and management minds alike. It was followed by a guest session on Digital Twin by Prof. Surjya K Pal - CoE on Advanced Manufacturing Technology, IIT Kharagpur and a workshop on Industry 4.0 by Smriti Agrawal - head, digital and analytics, Tobacco Division, ITC. The second day was attended by guest sessions on Tata Steel's journey in intelligent manufacturing, delivered by Ranjan Kumar Singh - head, Slab Casting and AkshayKhullar - chief, LD2 and Sand Casters. Case competition, Encephalon was held on operations management, in association with Swiggy, where student teams from Delhi Technological University and NITIE Mumbai, took home the winners and runners up prizes respectively. A participative session on Industry 4.0 by Shailender Singh, DGM- Business Excellence, from ITC Paperboards and Specialty Paper Division and the introduction of XLRI's IoT lab drew the event to a close.

Cygnus aimed to help management students become accustomed to new technologies and promote innovation in businesses. Technology promotes innovation, making businesses more efficient and competitive in the market. Cygnus intended to provide students a valuable insight into the rapidly developing technological space, thereby helping them stay ahead of the game and make informed technology related decisions as future leaders. AXIOM is an initiative, started in 2004 by the students and the faculty of XLRI to help the students gain an insight to the intricacies of industrial and operations management. It is an attempt of this society to extend the understanding of the international best practices and develop interest among students for the same.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 25 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

Jamshedpur East Assembly seat: Voters adopt wait and watch policy

Mail News Service

Jamshedpur, Nov. 24 : As the date for voting (December 7) is inching closer, the excitement for Jamshedpur East Assembly seat is increasing. All the candidates have put their might for campaign, but the voters in the high profile Jamshedpur East constituency have adopted a wait and watch policy.

The poll battle has become interesting after BJP rebel Saryu Roy filed his candidature as an independent against Chief Minister Raghhubar Das after the party denied him a ticket from Jamshedpur West.

Most of the over 3 lakh voters seem to have adopted a wait and watch policy when it comes to voting for Das or Roy. Though a sizable section of the electorate supports the honesty of former cabinet minister Roy and his fight against corruption others are favouring Das for giving a stable government in the State.

Das had a cake walk on earlier election, winning Jamshedpur East for five consecutive times. But the situation is different this time and the prevailing confusion among voters has added to the interest quotient.

" We have not decided whom to vote but the contest ids becoming interesting with each passing day. Well, I have still not decided whom to back. I have decided to wait for some days," said Rameshwar Prasad, a vegetable vendor at Baridih.

Prevailing confusion among voters makes the fight interesting

A retired Tata Motors employee said that there is no doubt that Roy is a honest man but Das has also done a lot for the constituency. He has built roads in bustees across the constituency. There is also no power and water issue. Moreover, he is the chief minister. But I would like to wait for some days before deciding whom to back," the Birsanagar resident added.

Rani Kumari a homemaker said she was very impressed with Roy's fight back despite being denied the ticket . "I have been voting for the BJP for years but am a bit confused now. I think I should wait before taking a decision on my choice," she added.

Das had won the 2014 assembly polls from Jamshedpur East with a margin of 70,157 against nearest Congress rival Anand Bihari Dubey. Before leaving for nomination, Das performed prayed at Shitala Mandir.

Apart from Roy, the Chief Minister is being challenged by Congress Party's national spokesperson and XLRI Jamshedpur Professor Gourav Vallabh and JVM's central secretary Abhay Singh. Meanwhile Shiv Sena has decided not to field any candidate from Jamshedpur West and East. The party has asked its party workers to support Saryu Roy from Jamshedpur West.

Dinesh Kumar, district president, BJP said that the BJP government would legalize the lease bandobasti of government lands occupied since the year 1988 onwards after a period of 30 years. He said those having possession of government land in the year 1988 would be given lease rights on the said land for a period of 30 years. Attacking the opposition parties, who had been critical of the Chief Minister, for delaying ownership rights to illegal urban slum dwellers in his own Jamshedpur East constituency, said that he has never lied to his voters.

"Das will fulfill the promises made to them. Ownership rights to illegal settlers is a complicated issue. But BJP government completed the promise," said Kumar.

Incidentally, Raghubar Das had leading the agitation for ownership rights to 86 urban slums (outside Tata Steel command areas) in 1994-95 under the banner of Basti Vikas Samity.

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 12 November 2019
EDITION: All Edition
PAGE: 12

Tech Degrees in Demand at Top B-schools this Placement Season

EARLY TRENDS Amazon, Microsoft and American Express are among those making campus offers

Prachi.Verma@timesgroup.com

New Delhi: Students with engineering degrees, especially those from the computer science, electronic and electrical streams, are back in big demand this placement season at the Indian Institutes of Management (IIMs) and other top business schools in the country. Amazon, Microsoft and American Express are among those making campus offers.

They are filling posts in data sciences, data mining, big data, artificial intelligence (AI), internet of things (IoT), product research, pre-sales solutions and tech analysis, placement officials at B-schools said, based on early trends in campus offers.

"Demand for managers with technology and innovation skills has been on a rise," said Madhu Vij, placement head at Faculty of Management Studies (FMS), Delhi. "Today, no business or process can be run in silos, so demand for talent with both qualitative and quantitative proficiencies has gone up."

It is for this reason that once popular roles offered to management students in areas such as strategy and investment banking are now being replaced with new areas such as AI, IoT, big data and risk management, she said.

At IIM Lucknow, summer internship placement (SIP) offers from ecommerce firms and startups rose 70% this year to 101, up from 72 last year. At IIM Calcutta, the number of offers received for tech profiles more than doubled to 62 this year from 30 offers last year. In any case, about 90% of students at the top management schools are graduates from premier engineering colleges.

"Cognitive skills along with non-cognitive skills can be a lethal combination in future employees," said Rituparna Chakraborty, cofounder of talent search firm TeamLease Services. "It is the perfect blend to make these professionals future-proof with an agility to take on an ambiguous future."

A recent study conducted by staffing specialist firm Xpheno, suggests that at least three in 10 students of the class of 2020 at top business schools are likely to get hired for tech profiles.

"The campus-industry interface has also seen a surge," said Siddharth Verma, practice head, leadership hiring, at Xpheno. "Net in net, tier 1 campuses are likely to see 50-65% increases in numbers of offers per student this year."

Schools that took part in the Xpheno study included the older IIMs in Ahmedabad, Bangalore, Calcutta, Lucknow, Indore and Kozhikode along with newer ones in Shillong, Trichy, Udaipur, and Rohtak. Others included XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur, Management Development Institute (MDI), Gurgaon, FMS Delhi, Indian Institute of Foreign Trade, Delhi, SP Jain Institute of Management and Research and Narsee Monjee Institute of Management Studies, the last two based in Mumbai.

The business schools of IIT Bombay, IIT Kharagpur and IIT Delhi were also part of the study.

At XLRI, technology/IT companies have extended 59 summer internship placement offers this year, up 136% over last year's 25, with Amazon alone extending 22 offers, the highest on the campus.

"A significant percentage of these roles were for product managers, owing to the high proportion of candidates from some of the top engineering schools, with relevant education and work experience background," a placement representative at XLRI said in an email response to **ET**.

At FMS Delhi, 36 offers have been made for tech profiles this year against 26 last year.

At IIM Bangalore, 58 students have got SIP offers for IT product management roles from companies including Microsoft, Sprinklr, Honeywell, Byju's, Oyo Rooms, Adobe, and Ola, besides 11 offers in analytics from American Express, UnitedHealth Group and others.

Changing Roles

Cos hiring for roles in data sciences, data mining, big data, artificial intelligence, Internet of Things, product research, pre-sales solutions & tech analysis

These new roles have replaced once popular roles offered to management students in areas such as strategy and investment banking

A recent study by Xpheno suggests that at least three in 10 students of the class of 2020 at top business schools are likely to get hired for tech profiles

PUBLICATION: The Economic Times

DATE: 20 November 2019

EDITION: All Edition

PAGE: 11

Former RBI governor says finance has become global but regulation is still national

Global Shocks Involving Capital Flow, Oil may Hit India: Reddy

Our Bureau

Hyderabad: India is turning vulnerable to two potential short-term global shocks of oil and capital flows emanating from uncertain global geopolitics, said former Reserve Bank of India governor YV Reddy, referring to the recent developments in China, Iran and Middle East.

He was addressing a two-day leadership conclave of economists organised by the Institute for Advanced Studies in Complex Choices (IASCC) in association with XLRI Jamshedpur in Hyderabad on Tuesday. On the growing global trade wars, the former RBI governor said China dominates global trade in goods and gained considerable entry into services as well. "There is a divergence between global trade dominated by China and global finance and money dominated by USA. This is one source of conflict."

Reddy said a new bi-polar world was emerging with the US and China leading each block within close economic integration within the block that complicated the fight for supremacy now underway. Comparing the US-China trade wars with the faction politics in Andhra's Rayalaseema region, from where he hails, Reddy said, "Two landlords fight each other till the other challenges and the moment the other challenges, they die together. So, therefore, in the new bi-polar world, the rest of the world is at the mercy of the two — US and China."

While war could be a possible outcome of uncertain global geopolitics, Reddy said technological developments may result in global giants providing an alternative world that would influence or overtake the existing political institutions.

He was not sure if good sense would prevail and multilateralism will be re-established, though it is one of the three possible outcomes of the current uncertain global geopolitics. "India is increasingly influenced by global developments and India also contributes to the global developments more than in the past," said Reddy. "In a way, therefore, all choices should take into account the global context."

Reddy said quite a bit of net capital outflow from developing countries is from China, it is all denominated in Chinese currency and the contracts are not that transparent. "With the result, the assessment of debt sustainability of many developing countries has become difficult. Therefore, we have got a global order where even IMF and World Bank are not sure what is the debt sustainability of many developing countries." On global finances, Reddy said, "It is in transition to nowhere. Finance has become global but the regulation continues to be national." Global finance is supposed to be market-based but it is essentially in currency and we have a few giants controlling the global system.

"The assumption that global finance is driven by market forces has to be taken with a pinch of salt. Financial markets are still dominated by the US. There are a lot of financial giants from China now entering but the financial markets are still dominated by the US and Western Europe to some extent," said Reddy, adding that Singapore, Shanghai and Hong Kong are trying to make inroads.

While China has made a successful entry into the global financial markets what is "most important is that China's financial giants are driven by the government."

China, which used to have its sovereign wealth in US treasury bonds and various financial instruments, has realised in the past 3-4 years and "converted a substantial part of its sovereign wealth and financial instruments into physical infrastructure, though it doesn't make economic sense to invest sovereign wealth in physical infrastructure."

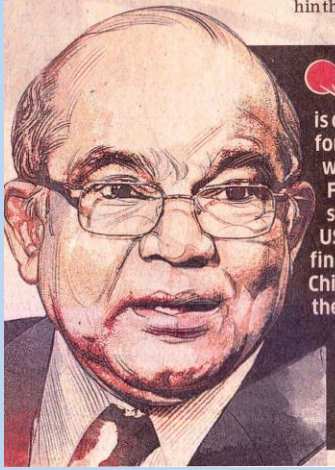

> The assumption that global finance is driven by market forces has to be taken with a pinch of salt. Financial markets are still dominated by the US. There are a lot of financial giants from China now entering but the financial markets are still dominated by the US and Western Europe to some extent
>
> **YV REDDY**
> Former Governor, RBI

PUBLICATION: The Financial Express

DATE: 27 November 2019

EDITION: All Editions

PAGE: 1,2

LABOUR CODE

TUs can't strike work at will

SURYA SARATHI RAY
New Delhi, November 26

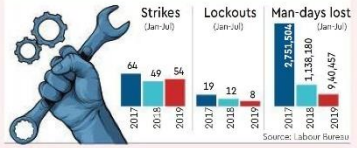

THE OMNIBUS Industrial Relations Code soon to be tabled in Parliament, amalgamating four existing Central laws, will make it near impossible for trade unions to hold the employers to ransom, even as it seeks to pioneer the concept of unions with defined representative character as determined negotiating agents for the causes of workers. It would also get more difficult to strike work legally in establishments once the Code takes effect, as it proposes to extend the mandatory 14-days prior notice condition to practically all sectors, while currently such notice is required to be served only in case of "public utility services", although these are defined very broadly.

Also, when the conciliation process is on — which usually follows the strike notice and often takes several months — unions cannot resort to strikes.

Continued on Page 2

Labour Code: TUs can't strike work at will

FURTHERMORE, EITHER PARTY — employer and the sole negotiating union — will have the option under the Code to refer an industrial dispute for adjudication. This again could come in handy for the businesses to frustrate bids to use strike tools like mass leaves because once the adjudication process begins, strikes will be illegal till it reaches a finality.

According to the Code, in cases where there are multiple trade unions in an industrial establishment, for any union to be designated as sole negotiating union, it will require the support of 75% of workers on the muster roll, a condition which experts say would make it virtually impossible for any union to get the title. If no union meets the criterion, a negotiating council will be set up.

In many states like Maharashtra, West Bengal, Gujarat and Kerala, there are already state laws in force recognising trade unions and the proposed central code won't override these laws. But in other states, including Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka and Rajasthan, the Central law will apply in this regard.

The Code providing for full-benefit, fixed-term employment of any duration in all industries would come in handy for manufacturing units, including MSMEs to adjust their pay rolls to the seasonality and vicissitudes of their businesses. This flexibility, first introduced in the export-intensive garment sector in June 2016, was later extended to the leather industry and put into effect in all sectors via a March 2018 notification issued under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 and the Code would cement the norm.

Although a key proposal in an earlier version of the Code to allow factories, mines and plantations employing up to 300 people — against 100 now — to retrench/lay off workers and/or shut shop without government approval has been removed, states will have a window to change the employee strength threshold for retrenchment purpose via notification route. This, according to industry bodies, too, could address a major concern of companies, including MSMEs.

It is, however, not clear if the Code would bar outsiders from becoming office bearers of trade unions in the organised sector. The earlier version had proposed this but there were reports that the government was having second thoughts on this, given the opposition from unions. "The Code has made the workers' right to resort to strike difficult. Earlier those providing public utility services would have give a notice 14 days in advance before resorting to a strike. The threshold has not been changed in the Code and has been made applicable to all industrial sectors," said KR Shyam Sundar, professor at XLRI Jamshedpur and a labour law expert.

According to him, making stringent provision for a legal strike applicable to all industrial establishments will make a legal strike virtually impossible. "Stringent conditions to define the legality of strike will eventually weaken the democratic right of the workers to resort to strike," he contended.

RSS affiliated Bharatiya Mazdoor Sangh's general secretary Vrijesh Upadhyay said, "Earlier, we used to get registration only; the IR code will give us recognition."

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 28 November 2019
EDITION: All Editions
PAGE: 13

Promoting creativity in technical institutes

SAMSUNG INDIA concluded the fourth edition of Samsung's pan India campus programme, Samsung EDGE, that witnessed participation from 3,873 students comprising 1,291 teams and representing 20 leading institutes of the country. The theme for this year was based on the premise of 'Driving for Change' for local communities wherein the participants were encouraged to address micro issues of local importance and present innovative solutions.

The winning team, team 'Skyforce' from IIM Lucknow comprising Himshikha, Abhilash I and Nithiya CH, showcased a solution for ASHA (Accredited Social Health Activists) workers. The team proposed a technology-based solution to address issues that ASHA workers face such as tracking, information asymmetry, and manual data registration, etc. Eight teams qualified for the finale after the regional rounds. The team from XLRI Jamshedpur 'Muppets' got the second prize for proposing a solution to overcome linguistic and cultural disparity in imparting education to tribal children using Samsung technologies. It was followed by 'Team SMS' from MDI Gurgaon who suggested a 'Smart Saathi App' to address drug addiction in Delhi-NCR, Haryana and Punjab.

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 29 November 2019
EDITION: All Edition
PAGE: 2

EXPERT TAKE

'New Code doesn't propose radical labour mkt reform'

Analysts feel govt seems to have lost opportunity to position India as an alternative to China in manufacturing

SURYA SARATHI RAY
New Delhi, November 28

THE INDUSTRIAL RELATIONS Code tabled in Lok Sabha on Thursday turned out to be doing much less than expected to reform the country's labour laws to improve the ease of doing business in the country or reducing the cost of labour for Indian industry to make it globally competitive. In its attempt to please all, the government seems to have lost a precious opportunity to position India as an alternative to China in manufacturing, analysts feel.

The most important proposal contained in the 2015 draft version of the Code to allow factories, mines and plantations employing up to 300 people — against 100 now — to retrench/lay off workers and/or shut shop without government approval has been removed in the final Bill, though states will have a window to change the employee strength threshold for retrenchment purpose via the notification route. A proposal to bar outsiders from becoming office-bearers of trade unions in the organised sector establishments have been nixed to maintain status quo.

"The power given to the states to change the employee strength threshold for retrenchment signifies nothing considering the fact that global investors always look at the national laws and not the state laws for investing. It is not going to change their perception about India. There is nothing in the Bill that can be said as radical departure from the existing laws. The code is not going to be a game-changer," said KR Shyam Sundar, professor at XLRI Jamshedpur and labour law expert.

Rituparna Chakraborty, co-founder and executive vice-president, Teamlease, said, "We have to ask ourselves how much the said changes or otherwise in the code helps ease of doing business and hence, formal job creation. India is at a juncture wherein formal job creation needs to be prioritised ahead of job preservation."

Over the years, India has significantly improved its ranking on ease of doing business and now it at the 63rd slot, as per the World Bank's 2020 survey among 190 nations, but the world's third largest economy has failed to catch the fancy of the global manufacturing biggies mainly because of its archaic labour laws that barely allows enough flexibility to businesses.

Of course, the Code providing for full-benefit, fixed-term employment of any duration in all industries would come in handy for manufacturing units, including MSMEs to adjust their pay rolls to the seasonality and vicissitudes of their businesses. This flexibility, however, first introduced in the export-intensive garment sector in June 2016, was later extended to the leather industry and put into effect in all sectors via a March 2018 notification issued under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946. The Code will only cement the norm.

The only aspect of the Bill that domestic industry might feel good about is that the new legislation will make it near impossible for trade unions to hold the employers to ransom, even as it seeks to pioneer the concept of unions with defined representative character as determined negotiating agents for the causes of workers. It would also more difficult to strike work legally in establishments once the Code takes effect, as it proposes to extend the mandatory 14-days prior notice condition to practically all sectors, while currently such notice is required to be served only in case of "public utility services", although these are defined very broadly.

When the conciliation process — which usually follows the strike notice and often takes several months — is initiated, unions cannot resort to strikes either. Also, either party — employer and the sole negotiating union — will have the option under the Code to refer an industrial dispute for adjudication. This again could come come in handy for the businesses to frustrate bids to use strike tools like mass leaves because once the adjudication process begins, strikes will be illegal till till reaches a finality.

According to the Code, in cases where there are multiple trade unions in an industrial establishment, for any union to be designated as sole negotiating union, it will require the support of 75% of workers on the muster roll, a condition which experts say would make it virtually impossible for any union to get the title. If no union meets the criterion, a negotiating council will be set up.

In many states like Maharashtra, West bengal, Gujarat and Kerala, there are already state laws in force recognising trade unions and the proposed central Code won't override these laws. But in other states, including Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, Rajasthan, the central law will apply in this regard.

Immediately after assuming office, the present dispensation embarked on long-pending labour reforms by proposing to amalgamate 44 existing labour Acts into four codes — on IR, wages, operational safety, health (OSH) and working condition, and welfare and working conditions — with the aim of simplifying them and ensuring a conducive and harmonious environment for doing business. The IR Code is at the centre of the proposed labour reform initiative.

The Code on wages has already been passed in both the houses of Parliament; the OSH Code was introduced in the Lok Sabha which decided to send it to the select committee.

PUBLICATION: The Hindu Business Line

DATE: 20 November 2019

EDITION: All Edition

PAGE: 1,4

FUTURE SHOCK
Developments in China, Iran and Middle East can create oil price and capital flow shocks and India is vulnerable to both, says YV Reddy p4

India vulnerable to oil price, capital flow shocks: YV Reddy

OUR BUREAU

Hyderabad, November 19

Recent developments in China, Iran and the Middle East have the potential to generate two types of shocks — oil price and capital flow — and India is vulnerable to both, according to YV Reddy, former RBI Governor.

Reddy said: "there is a bi-polar world with the US and China leading each block. The difference between old and new bi-polar world is that China and America have close economic integration. This complicates the fight for supremacy."

Speaking at The Leadership Conclave hosted by The Institute for Advanced Studies in Complex Choices, in association with XLRI, Jamshedpur, on The Growth Paradox: Resolution through Changes in Frames for Choice, Reddy said there are people who believe in three possible outcomes. First, good sense prevails and multi-lateralism will be re-established. Second, Thucydides phenomenon will assert itself, namely, war. The technological developments will result in global giants who may provide an alternative world that would influence or overtake the existing political world.

YV Reddy, former RBI Governor

Roles of states, market

The relative roles of state and market are being redefined with state asserting itself over the markets. The faith in the market has been shaken. The confidence in liberalism has been undermined. The authoritarian leadership is getting increasingly popular, Reddy said.

The relationship between finance and real economy is undergoing changes. The simplistic belief that finance can lead real economy is questioned. The role of central banks is being redefined. Further, the interface between fiscal and monetary management is also in a state of confusion.

The balance between national and global is shifting in favour of nationalism. The national governments are trying to claw their policy space, particularly in the area of fiscal and finance, to be able to assume the risks as the ultimate risk bearer.

Finally, the balance between individuals and the community is getting complicated since the interaction between the individuals seem to be less personalised and more through technology. The human elements in the communities and relationship between the governments and the communities are getting weaker, he said.

Dealing with a number of subjects, including emerging challenges, Reddy said, "I have become more humble than ever before in understanding the immediate future."

He said India is increasingly influenced by the global developments and India also contributes to global developments more than in the past. In a way, all choices should be seen in the global context also.

PUBLICATION: The Hindu Business Line

DATE: 27 November 2019

EDITION: All Editions

PAGE: 6

The pursuit of too much labour flexibility

Proposals in the Code on Industrial Relations give employers excessive room and may start a race to the bottom in labour standards

KR SHYAM SUNDAR

There have been news reports that the Union Cabinet has approved the Industrial Relations Code with some significant changes. The fact that the Central government had taken up the reform measures by starting with the so-called worker-friendly wage code reflects the sensitive nature of the Code on Industrial Relations (CIR).

The existing law stipulates that industrial establishments (factories, plantations and mines) employing 100 or more workers must secure prior permission from the appropriate government for layoffs, retrenchment of workers or closure. The Central government in the draft CIR (March 2015, *https://www.prsindia.org*) proposed raising the threshold from 100 to 300, which was objected to vehemently by all central trade unions (CTUs), including the BMS.

In March 2018, the Centre introduced the fixed-term employment (FTE) contract option, which was also criticised by the CTUs. Meanwhile, a few State governments (like Rajasthan and Assam) amended the Industrial Disputes Act, 1947 to change the threshold from 100 to 300. It is in this context the proposed changes need to be seen.

Employment threshold

The proposed CIR retains the present threshold of 100 while empowering the appropriate government for "changing 'such number of employees' through notification (executive order)." It is quite evident that the Centre has at one stroke sought to appease both CTUs and the industry.

The industry can look forward to "such government notifications", which do not need legislative processes (which makes lobbying for flexibility easier and lowers transaction costs).

The Central government will tell the CTUs that the Central law remains unchanged and since "labour" is on the Concurrent List, the State governments can change the threshold as they deem necessary.

So, the labour law reform battle has shifted from the 'national' to the 'regional' terrain. The measure is a double-whammy, because the proposed hike in the retrenchment/closure compensation (from 15 days to 45 days of average salary) will be dropped,no change in the threshold in the law; even if an executive order provides for it, it may not be uniform.

Temporary jobs No safeguards in FTE

The proposal will lead to a "race to bottom" in labour standards. What prevents one State from not altering the threshold more radically than another, to provide "labour flexibility sops" to potential and existing investors? The incentive to do so is strengthened by two institutional factors at the regional level — absence or limited use of social dialogue forums; and weak bargaining power of trade unions *vis-à-vis* the government and industry (thanks to unbridgeable political differences amongst trade unions).

Permanent FTE

The Centre is also proposing to 'legalise' FTE with attendant benefits as enjoyed by comparable regular workers. A scrutiny of the existing FTE law shows that apart from extending proportionate benefits, it is bereft of job security safeguards. For example, there is no bar on the tenure and the number of renewals of FTE contracts: this means a worker could be on a FTE contract for any periodand the FTE may be renewed indefinitely, which will add to another precarious labour situation — "permanently FTE".

In several countries, FTE can be used only on certain grounds — for example, as replacement for pregnant or injured workers or for seasonal business. But in India, these conditions are not specified. Thus, the probability of conversion of the "regular vacancies" in the future (as regular workers retire, resign etc) into FTEs will be higher.

Also to be noted are the amendments made to the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 by States such as Rajasthan and Maharashtra, to apply this law to contractors and principal employers with 50 or more workers. Further, the proposed Code on Occupational Safety and Health provides for special-work contracts even if the contractors are not able to comply with the requisite criteria in the Code. This means petty contractors who are more likely to violate labour laws will go unregulated.

Hence, even the "good" proposal by the Finance Minister of provision of "gratuity" to the contract workers lacks credibility. Will labour-cost minimising employers prefer FTE to cheaper (no proportionality rule still in the law) and easily dispensable contract workers? And if contract workers must be provided "gratuity", then other flexi-category workers will be preferred to them; given higher transaction costs of the latter apart from the rise in labour cost. The irony is the hierarchical preference of flexible labour, without accounting for productivity effects.

Now employers have too much flexibility to toy with. At the same time, the resultant unemployment (even short-term), underemployment (a FTE in place of a "job"), income and social insecurities, etc., arising from an aggressive flexible labour market will further weaken aggregate demand even as the economy is on a downward spiral.

The writer is Professor, XLRI, Xavier School of Management, Jamshedpur

PUBLICATION: The Hindu

DATE: 20 November 2019

EDITION: Hyderabad

PAGE: 2

'India most vulnerable to oil price, capital flow shocks'

Ex-RBI governor says it is important to take note of the new bi-polar world that is emerging

SPECIAL CORRESPONDENT
HYDERABAD

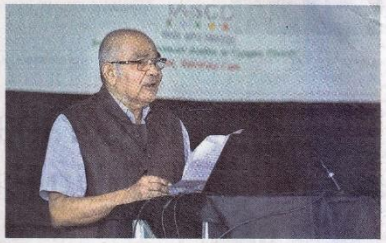

Former RBI governor Y.V. Reddy addressing a two-day leadership conclave in the city on Tuesday. ▪ ARRANGEMENT

Oil price and capital flow shocks are two potential risks for India from the uncertain global geopolitics, former governor of the Reserve Bank of India (RBI) Y.V. Reddy said here on Tuesday.

"In the short term, at least there are two potential risks that may arise from Middle East-Iran and US-China [trade war]. There are two likely sources of impact - oil price shock and capital flows. And, the country most vulnerable to these two shocks is India," he said.

Mr. Reddy, who was addressing a two-day leadership conclave being organised here by the Institute of Advanced Studies in Complex Choices in association with XLRI Jamshedpur, said "in fact these are the only two shocks that our external sector is vulnerable to".

Stating that it was also important to take note of the new bi-polar world that is emerging, he said "in the old bi-polar world, Russia and America were different spheres. The inter-linkages were minimal. [Whereas] today the linkage between Chinese economy and US economy is very strong. At the same time they are quarrelling".

"Coming from a village, I can understand this politics, especially in Kadapa district [of Andhra Pradesh] where two landlords fight with each other till such time others challenge them. The moment others challenge them, they join together. So therefore it is a new bi-polar world where the rest of the world is at the mercy of the two [the U.S. and China]. It is new dynamic geo politics," Mr.Reddy said.

He also underscored the need to work towards addressing the challenges posed by climate change, demographic divergences and technology. Collective action is inevitable on climate change, but becoming increasingly difficult, he said.

While demographic divergences were seriously affecting the macro-economic balances and more important the compulsions to migrate, there is, as yet, no agreement on managing the migration that is inevitable. Technology is the third important element that will disturb the global balances in future, Mr. Reddy added.

PUBLICATION: The Indian Express

DATE: 22 November 2019

EDITION: All Edition

PAGE: 15

SIMPLY PUT QUESTION & ANSWER

Labour Code Bill decoded

What are the changes in The Industrial Relations Code Bill, 2019, approved by the Union Cabinet this week? Why has industry welcomed it, and what are the issues that its critics have flagged?

AANCHAL MAGAZINE
NEW DELHI, NOVEMBER 21

The Bill represents the legal framework for ushering in the concept of 'fixed-term employment' through contract workers on a pan-India basis. *Express Archive*

THE UNION Cabinet on Wednesday approved The Industrial Relations Code Bill, 2019, which proposes to amalgamate The Trade Unions Act, 1926, The Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946, and The Industrial Disputes Act, 1947.

Last year, the government had floated a draft Note for the Cabinet along with The Labour Code on Industrial Relations Bill, for inter-ministerial consultations. This is the third Code in the government's proposed codification of central labour laws into four Codes.

Parliament has already approved The Code on Wages, 2019. The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code was introduced in Lok Sabha in July, and is now with the Standing Committee on Labour, which has invited public comments on it. The draft of the Social Security Code has been circulated for public comments.

Importance of the Bill

Apart from offering some degree of flexibility on government permissions for retrenchment, the most important aspect of the Bill is that it presents the legal framework for ushering in the concept of 'fixed-term employment' through contract workers on a pan-India basis.

Currently, companies hire contract workers through contractors. With the introduction of fixed-term employment, they will be able to hire workers directly under a fixed-term contract, with the flexibility to tweak the length of the contract based on the seasonality of industry. These workers will be treated on a par with regular workers during the tenure of the contract.

The move to include it in a central law will help in wider reach, and states are expected to follow similar applicability. The government had tried a move last year to apply fixed-term employment across "central sphere establishments" (which are establishments under the authority of the central government, Railways, mines, oilfields, major ports, or any other central public sector undertaking) in all sectors, but it failed to elicit the desired results as states did not notify similar provisions for it. The Bill now ensures a pan-India impact of this move.

Changes in the Bill

The threshold required for government permission for retrenchment has been kept unchanged at 100 employees, as against the proposal for 300 employees in an earlier draft of the Bill, which was opposed by trade unions.

Instead, the government has now provided flexibility for changing the threshold through notification. The rigidity of labour laws about laying off labour has often been cited by industry as the main reason limiting scalability and employment generation. At present, any company having 100 workers or more has to seek government approval for retrenchment.

The provision of fixed-term employment, which helps in the flow of social security benefits to all workers along with making it easier for companies to hire and fire, in The Industrial Relations Code Bill.

Last year, the government had included the category of 'Fixed Term Employment Workman' for all sectors in the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946. This was only applicable to 'central sphere' establishments, and the states did not follow suit. Finance Minister Nirmala Sitharaman said Wednesday that workers under a fixed-term contract would be taken up depending upon the seasonality of the industry, but would be treated on a par with regular workers.

Opposition to the Bill

While industry has welcomed the changes, others have said that the unclear provision regarding retrenchment would lead to uncertainty, and discretionary behaviour during implementation by the central or state government.

K R Shyam Sundar, labour economist and professor of Human Resources Management at XLRI, said this change tries to please both parties — the employers and the trade unions.

"The moment you provide flexibility for the applicability, then it leaves the matter to the discretion to the appropriate government (states or Centre). Then the clause can be misused. Any discretion in law leads to uncertainty, lack of clarity, discriminatory implementation, and provides scope for unnecessary usage. The government should be clear whether to increase the threshold or retain the threshold and face the consequences. This is a kind of appeasement to both sides, which will not actually provide relief to either of them," Prof Sundar said.

Also, fixed term employment needs to be introduced with adequate safeguards, otherwise it runs the risk of encouraging conversion of permanent employment into fixed-term employment, he said.

Welcoming the Bill

Industry has welcomed the Bill since it has met their demand of providing flexibility in retrenchment. M S Unnikrishnan, Chairman, CII National Committee on Industrial Relations, and MD & CEO, Thermax Ltd, said that for more employment in the organised sector, industry would demand flexibility.

"The original laws were made at a time when one would join and retire from the same company. Earlier, there were so many interpretations, and simplifying so many laws into four Codes is a good thing. There is no intention of industry to exploit labour, but one cannot run the company to create employment — it has to be commercially viable.

"Today we are competing with global players so there should be a level playing field. We want to protect employment as much as possible, when there is commercial viability. There is no unending amount of money available with anyone of us to continue to employ labour when business is not viable," Unnikrishnan said.

Fixed-term employment will help in keeping salaries and facilities to workers such as PF, gratuity, and medical benefits, the same as those for permanent labour, he said, adding that inclusion in the central law will help in applicability of fixed-term employment uniformly across the country.

PUBLICATION: The Pioneer

DATE: 20 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 2

XLRI concludes 2nd edition of techno-event

Conclave included various events &workshops with emphasis on technologies

PNS ■ JAMSHEDPUR

Cygnus 2019, the 2nd edition of XLRI's Operations and IT conclave has successfully concluded. This edition of Cygnus was held under the theme Industry 4.0. A two-day symposium jointly organised by AXIOM—the Operations Club and SOCRATES —the IT Club of XLRI attracted a total footfall exceeding 1500 attendees and saw a participation of more than 50 pan India teams in its case study competition, Encephalon.

The conclave included various events and workshops with emphasis on technologies like IoT, Data Analytics and Blockchain and their implementation in Operations Management The conclave kicked off with an interactive workshop on Industrial IoT conducted by Arup Chakraborti—founder, Greenwave Solutions Pvt Ltd, attracting engineering and management minds alike. It was followed by a guest session on Digital Twin by Prof. Surjya K Pal—CoE on Advanced Manufacturing Technology, IIT Kharagpur and a workshop on Industry 4.0 by Smriti Agrawal – head, digital and analytics, Tobacco Division, ITC.

The second day was attended by guest sessions on Tata Steel's journey in intelligent manufacturing, delivered by Ranjan Kumar Singh – head, Slab Casting and Akshay Khullar – chief, LD2 and Sand Casters. Case competition, Encephalon was held on operations management, in association with Swiggy, where student teams from Delhi Technological University and NITIE Mumbai, took home the winners and runners up prizes respectively. A participative session on Industry 4.0 by Shailender Singh, DGM-Business Excellence, from ITC Paperboards and Specialty Paper Division and the introduction of XLRI's IoT lab drew the event to a close.

Cygnus aimed to help management students become accustomed to new technologies and promote innovation in businesses. Technology promotes innovation, making businesses more efficient and competitive in the market.

Cygnus intended to provide students a valuable insight into the rapidly developing technological space, thereby helping them stay ahead of the game and make informed technology related decisions as future leaders.

AXIOM is an initiative, started in 2004 by the students and the faculty of XLRI to help the students gain an insight to the intricacies of industrial and operations management.

It is an attempt of this society to extend the understanding of the international best practices and develop interest among students for the same.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 16 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

Teachers receive lessons on drama, storytelling

XLRI holds two-day workshop at campus

PNS ■ JAMSHEDPUR

The Centre for Peace and Justice, XLRI and Centre for Research and Training in Educational Leadership organised a two days Drama and Storytelling Workshop 'The Creative & The Critical: Transforming Through Creative Learning' by a world-renowned theatre artist, playwright, actor and master story-teller Mr Daniel Kelin from the Honolulu Theatre, USA and also affiliated with the National School of Drama, Agartala.

The theme of the workshop was "The Creative and Critical: Transforming through Creative Learning".

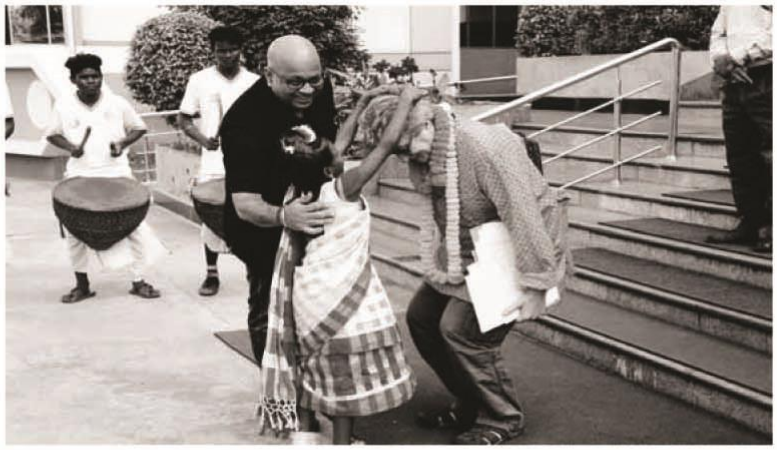

Renowned theatre artist Daniel Kelin from USA is being welcomed at XLRI campus PNS

Daniel was welcomed by a group of Santhali dancers from Jamshedpur and girls from the local Sacred Heart Community College followed by a formal inauguration in the presence of Fr. Francis Peter, S.J., Professor Paramjyot Singh and Sister Valsa. The workshop was attended by teachers from various schools around Jamshedpur like KPS Schools located in Gamharia, Mango, Kadma, Burma Mines and NML. Other schools were JH Tarapore, Jusco School South Park, Kasidih High School, Sacred Heart Convent, Gulmohur School and Loyola School,Baripada. The participating students of Loyola College of Education and Carmel Community College felt deeply inspired by Daniel Kelin's use of innovative techniques to make drama and story-telling an integral part of their teaching-learning tools and create high impact environment for students.

At XLRI Daniel also interacted with the Dracula drama group and GMP students on using drama and theatre as a tool to break free of inhibitions and develop new theatre techniques.

The students were fascinated by his storytelling and teaching of the art of writing a script, planning a drama and developing the plot. Professor Paramjyot Singh, chairperson, Centre for Peace and Justice, XLRI Jamshedpur, said, "The theatre workshop was indeed a very successful one. The participating teacher and student community got a deep understanding that making drama and story-telling an integral part of the teaching–learning tools can create a high impact environment for students.

Participants got the opportunity to interact with a distinguished Fulbright Academic and Professional Excellence Awardee Daniel Kelin. We at Centre for Peace and Justice, XLRI are extremely happy to host this workshop.

"Daniel Kelin has trained tens of thousands of school children and teachers through creative engagement of drama and storytelling both in India and USA. He makes a special connection with India by saying, "He is a man of birth in the USA and his soul is in India".

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 26 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI increases XAT 2020 exam centres across country

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI-Xavier School of Management has increased the number of examination centres for XAT (Xavier Aptitude Test) 2020 to 72 centers all across India. The XAT 2020 is scheduled to be held on January 5, 2020.

Father P. Christie S.J., director, XLRI - Xavier School of Management said that XLRI has been conducting XAT on behalf of XAMI for over 60 years on an all India level to select the most suitable students for management education.

XAT, though one of the oldest competitive examinations in the country, has always kept pace with the cutting-edge testing methodology. XAT's multi-dimensional testing framework is designed to meaningfully assess the aptitude of candidates for future business success. The examination focuses on a multi-dimensional examination structure and fairness, to assess candidates aspiring to be future business leaders.

XLRI conducts the XAT exam on behalf of XAMI for more than 60 years at all India level. Besides XLRI, the XAT score is used by more than 150 institutes for the admission across India. Since 2018, the XAT has adopted the online test

mode. From 2020, XAT has increased the number of examination centres.

XAT 2020 would be conducted from 72 centers all across India that will include the following cities - Agra, Ahmedabad, Allahabad, Ambala, Amravati, Amritsar, Bengaluru, Berhampur, Bhatinda, Bhilai Nagar, Bhopal, Bhubaneswar, Bokaro Steel City, Chandigarh/Mohali, Chennai, Coimbatore, Cuttack, Dehradun, Delhi-NCR, Dhanbad, Dibrugarh, Durgapur/Asansol, Ernakulam, Gandhinagar, Goa, Gorakhpur, Guwahati, Gwalior, Hooghly, Hubballi(Hubli), Hyderabad, Indore, Jabalpur, Jaipur, Jammu, Jamshedpur, Kannur, Kanpur, Kolkata, Kota, Kottayam, Kurnool, Kurukshetra, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mangalore, Mumbai, Mysuru(Mysore), Nagpur, Nashik, Patna, Pune, Raipur, Rajahmundry, Ranchi, Roorkee, Rourkela, Sambalpur, Siliguri, Surat, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Tirupathi, Tiruvallur, Udaipur, Udupi, Vadodara, Varanasi, Vijayawada, Visakhapatnam and Warangal.

Candidates holding recognised bachelors degree of minimum three years duration or equivalent in any discipline or students completing their final examination by June 10, 2020 are eligible to appear for XAT 2020. NRI and Foreign candidates can apply through GMAT score. Results are expected to be declared by January 31, 2020.

With XAT 2020, XLRI would be accepting applications for the first batch of aspirants for its new XLRI Delhi-NCR Campus (which is subject to the formal approval from AICTE) besides XLRI Jamshedpur.

Fr P Christie SJ, Director, XLRI commented on this new update, "XAT 2020 is extremely significant for XLRI as from this year we would start accepting applications for the first batch for our new XLRI Delhi-NCR Campus with two sections of PGDBM Program, which is subject to the formal approval from AICTE."

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 19 November 2019
EDITION: Kolkata/New Delhi
PAGE: 16

Centenary celebration

Commemorating 100 years of International Labour Organisation (ILO), XLRI-Xavier School of Management organised a seminar on ILO's centennial theme--"The Future of Work" at XLRI campus, Jamshedpur recently.

The seminar was graced by Dagmar Walter, director, ILO, DWT for South Asia and Country Office for India. At the inaugural session, Fr P Christie, director, XLRI and Ashish K Pani, dean, academics, XLRI were present. Walter delivered the inaugural address.

The half-daylong seminar was attended by eminent experts from ILO, Future of Work Commissioners from India, academics, industry and former high ranking government officials and trade union leaders. They spoke on the challenges and opportunities arising out of the dynamics of the future of work in India and also provided multiple perspectives on the same.

PUBLICATION: The Statesman

DATE: 26 November 2019

EDITION: Kolkata/New Delhi

PAGE: 16

PLUS POINTS

Stress on technologies

XLRI- Xavier School of Management recently hosted its flagship techno-operations event Cygnus 2019. Jointly organised by Axiom— the operations club and Socrates— the IT club of XLRI under the theme "Industry 4.0", the conclave included various events with emphasis on technologies like IoT, data analytics and blockchain, and their implementation in Operations Management. Cygnus 2019 focused on the applications of IoT and how it has started shaping the industries.

The event started with an interactive workshop on Industrial IoT conducted by Arup Chakraborti, founder, Greenwave Solutions Private Limited. The three-hour workshop session opened up the students to a plethora of avenues of IoT. The second day was graced by guest sessions on TATA Steel's journey in intelligent manufacturing. Case competition-- Encephalon was held on operations management where student teams from Delhi Technological University and NITIE Mumbai, took home the winners and runners up prizes respectively. A participative session on Industry 4.0 and the unveiling of XLRI's IoT lab drew the event to a close.

PUBLICATION: The Statesman

DATE: 29 November 2019

EDITION: Kolkata/New Delhi

PAGE: 16

Theatre workshop

The Centre for Peace and Justice, XLRI and Centre for Research and Training in Educational Leadership organised a two-day drama and storytelling workshop "The Creative and The Critical: Transforming Through Creative Learning" by a world-renowned theatre artist, playwright, actor and master story-teller Daniel Kelin from the Honolulu Theatre, USA.

Kelin was welcomed by a group of Santhali dancers from Jamshedpur and girls from Sacred Heart Community College. This was followed by a formal inauguration in the presence of Fr Francis Peter, SJ, Professor Paramjyot Singh and Sister Valsa.

The workshop was attended by teachers from various schools around Jamshedpur. The participating students of Loyola College of Education and Carmel Community College felt deeply inspired by Kelin's use of innovative techniques to make drama and storytelling an integral part of their teaching-learning tools. The students were fascinated by his storytelling and teaching of the art of writing a script, planning a drama and developing the plot.

PUBLICATION: The Telegraph

DATE: 25 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 7

XAVIER APTITUDE TEST ON JANUARY 5

XLRI Jhajjar gets ready for first batch

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: Students who pass the Xavier Aptitude Test (XAT) will now be able to get admission to XLRI's Delhi-NCR campus in Jhajjar, Haryana.

XAT is scheduled to be conducted online on January 5 in 72 cities across the country.

The registration process will close on November 30.

The Jhajjar campus of XLRI is expected to start its first academic year from June 2020 with 120 seats in business management.

Students seeking admission to the Jamshedpur campus can apply for two year postgraduate diploma in business management and human resource management programmes.

"XAT 2020 is extremely significant for XLRI because we will start accepting applications for the first batch for our new XLRI Delhi-NCR campus with two sections of PGDBM (postgraduate diploma in business management) programme, which is subject to the formal approval from All India Council for Technical Education (AICTE)," Father P. Christie, director of XLRI, said.

Officials said all the formalities and paperwork required to start the two-year business management course on the new campus were in place. "We have to approach the AICTE for approval in December. The Jhajjar campus is also nearing completion," one of the officials said.

The foundation stone of the Jhajjar campus was laid by cabinet minister in the Haryana government Om Prakash Dhankar on 16 January 2017.

The Rs 165.20-crore campus located around 73km from Delhi is spread across 30 acres.

Students will have to apply separately to both the campuses — Jamshedpur and Jhajjar. The other two campuses in Mumbai and Amravati will be started later. The Amravati campus will also offer undergraduate courses.

XLRI has been conducting the XAT exam for more than 60 years.

Besides XLRI, the XAT score is used by more than 150 institutes for admission across India.

"XAT, one of the oldest competitive exams in the country, has always kept pace with the cutting-edge testing methodology. XAT's multi-dimensional testing framework is designed to meaningfully assess the aptitude of candidates aspiring to be future business leaders," Father Christie said.

The results of XAT is expected to be announced on January 31.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 1 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

4 DAYS OF CELEB SPARKLE & BRAINY BATTLES AT XLRI ANNUAL FEST

Valhalla, party time for cub corporate honchos

XLRI in Jamshedpur on Thursday. Picture by Bhola Prasad

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: In Norse mythology, Valhalla is the place where slain heroes enjoy afterlife. Well, one does not have to go to such extremes to enjoy XLRI's Ensemble-Valhalla, the four-day cultural fest of the B-school that starts from Friday.

Ensemble-Valhalla, the cultural, sports, and management fest, will stay true to its theme of Break Free while hosting celebrities, over 500 students from various B-schools from across the country, "future leaders" from school and college campuses and a dazzling array of competitive events.

Well-known Bollywood character actor and entrepreneur Akash Khurana will inaugurate the event on XLRI premises.

Others guests at the fest will include Arijit Biswas, a senior HR executive at TCS who also co-wrote the cult movie *Andhadhun*; Virali Modi, a young disability rights activist who contracted a severe form of malaria that left her tied to a wheelchair but transformed her into a motivational speaker; Nikhil D'Souza, song-writer, singer and guitarist, and Varun Mahana, an entrepreneur.

Likhita Y., a student of XLRI, said their fest was getting "bigger and better every year".

"It's a talked-about event across campuses in India, thanks to our flagship events, eclectic guests, and the sheer variety of our competitions," she said. "The prize money of the most premier business contests can surpass Rs 1 lakh."

The sports and cultural wing of the fest organisers host dances, plays, battles of the bands, debates, sports and games from chess to cricket and tennis to futsal (football played on hardcourt, often indoors, with five players per team).

But, many future captains of the industry come for the over 50 business events designed to test the students intellectually and creatively while giving them a feel of a live corporate ambience.

"Yes, it's perfect to test if you can think on your feet in tough situations," said Likhita. "You get live projects, case studies and simulations. The exciting flagship events include Prometheus (finance), Circus Maximus (marketing), War of Wits (human resources), Strike or Yield (industrial relations), Genesis (entrepreneurship), Strategikon (strategy) and Helios (operations)," said the student.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 1 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

GOOD MORNING

EVENTS

■ Inauguration of Ensemble-Valhalla on XLRI campus, Jamshedpur, 9.30am,

PUBLICATION:The Telegraph
DATE:4 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:11

OVER 5000 CHEER AT MUSIC CONCERT

XLRI bash ends with a bang

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: Premier B-school XLRI's annual bash, Ensemble Valhalla, ended with a bang on Sunday.

Singer Nikhil D'souza and rapper Divine brought down curtains on the high-profile event that had around 50 business and culture-based events, and 18 sports events. Over 5,000 students and guests on XLRI's football grounds attended the concert.

Deepansh Gupta, a student of XLRI, called it an Ensemble-Valhalla tradition. "It always ends with a live music concert and we want everyone to come and cheer. The crowd was roaring tonight (Sunday)," Deepansh said.

More than 10 B-schools took part in the events this year. At least 1,500 guests, including students from outside, attended the event. Team XLRI, as hosts, were in full attendance.

The final day of the event that started from November 1 had many events and competitions. The day started with the final rounds of multiple events that included a stage play, future leaders programme, Masterchef, The Next Gen Leader (TNGL), a fashion show and Spotlight (monodrama). Other events included Bid it like Beckham, a strategy based auction game; The Newsroom (a mock news meet) and Once upon a Time (story building and speech).

By the time the report was filed at 7.30pm on Sunday, Kabir Joshi from Tata Institute of Social Sciences (TISS), Mumbai, had been declared the winner of The Next Gen Leader. Kabir's win was one of the most awaited disclosures on Sunday as this event had the highest prize money — a cool Rs 1.2 lakh.

In sports, the final day saw women's cricket finals as well as many other final face-offs including volleyball, badminton and futsal. XLRI won most of the events, including volleyball (men and women), women's basketball, women's table tennis and men's badminton.

But, it was not all leadership and sports. Like every year, Masterchef was one of the most popular events during the B-school fest. The faculty and students cooked delicious dishes and showed off their culinary skills in interesting rounds such as guessing the ingredient and dessert making.

The two-day event Future Leaders Program also reached its final stage of workshops and counselling sessions on collective intelligence, creative thinking and talks on offbeat career options available.

WINNING INGREDIENT: Students (top) plate dishes in Masterchef as part of the XLRI fest, Ensemble-Valhalla, on Sunday in Jamshedpur; and play basketball. Telegraph pictures

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 8 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

ENTREPRENEURS CAFÉ THIS WEEKEND PROMISES GOODIES APLENTY

Have a business plan? Get heard at XLRI

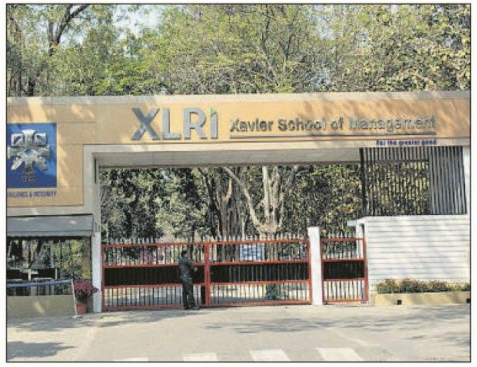

XLRI Jamshedpur

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: If the bee in your bonnet is business, this weekend at XLRI is for you.

Aspiring entrepreneurs from schools and colleges will get an opportunity to present their ideas at the Entrepreneurs Café at Tata Auditorium, XLRI.

The Entrepreneurship Cell of XLRI and its incubation centre XCEED are all set to organise the two-day Entrepreneurs Cafe on November 9 and 10 to promote a zeal for entrepreneurship among youngsters from colleges, B-schools and schools.

The Telegraph is the media partner of the event.

On Day One, Entrepreneurs Café will host a B-Plan contest where around 20 students from six outstation colleges — Indian Institute of Management-Ranchi; St Xavier's College, Calcutta; VIT-Vellore; Sriram College of Commerce, New Delhi; Symbiosis Institute of Business Management, Pune; and GH Raisoni College of Engineering, Nagpur; among others.

The best idea will win the team a grand total of Rs 45,000 in prize money and a trip to Singapore and back. The next best idea will win Rs 25,000 and the third, recognition for the team.

The next day, November 11, promises to be action-packed. For the first time, eight school students of Jamshedpur will get a chance to present their business ideas; and some 200 students from 10 schools will take part in a biz quiz. East Singhbhum deputy commissioner Ravi Shankar Shukla, who will be among those to hear out the schoolchildren, will felicitate the two best student ideas.

On the same day, incubatees under XCEED, who are XLRI students, will also showcase their ongoing projects at kiosks set up on campus.

Seven college students, who are startup enthusiasts, will also be selected as XCEED interns after an aptitude test and a personal interview on Day Two.

Students of host XLRI are also excited about Exalt 1.0 on the second day where keynote speakers will share their entrepreneurial experiences.

"Brijesh Agarwal, the co-founder of India Mart, and Abhishek Jaiswal, founder of Antilog Vacations are the two speakers, and everyone is looking forward to hear their stories first-hand," Disheed M., an XLRI student and executive member of Entrepreneurship Cell, said. "It will help the audience get an insiders' view of the startup world."

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 10 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI tech conclave

JAMSHEDPUR: XLRI will organise a two-day operations and IT conclave, Cygnus, on November 16 and 17, on the theme 'Industry 4.0'. The conclave will have events with emphasis on technologies like IoT, data analytics and blockchain.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 11 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

SINGAPORE TRIP PRIZE

Study app idea wins XLRI contest

OUR CORRESPONDENT

Antilog Vacations founder Abhishek Jaiswal at XLRI Jamshedpur on Sunday. Picture by Bhola Prasad

Jamshedpur: Do your big fat science and maths books make you break into cold sweat? Imagine an app that lets you download at a nominal cost specific chapters of books explaining all the tough concepts in a simple way.

Amitesh Jha, a Class X student of Loyola School, floored the judges with this idea to win the first prize at the Emerging Entrepreneurs Contest on the XLRI campus on Sunday.

The contest was part of the two-day event organised by XLRI's incubation centre and entrepreneurship cell XCEED. **The Telegraph** was the media partner for the event.

Priyanka Sinha, a Class XI student of Kerala Samajam Model School, won the second prize by pitching the idea of an electronic tablet that will not only store all the books in the school syllabus but also function as exercise books.

Around 1,600 students from 10 steel city schools had applied for the contest. A shortlist of 150 students were readied followed by a written round that further pruned the list to 30 students.

Based on an interview, eight students presented their business ideas at the event organised on Sunday evening.

The other ideas that were appreciated revolved around e-waste, menstruation apps and plastic recycling.

East Singhbhum DC Ravi Shankar Shukla, entrepreneur Vishal Kumar and Central Bank of India employee Anshu were the judges.

While Amitesh and Priyanka won a trip to Singapore, the rest bagged the opportunity to visit IIT Kharagpur.

Earlier in the day, the Entrepreneurs Cafe hosted "Exalt: Different routes to building start-ups" where Indiamart founder Brijesh Agarwal and Antilog Vacations founder Abhishek Jaiswal shared their experiences. "Nobody knows which strategy will work for whom. Entrepreneurship is not a formula," Agarwal said.

Meanwhile, IIM Ranchi won the B-plan contest hosted by Entrepreneurs Café on Saturday. The three-member team won a trip to Singapore and a cash prize of Rs 45,000.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 12 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

IIM RANCHI START-UP WINS XLRI AWARD & DOG LOVERS' HEARTS

Play dates with furry cuddle buddies

ANTARA BOSE

A dog owner spends quality time with his pet in Jamshedpur. Telegraph picture

Jamshedpur: The feeling of desperately wanting a dog and not being able to own one can be painful. However, that doesn't mean you can't enjoy the slobbering kisses and cuddles.

IIM Ranchi's start-up Shvan will enable you to enjoy quality time with a furry friend whenever you want.

The idea of a platform that connects dog lovers and owners won the Disrupt B plan competition at Entrepreneurs Cafe organised by the entrepreneurship cell of XLRI and its incubation centre XCEED on November 9-10. The three-member team of IIM Ranchi — Mahantesh Goudar, Manjusha Shrimandil and Megha Saxena — was awarded Rs 40,000 and a trip to Singapore.

Shvan also aims to address a common problem among owners of finding a suitable mating partner for their dogs.

The venture is ready to be launched within a month.

"There are many dog lovers but not all can keep one due to issues ranging from high maintenance costs and lack of dog crèches to family problems. This is where we step in. We plan to create a community of dog lovers and owners and connect them. Also, owners face a lot of problems in finding a mating partner for their dogs. We will address that issue as well. Our website is ready and we will launch it within a month," Mahantesh said.

Dog owners can register at the website for free and create a profile of their pets with their name, sex, age and vaccination details.

"Before registration, Shvan will screen the dogs to ensure they are people and child-friendly and properly vaccinated," said Mahantesh.

Dog seekers can choose from the profiles following which a request notification will be sent to both the company and the owner.

The owner can decline or accept the request. If the request is accepted, the dog seeker will have to select the meeting date, time, and place and make the payment online.

Shvan will hire people, to be called "domigos", to collect the dog from its owner's place, take it to the dog seeker and bring it back.

The start-up is looking for dog-friendly people who would love to earn through the service.

A meeting that lasts an hour will cost around Rs 100. The rate will vary depending on the time and the breed of the dog.

While a major share will go to the dog owner, Shvan and domigos will share 20 per cent each.

For mating, the dog owners will have to be pay a subscription fee to access the profiles.

"We have plans to extend the services to other kind of pets such as cats and birds. We are also planning to build a community for rescued dogs to find a forever home," Mahantesh added.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 13 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

How to use theatre at work

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: Simple theatre techniques can change your way of working, especially in education.

That is what around 25 schoolteachers from city schools learnt — that instead of statements to their students in the classroom, it is better if they involve the children in the process of learning.

Teachers and students of XLRI learnt the nuances of drama approaches from Daniel Allen Kelin II, from the Honolulu Theatre for Youth, Hawaii, US, who was on a two day visit to XLRI for short workshops on Monay and Tuesday. The two-day drama and storytelling workshop, "The Creative & The Critical: Transforming Through Creative Learning", was organised by XLRI's Centre for Peace and Justice, and its Centre for Research and Training in Educational Leadership.

Kelin, a Fulbright-Nehru senior research scholar in education in India, has also had fellowships with Montalvo Arts Center, Theatre for Young audiences/USA and the Children's Theatre Foundation of America. He is also affiliated to the National School of Drama, Agartala and has been in India this time since August this year.

"I told the teachers about simple drama approaches in their teaching," said Kelin, who tries to interrogate the efficacy of theatre to address contemporary issues and maximise learning.

"We are a society with teacher-focused approach which needs to be shifted to children focused. Times are gone when the teacher was the source of information. Now children have access to all kinds of information and thus teachers have to encourage students to be creative thinkers."

DRACULA (Dramatics and Cultural Association of XLRI), the dramatics club of XLRI, and some GMP (general management programme) students too attended a session by Kelin.

The GMP students performed a 10-minute act titled The twisted fairytale and performed for Kelin on Monday night. Based on his feedback, they again performed it with improvisations that the participants said was a great learning that would also help them to work in the corporate sector.

Right from reading a script, differentiating between characters and emotions and how to connect with the audience, students learnt how to use the power of theatrics in daily life. "It will help us a lot," said GMP student Saurav Drolia. "He taught us how to be a good leader with the perfect body language. Now I know how to change bad food of my juniors in office through body language and getting into a happy character."

Daniel Allen Kelin conducts the workshop with school teachers at XLRI on Tuesday.
Picture by Bhola Prasad

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 17 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

STUDENTS OF TWO STEEL CITY SCHOOLS SHINE IN ENTREPRENEURSHIP CONTEST

Young troubleshooters win tickets to Singapore

Students take part in the entrepreneurship contest at Motilal Nehru Public School in Jamshedpur on Saturday. Picture by Bhola Prasad

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: Troubleshooting, one of the key traits of start-up aspirants, was put to test at an inter-school entrepreneurship competition organised by Motilal Nehru Public School on their campus in Sakchi on Saturday.

More than 30 students from 17 city schools took part in the CEO of the Day contest to prove their mettle as future entrepreneurs.

The competition was won by Little Flower School in the senior category (students of classes XI and XII) and Jamshedpur Public School in the junior category (classes IX and X).

The winning teams, which had two students each, were awarded with Singapore tickets sponsored by Learning While Travelling, a Calcutta-based start-up.

Other participating students won discounts on trips to IIT Kharagpur. Six students also won a free trip to IIT Kharagpur after a lucky draw.

XLRI faculty member Sunil Sarangi gave away the prizes along with secretary of Motilal Nehru Public School D.P. Shukla and Ashu Tiwary, principal of the host school .

The competition comprised three stages. In the first round, participants needed to write down their answers with explanation. This was followed by a group discussion where teams had to answer questions by the judges. The last round was a team interview.

"We were first given a problem with three possible solutions out of which we had to choose one. The problem was: how can students get help on career choices? We had to choose a solution and justify it. We also had to explain why the other two solutions won't work," said G.S. Vishnu, a Class XII student of Little Flower School, who contested with his friend Debarati Pal and won.

Vishnu and Debarati said connecting students with those studying in colleges would reduce their stress over the choice of careers because they could relate more to their immediate seniors. Also, they can develop a community similar to Quora to help each other.

The team from Jamshedpur Public School also picked the same option because of its effectiveness. They also proposed the creation of an app for students where they could take a quiz.

"Based on the answers, the app will suggest the best suited career options to the user,"said Smriti Upasana, a Class X student of Jamshedpur Public School who had teamed up with Ananta Bose from Class IX.

"The other two options were online portals with career details and professional counsellors who charge hefty amounts of money. Students were free to give a fourth solution, which could have been a mix of the existing ones or a new one," said Vishal Kumar, the founder of Learning While Travelling.

Students of DAV Public School, Bistupur, Hill Top School, Dayanand Public School, Rajendra Vidyalaya, Kerala Samajam Model School, Gulmohur High School, Jusco School South Park, Loyola School and DBMS Kadma High School also took part.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 18 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

This election, all eyes on Jam East front

Challengers Saryu, Vallabh eye CM Das's pocketborough; poll drama never hotter

SANJEEV KUMAR VERMA & KUMUD JENAMANI

Ranchi/Jamshedpur: The BJP denying a ticket to its veteran sitting Jamshedpur West MLA and state minister Saryu Roy has created a domino effect with far-reaching implications this Assembly polls.

Roy on Sunday decided to contest chief minister Raghubar Das's seat, Jamshedpur East as an Independent, the ripples of which could be felt in the BJP, Roy and Opposition camps, as well as among the voters of the constituency stunned by the turn of events.

The Congress on Saturday fielded from Jamshedpur East a strong candidate, former XLRI professor Gourav Vallabh. Vallabh, in a television debate in September this year, had silenced BJP spokesperson Sambit Patra by asking him how many zeroes there were in a trillion.

Now, with Roy jumping in the fray in Jamshedpur East against chief minister Das, the Congress is worried that this will eat into Vallabh's votes.

Adding its twist in the tale is the Jharkhand's main Opposition party, the JMM, which has backed Roy for protesting numerous times against the alleged highhandedness of Das. At the time this story was filed on Sunday evening, both Congress and JMM stuck to their guns.

A divided Opposition, torn between Roy and Vallabh, can only help Das in the Jamshedpur East polls on December 7, unless voters spring the final surprise.

"Gourav Vallabh is an upright person with a spotless image. He has taught in XLRI Jamshedpur for years. Vallabh has called the bluff of the BJP at every possible occasion. He'll take up the issues that concern people and not indulge in lip service like the present CM," Congress state minder R.P.N. Singh on Sunday said.

On whether alliance partners JMM and RJD would support Vallabh, Singh said that all the partners were on same page.

Poll ally JMM toed a different line. Party general secretary Supriyo Bhattacharya said that his party's working president Hemant Soren had already appealed to all the Opposition parties to support Roy in his fight against Das.

Quizzed about the Congress move to field Vallabh from the same seat, Bhattacharya said: "Things are changing very fast in Jharkhand. The Congress brought its candidate because that seat (Jamshedpur East) had gone to its quota. Let's see what the Congress does in the wake of these latest developments. We are waiting for response of Congress after the appeal made by our party leader (Hemant)."

Raghubar Das prays at Risaldar Baba's Mazar in Ranchi on Sunday, his rivals Gaurav Vallabh and Saryu Roy in Jamshedpur on Saturday and Sunday. (Manob Chowdhary & Bhola Prasad)

In Jamshedpur East, dominated by over 86 urban slums, many voters seems unequivocally tilted towards Roy. Of the total 2.89 lakh voters in Jamshedpur East, about one lakh voters reside in slums.

Many unauthorised slum-dwellers in Baridih, Bagunnagar, Birsanagar and Bagunhatu, who had propped up Das for years in the hope that he would give them "*malikana haq* (ownership rights)" over slum land, seem to be looking at the alternative in the form of Roy.

"Raghubar Das has been promising to give us *malikana haq* for the past five terms and winning all the elections. And yet he did not fulfil his promise," said Gautam Prasad, 36, of Bagunnatu.

"I've never voted in my life but this time I will vote for Saryu Roy because I believe he is trustworthy. He is a man of his word. He can give us our *malikana haq*."

Another voter, Kamta Prasad, 52, who runs a fruit shop at Pandey Market in Baridih, said he had been voting for the BJP since 1980, but this time he might vote for Roy instead.

"I have no grudge against CM Raghubar Das, he has done a lot for the development of the people here, especially in slums. But he has not been honest enough to keep his word on *malikana haq*," Prasad said. "I believe Roy can."

However, many believe Das has done whatever could be done for the slum-dwellers. Khemlal Chaudhury, president of Bustee Vikas Samiti, the outfit fighting for the cause of settling the issue of 86 slums, backed the chief minister on Sunday.

"Look *malikana haq* is not an easy thing to give. The issue of giving slum-dwellers their ownership rights got complicated when it got entangled with tribal land under Chotanagpur Tenancy Act. Despite this, CM Raghubar Das arranged to provide 30 years' lease to the residents of these 86 slums. Nothing more can be done," Chaudhury, who is also the president of BJP's Telco mandal, said.

Das, through a cabinet decision in January 2018, had declared that the slum dwellers who had set up houses without authorisation prior to January 1, 1985, would be entitled for a 30 years lease.

"I agree that the process of lease is a bit slow, but it is being done," Chaudhury said.

Around 30 candidates are in the fray in Jamshedpur East, prominent among them being Das (BJP), Roy (Independent), Vallabh (Congress), and JVM's Abhay Singh.

BJP dare

Ranchi: The BJP on Sunday dared Vallabh to a debate with party spokespersons on Jharkhand. "I dare him to an open debate on a platform of his choice with spokespersons of our party on Jharkhand. Only then he should think of challenging Raghubar Das who has scripted development for the state on all fronts," BJP spokesperson Pratul Sahdeo said, but refused to utter a word against Roy.

JMM expels four

The JMM expelled four office-bearers, Mahadeo Munda, Mukesh Kumar Mahto, Faiyaz Shah and Anup Kumar of Ranchi district unit, on Sunday for "anti-party activities". The party also named Sushil Kumar Laung as its Khunti candidate on Sunday.

JVM names five

The JVM on Sunday announced five names, including JMM MLA Shashibhushan Samad who joined the JVM on Sunday, and activist Dayamani Barla. Samad will contest from Chakradharpur and Barla from Khunti.

PUBLICATION: The Telegraph

DATE: 18 November 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 9

TRADE TALK

FUTURE OF WORK: XLRI organises a seminar on International Labour Organisation's Centennial Theme "The Future of Work" on November 9 on its Jamshedpur campus. The B-school hosted the meet to mark a glorious hundred years of the ILO. Dagmar Walter (director, ILO, DWT for South Asia and Country Office for India) graced the inaugural session with XLRI director Father P Christie, XLRI dean of academics Ashish K Pani. In her address, Walter said she was delighted to communicate with the future generation of managers. "As we embrace the unprecedented challenges posed by technological innovations, demographic shifts, and climate change, we need to invest in people," she said. Picture by Bhola Prasad

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 22 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

XAT date

JAMSHEDPUR: XLRI will conduct the Xavier Aptitude Test (XAT) on January 5, 2020. The test for entry to the B-school will be held in 72 centres across India. Ongoing registrations for XAT will end on November 30.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:28 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Cong candidate turns to crowdfunding

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Jamshedpur: Congress national spokesperson Gourav Vallabh, who is contesting Jamshedpur East, has take the crowdfunding route to meet his campaign expenses.

He is taking help of New Delhi-based start-up, OurDemocracy.in, that enables crowdfunding for political causes.

The 42-year-old professor of finance at XLRI, Vallabh has already received close to 200 contributions amounting to 2.84 lakh since his campaign went live on Tuesday. He has set a target of raising Rs 28 lakh in eight more days.

"I have opted for crowdfunding to make sure my politics is clean and transparent and to let people have an equal stake in my political journey," he said.

He said his motive behind joining politics was to further the idea of intellectual, inclusive and democratic India with liberal values.

"For communicating this message to people, we need resources and I don't have the deep pockets that one expects of politicians. My strength is my supporters," he said.

Gourav Vallabh

Vallabh, a strategic and financial analyst, has been associated with various reputed organisations and institutes.

In 2017, he joined the Indian National Congress to serve the public. He quickly rose through the ranks and became a national spokesperson for his party, regularly appearing on television debates.

Bilal Zaidi, a key member of OurDemocracy.in referring to the latest initiative said: "The recent political events in Maharashtra as well as the debate around electoral bonds once again proved that for our democracy to work, we need more transparency and reforms in political financing. Crowdfunding enables a deeper engagement between a candidate and his supporters and we hope more political parties and candidates will embrace transparency in the near future."

Jamshedpur East will vote in the second phase on December 7.

Heavyweight candidates such as chief minister Raghubar Das and Saryu Roy are also in the fray from that prestigious seat.

There are 13 crowdfunding campaigns from Jharkhand that are currently running on OurDemocracy.in.

Besides Vallabh, OurDemocracy was used by candidates such as Atishi, Kanhaiya, Jignesh, and parties such as Bahujan Samaj Party, CPI, CPI-M, AAP and Congress.

Vallabh is using the social media to popularise his crowdfunding pitch.

He is doing live sessions on Facebook to connect with his supporters and request them to contribute to his campaign.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 28 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

INSPIRED BY BOLLYWOOD, POLL SHOWDOWN SET TO SONG

Catchy ditties to catch the voter's ear

ANIMESH BISOEE

Jamshedpur: Remember the foot-tapping yesteryear number, "*yeh desh hai veer jawano ka*"? But if you think of Dilip Kumar when you hum the song from *Naya Daur*, think again.

The BJP has tweaked the song to promote chief minister and BJP's Jamshedpur East nominee Raghubar Das. "*Yeh pradesh hai veer jawano ka, deshbhakto ka…*" it says while promoting the BJP and Das.

There's more. A song for Gourav Vallabh, the XLRI finance professor who is making his poll plunge as the Congress candidate against Das, is a take on "*Arre deewanon*", the famous *Don* number. "Jamshedpur*walon, inhe pehchano, yeh hain* Prof Gourav…." goes the catchy rip-off.

Elsewhere, in Jamshedpur West, Congress nominee Banna Gupta is also banking on a song loosely set on a Bhojpuri tune. "*Is baar* Jamshedpur *paschimi tanha hai,* Banna *ko lana hai* (This time Jamshedpur West is lonely, time to bring Banna)," goes the ditty.

But Das's arguably biggest rival, BJP rebel and Independent candidate Saryu Roy, is however relying on slogans, not songs. "*Aapka ek* vote *har samasya ka samadhan hai, bhay aur atyachar se mukti ke liye vote kare* cylinder *par* (Your one vote is a solution to all problems, get rid of fear and oppression by voting on the cylinder symbol).

BJP district president Dinesh Kumar Sahu flags off campaign vans for Jamshedpur East candidate Raghubar Das in Agrico on Wednesday. (Bhola Prasad)

The poll showdown is also showtime for the masses.

On Wednesday, the BJP's Jamshedpur East unit took out two vans mounted with LCD panels to showcase videos on the Raghubar Das government's feats and play songs.

"We rolled out two vans with LCD panels showcasing people-friendly development policies of the Raghubar Das government through video and infographics. We are playing songs on six more vans fitted with speakers," said Prem Jha, Bharatiya Janata Yuva Morcha (Jamshedpur unit) spokesperson.

BJP's Jamshedpur West spokesperson Anil Modi also said they had composed lyrics for party candidate Devendra Singh with songs sung by local artistes. "The lyrics are set to tunes of patriotic of Bollywood numbers," Modi said.

Bablu Jha, district Congress spokesperson, said they had fielded candidates in Jamshedpur East and West constituencies as a part of the pre-poll seat-sharing deal with the JMM and RJD.

"We want to reach out to most voters before the campaigning ends on December 5. We are using songs sung by local artistes with our own lyrics set to the tunes of popular Hindi, Bengali, Bhojpuri and Punjabi songs," he said. A Congress source said they rolled out 12 vans with speakers to air songs and speeches.

"We are also using an LED van in Jamshedpur East to showcase the misrule of CM Raghubar Das," added Jha.

JVM candidate for Jamshedpur East, Abhay Singh, however, is banking on his pre-recorded speeches. Mani Mohanty, JVM district spokesperson, said Singh's hard-hitting speeches on his plans for the poor struck a chord.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 26 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

Teacher of finance does poll math

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Jamshedpur: Professor of finance at XLRI and Congress candidate from Jamshedpur East Gourav Vallabh, 42, is calculating his poll chances.

Newbie Vallabh is pitted against chief minister Raghubar Das, who as a BJP leader has never lost the election from Jamshedpur East.

Vallabh is also up against BJP rebel Saryu Roy, who after being denied the party ticket is fighting the CM on his turf as an Independent.

Vallabh, a certified financial risk manager from Global Association of Risk Professionals in the US, knows the risks. But the professor refuses to admit that it's only a contest between Das and Roy.

"I am more than 100 per cent confident of my victory. People want someone genuine to solve civic problems plaguing the constituency for years," he said while campaigning in Bagunhatu in Sidhgora on Monday.

A national spokesperson of the Congress, Vallabh shot to fame after he schooled BJP leader Sambit Patra — during a TV debate — on the number of zeros in a trillion.

He can teach a thing or two to many people, going by the number of degrees he has.

Gourav Vallabh. (Bhola Prasad)

Vallabh is a chartered accountant and a company secretary. He also has a PhD, an LLB and MCom under his belt.

He is canny enough to have gotten on the poll bandwagon of slum-dweller land rights and the closure of Incab.

"I decided to contest from Jamshedpur East as I know very well as a resident of the steel city for close to two decades (he has been with the XLRI for 18 years) how urban slum dwellers have been fooled by their elected representative on the issue of land ownership rights. I want to stop this cheating," he said.

He added: "I am also focusing on the inability of the local MLA and CM in opening Incab. It is a shame that during his tenure many industries in his constituency either closed or shifted base."

Vallabh claimed he had a lot of support on social media.

PUBLICATION:The Times of India
DATE:4 November 2019
EDITION: Mumbai
PAGE:11

A course for non-medicos to enter the medical field

Commercialisation of healthcare sector has fuelled the demand for experts in hospital management

c-Jagriti.Kumari
@timesgroup.com

The setting up of private hospital chains all across the country has created a need for hospital management experts who can manage smooth operation of these healthcare institutions. "A professional course in Hospital Management provides opportunities to work in public, private hospitals and healthcare insurance sector. Experts in this field have to work with various departments of a hospital to ensure the smooth functioning of it," says Vikram Burman, professor, Rai University, Ahmedabad.

COURSE STRUCTURE

Students are taught to deal with the finance, marketing, and operations related to the hospital industry. Candidates with an interest in the healthcare sector can explore better job opportunities and enhance their career growth through a professional degree. "An MBA in Hospital Management helps in senior managerial work and planning," adds Burman. Many government and private colleges also offer undergraduate, postgraduate and five-year integrated programmes in this field.

ELIGIBILITY

Students from Physics, Chemistry and Biology (PCB) stream are eligible to apply for admission to the programme. Taking national-level entrance exams such as CMAT, MAT, XAT, CAT and ATMA can be a feasible idea.

JOB PROSPECTS

One can fill in job roles such as hospital administrator, floor manager, quality consultant post the study. Since the healthcare sector is constantly looking for managerial expertise to raise quality, reduces cost, a professional degree helps.

Neeraj Kumar, vice-president, HR-Admin Suasth Hospital, Navi Mumbai says, "Several students who are not successful in getting admission to a medical college, opt for Hospital Management programme, to be a part of this field."

"Besides a degree, aspirants must be emotionally strong, kind and quick learners to succeed in this sector," he says.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 12 November 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI commemorates 100 years of ILO

TIMES NEWS NETWORK

Jamshedpur: To commemorate the centenary year of International Labour Organization (ILO), XLRI — Xavier School of Management organised a seminar on the theme "The Future of Work" on Monday.

Dagmar Walter, an ILO official who attended the seminar, said, "We need social justice for everyone to be the ultimate aim and objective of all public policies. I am hopeful that academic organisations, such as XLRI, will churn out future managers who will have the requisite values, skills, and vision to meet the challenges of future."

Speakers during the centenary celebrations on Monday

While delivering the welcome address, XLRI director Fr P Christie said, "XLRI applauds ILO for promoting social justice and human and labour rights for decades."

PUBLICATION: The Tribune
DATE: 13 November 2019
EDITION: New Delhi
PAGE: 4

PLACEMENTS

All 361 students get offer letters

XLRI - Xavier School of Management, Jamshedpur has completed its Summer Internship Placement Process (SIP) for the batch of 2019-21 within two days. The batch consisting 361 students has achieved 100 per cent placement.

This year, the Summer Internship Process saw participation from 86 recruiters, including 11 first-time recruiters. The average stipend saw an increase to ₹1.2 lakh per month from ₹1.07 lakh per month in 2018. The median stipend offered too was ₹1.2 lakh per month. The highest stipend stood at ₹2.5 lakh per month offered in the BFSI sector.

The top segments based on roles offered were Consulting, Sales & Marketing, and BFSI. Consulting firms extended offers to 16 per cent of the candidates. Sales & Marketing and BFSI constituted 40 per cent and 17 per cent of the roles offered to Business Management students respectively.

Other roles included niche functions in Analytics, Product Management, Business Development, Brand Management, and Strategy.

Organisations from a wide spectrum of sectors participated in the process, including FMCGs, Consulting, Pharma, IT and e-commerce, Auto, Mining, Oil & Gas and Telecom.

Amazon made the highest number of offers amongst the regular recruiters. — TNS

उदित वाणी

हिप-हॉप विख्यात डिवाइन और गीतकार निखिल डिसूजा की प्रस्तुति एक्सएलआरआई में 3 नवम्बर को

जमशेदपुर: देश के विख्यात हिप-हॉप प्रस्तुतकर्ताओं में से एक डिवाइन और गायक-गीतकार निखिल डिसूजा आगामी 3 नवंबर को शहर के एक्सएलआरआई में रेड बुल प्रेजेंट्स डिवाइन में अपनी प्रस्तुति देंग. हिप-हॉप के क्षेत्र में देश का जाना पहचाना नाम की कहानी एक प्रेरणादायी रही है. एक रैपर के रूप में गलियों से अपनी यात्रा शुरू करने वाले डिवाइन को 2013 में एक मात्र 'ये मेरा बॉम्बे' ने उन्हें स्टारडम तक पहुंचा दिया. डिवाइन को हार्ड हिटिंग गीतों की प्रेरणा अपने स्वंय के जीवन से मिली है. डिवाइन ने दुनिया का दौरा किया है, जिसे बीबीसी रेडियो शो में दिखाया गया है, जो बॉलीवुड फीचर फिल्म के लिए प्रेरणा बन गया एवं संगीत में काफी कुछ योगदान दिया. अब अपनी कम्पनी, रिकॉर्ड लेबल, गुली गैंग एंटरटेनमेंट भी चलाते है. इस साल की शुरुआत में रेड बुल मीडिया हाउस ने गुली लाइफ: द स्टोरी ऑफ डिवाइन का निर्माण और रिलीज किया, जो इस उल्लेखनीय रैपर के जीवन पर आधारित फिल्म है. इस साल अक्टूबर में डिवाइन ने अपना पहला फुल लैंथ एलबम कोहिनूर जारी किया, जिसे काफी सराहा गया.

मुम्बई के गायक : गीतकार और गिटारवादक, निखिल डिसूजा की स्टाइल और म्यूजिक शैली को इलेक्ट्रिक एकुस्टिक गिटार-आधारित पॉप के रूप में परिभाषित किया जा सकता है. उनके गीतों में वैकल्पिक ट्यूनिंग के उपयोग के कारण उनके लिए एक पूर्ण मधुर गुण है. डिसूजा के प्रमुख संगीत प्रभाव स्टिंग और जेफबकले रहे हैं. पिछले कुछ वर्षों में वह एकल और अपने बैंड के साथ दौरा कर रहे हैं और पूरे भारत के साथ-साथ यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी प्रदर्शन किया है.

एआईएमआईएम ने किया पतंग उड़ाने का कार्यक्रम

जमशेदपुर : एआईएमआईएम के प्रदेश स्तर पर विकास और सौहार्द के लिए पतंग उड़ाने का कार्यक्रम झारखण्ड की 51 विधानसभा में एक साथ दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक हुआ. इसी क्रम में जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के जिला अध्यक्ष आफताब सिद्दीकी के नेतृत्व में मानगो गांधी मैदान में पार्टी से जुड़े लोगो ने पतंग उड़ाई. अपने वक्तव्य में श्री सिद्दीकी ने कहा कि इस बार झारखंड में असली विकास का पैमाना मजलिस तय करेगी और इस 2019 के विधानसभा चुनाव में असेम्बली में एआईएमआईएम की धमक सुनाई देगी. कार्यक्रम में रियाज शरीफ, कामरान खान, काशिफ रजा सिद्दीकी, बुद्धदेव करुआ, शंकर तांती, उमर खान खालिद, इकबाल, मो तनवीर सय्यद रिजवान, जफर खान, वकार

छठ के मौके पर

जमशेदपुर : आस्था के पावन पर्व छठ के मौके
वैसे तो पूरे शहर में धार्मिक आयोजन होंगे, लेकिन
के प्रमुख आयोजन सूर्य मंदिर सिदगोड़ा में संपन्न ह
इसके लिए घाट को दुल्हन की तरह सजाया गय
वहीं पर्व में श्रद्धालुओं एवं व्रतियों को छठ गीत
सराबोर करने के लिए बॉलीवुड की सिंगर नेहा कव
कल शाम में एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान में अपना
प्रस्तुत करेंगी. आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर
गई है. वहीं जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम स्थल
निरीक्षण किया गया एवं आयोजन समिति को आवश
निर्देश दिए गएं, तत्पश्चात जिले के वरीय प्रशास
पदाधिकारियों ने मानगो छठ घाट का निरीक्षण किय

सीएम ने ग्रहण किया खरना का प्रसा

जुगसलाई विधानसभ
स्वाभिमान की लड़

जमशेदपुर : भारतीय जनता पार्टी के
जुगसलाई विधानसभा सीट पर अबकी कमल
खिलाने को कार्यकर्ता पूरी तरह से कमर कस
चुके हैं. पिछले एक माह में भाजपा के कई मंडल
अध्यक्ष सार्वजनिक रूप से गठबंधन प्रत्याशी के
विरोध में मुखर होकर बगावत का ऐलान कर
चुके हैं. वहीं लगातार भाजपा के कई नेताओं ने
पार्टी जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार से मिलकर
जुगसलाई विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी
प्रस्तुत किये है. इस कड़ी में भारतीय जनता पार्टी
के अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष विमल बैठा
ने भी चुनावी रण में उतने की तैयारियां शुरू कर
दी है. विमल बैठा बीते चार सालों से जुगसलाई
विधानसभा अंतर्गत मंडल क्षेत्रों में विशेष रूप से

उदित वाणी Sat, 02 November 2019
https://www.readwhere.com/read/c/45615666

को मन वाणी शरीर के कष्ट न करता है, शस्त्र लेकर हत्या करता है, मूल आधार है.

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2020 के लिए
विषयों की परीक्षा फरवरी 2020 से शु

निखिल डिसूजा के जादू से एक्सएलआरआइ में छायी रही मस्ती

डेब्यू एलबम कोहिनूर से कुछ रैप्स पेश किए गये

जमशेदपुर : देश के सबसें रोमांचक हिप-हॉप गायकों में से एक डिवाइन तथा विख्यात गायक-गीतकार निखिल डिसूजा ने एक्सएलआरआई में अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं पर ऐसा जादू बिखेरा जिसे आने वाले लम्बें समय तक याद किया जायेगा. रेड बुल प्रजेन्ट्स डिवाइन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उपस्थिति दर्शकों ने कार्यक्रम का आनन्द उठाया. उन्होंने अपनी रैप्स से लोगों को झुमाने का पूरा प्रयास किया. जैसे ही निखिल डिसूजा ने अपनी प्रस्तुति पूर्ण की वहां उपस्थित दर्शक डिवाइन की आवाज को सुनने के लिए फरमाइश करने लगे. अपनी प्रस्तुति के दौरान उन्होंने अपने लोकप्रिय ट्रैक फारक, पैंट्रा, वन साइड, मेरे गली में और जंगली शेर के साथ ही हाल ही में रिलीज हुए डेब्यू एलबम कोहिनूर से भी उन्होंने कुछ रैप्स पेश किए, गली बॉय फिल्म से मेरे गली में, बोलो आजादी, अपना टाइम आएगा, मुक्केबाज फिल्म से सीख-सीख जिंदगी का पैंतरा जैसे गाने गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया. इसी के साथ एक्सएलआरआइ में चल रहे वलहल्ला का समापन हो गया. विवियन फर्नांडीस उर्फ डिवाइन समापन समारोह का आकर्षण रहा. जानकारी हो कि एक रैपर के रूप में गलियों से अपनी यात्रा शुरू करने वाले डिवाइन को 2013 में एक मात्र ये मेरा बॉम्बे ने उन्हें स्टारडम तक पहुंचा दिया. डिवाइन को हार्ड हिटिंग गीतों की प्रेरणा अपने स्वंय के जीवन से मिली है.

उदित वाणी Tue, 05 November 2019
https://www.readwhere.com/read/c/45615952